DELHI CRIME 11 may 2022:Layout 1 5/10/2022 7:22 PM Page 1

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र विचार व अपराध निरोधक मुख्य हिन्दी राष्ट्रीय समाचार पत्र

दिल्ली क्राईम व भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा

DELHI CRIME WA BHRASHTACHAR VIRODHI MORCHA

Website- Delhicrimepress.in
Email-info@delhicrimepress.in

RNI No. DELHIN/2005/15378 | DCP Lic. No. F-2(D-9)PRESS/2005 | वर्ष-01 | बुधवार 11 मई 2022 | पीडीएफ अंक-21 | पृष्ठ-8 | मूल्य-निःशुल्क

मौसम

अधिकतम –41 | सूर्योदय – 5 : 34
न्यूनतम – 28 | सूर्यास्त – 7 : 03

सोना चांदी

सोना – 52910.00 प्रति 10 ग्र चांदी – 62500.00 किलो

अर्थसार

सैंसेक्स – 54364.85 | निफ्टी – 16240.05
रु/यूएस डॉलर – 77.13 | रु/यूरो – 81.45

न्यूज फ्लैश

राजकीय सम्मान के साथ होगा शिवकुमार शर्मा का अंतिम संस्कार, सीएम उद्धव का निर्देश

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने संगीतकार पद्म विभूषण पंडित शिवकुमार शर्मा के निधन पर शोक जताया है। उन्होंने संतूर वादक शर्मा के पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया है। मशहूर संगीतकार और संतूर वादक पंडित शिवकुमार शर्मा का मंगलवार की सुबह में कार्डियक अरेस्ट के कारण मुंबई में निधन हो गया। वे 84 वर्ष के थे। वह पिछले छह महीने से किडनी संबंधी समस्याओं से पीड़ित थे और डायलिसिस पर थे। वे मुंबई में राजीव आप्स, जिग जैग रोड, पाली हिल, बांद्रा में रहते थे। बॉलीवुड में "शिव-हरी" नाम से मशहूर शिव कुमार शर्मा और हरि प्रसाद चौरसिया की जोड़ी ने कई सुपरहिट गानों में संगीत दिया था। मुख्यमंत्री ने अपने शोक संदेश में कहा कि भारतीय संगीत के एक सम्मानित युग का अंत हुआ है। पंडित शर्मा और संतूर वाद्य का अटूट संबंध रहा है। संतूर को उनके नाम से जाना जाता था। पंडित शर्मा के संतूर वादन और उनकी अलौकिक आवाज ने न केवल भारतीयों बल्कि दुनिया को मंत्रमुग्ध कर दिया। जम्मू-कश्मीर को धरती का स्वर्ग लोक कहा जाता है। इसी भूमि से पंडित जी ने न केवल देश बल्कि दुनिया भर को संगीत की लहरों से रूबरू कराया। पंडित शर्मा का योगदान है कि संतूर पूरी दुनिया में पहुंच चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संगीत क्षेत्र में पंडित शर्मा के योगदान को कभी नहीं भुलाया जा सकेगा। शर्मा भारतीय संगीत के अग्रदूतों में से एक थे। उनके निधन से भारतीय संगीत पर गहरा असर पड़ा है। पद्म विभूषण पंडित शिवकुमार शर्मा जी को भावभीनी श्रद्धांजलि।

शाहीनबाग के बाद मंगोलपुरी और न्यू फ्रेंडस कॉलोनी पहुंचे एमसीडी के बुलडोजर

नई दिल्ली। अवैध निर्माण और अतिक्रमण पर कार्रवाई के लिए जहांगीरपुरी से शुरू हुआ बुलडोजर मंगलवार को मंगोलपुरी और न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी तक जा पहुंचा। इस कार्रवाई के लिए नगर निगमों ने पहले से ही पूरी तैयारी कर ली थी। दोनों ही जगहों पर स्थानीय लोगों के संभावित विरोध को काबू भारी संख्या में पुलिस और पैरा मिलिट्री फोर्स को तैनात किया गया है। शाहीन बाग के बाद मंगलवार को उत्तरी दिल्ली नगर निगम द्वारा दिल्ली के मंगोलपुरी में अतिक्रमण विरोधी विध्वंस अभियान चलाया जा रहा है। भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच यह अभियान चलाया जा रहा है। कार्रवाई की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंचे आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक मुकेश अहलावत ने इसे रोकने की कोशिश की, जिन्हें पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। विधायक मुकेश अहलावत ने कहा कि जब लोगों ने क्षेत्र खाली कर दिया है, तो नॉर्थ एमसीडी उन्हें घेरकर बुलडोजर का इस्तेमाल कर असुविधा क्यों पैदा कर रहे हैं। हम इसके खिलाफ हैं और इसे रोका जाना चाहिए। उन्हें पहले यह साबित करना होगा कि वहां अतिक्रमण है। इसके बाद पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। मंगोलपुरी में अतिक्रमण के खिलाफ अभियान पर लाइसेंस इंस्पेक्टर दीपक कुमार ने बताया कि लगभग 50 छोटी दुकानें थी, उन्हें हटा दिया गया है। जिन्होंने रोड पर कब्जा कर रखा था। कोर्ट में मामला चल रहा है, कोर्ट के आदेश पर ही ये कार्रवाई चल रही है। डीसीपी समीर शर्मा ने बताया कि अभी यहां पर अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है और स्थानीय विधायक मुकेश अहलावत भी आए थे, जिन्हें समझाया गया है और हमने उन्हें कुछ समय के लिए हिरासत में लिया गया है, ताकि कार्रवाई में किसी तरह की कोई बाधा नहीं हो। वहीं, दक्षिणी दिल्ली नगर निगम (एसडीएमसी) ने न्यू फ्रेंडस कॉलोनी में अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। एसडीएमसी दक्षिण दिल्ली के कई हिस्सों में 4 मई से 13 मई तक अतिक्रमण अभियान का पहला चरण चला रही है। इसे देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था के इंतजाम पुख्ता किए गए हैं। एसडीएमसी सेंट्रल जोन अध्यक्ष राजपाल सिंह ने न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी में चल रहे डिमोलिशन ड्राइव पर कहा कि गुरुद्वारा से अशोक पार्क के बीच सड़क पर कुछ बैरिकेड्स लगा दिए गए हैं। आज यह सड़क साफ हो जाएगी।

जैश ने दी यूपी-उत्तराखंड के कई रेलवे स्टेशनों को बम से उड़ाने की धमकी, अलर्ट पर सुरक्षा एजेंसियां

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड के कई रेलवे स्टेशनों और धार्मिक स्थलों को 21 मई को बम से उड़ाने की धमकी भरा पत्र मिलने के बाद अलर्ट जारी कर दिया गया है। रेलवे ने अपने जीआरपी, आरपीएफ और स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर चेकिंग अभियान चलाया है। इसी के साथ सुरक्षा एजेंसियां भी अलर्ट पर हैं। बता दें कि मुरादाबाद, बरेली और हरिद्वार रेलवे स्टेशन समेत कई स्टेशनों को बम से उड़ाने की धमकी रविवार को मिली। इस संबंध में रुड़की के स्टेशन अधीक्षक को पत्र भेजा गया है। धमकी भरा पत्र भेजने वाले ने अपने को जैश-ए-मुहम्मद का एरिया कंमाडर सलीम अंसारी बताते हुए इन स्टेशनों पर 21 मई को बम विस्फोट की बात कही है। इसके अलावा पत्र में हरिद्वार के कई धार्मिकस्थलों और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री को भी बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। स्टेशन अधीक्षक ने आरपीएफ और जीआरपी के साथ ही मुरादाबाद के डीआरएम अजय नंदन को पूरे प्रकरण से अवगत कराया है। रुड़की स्टेशन अधीक्षक एलके वर्मा के नाम से रविवार को एक अंतरदेशीय पत्र आया। पत्र भेज भेजने वाले ने खुद को जैश-ए-मुहम्मद का एरिया कंमाडर सलीम अंसारी बताते हुए कहा कि 21 मई को हरिद्वार, लक्सर, रुड़की, देहरादून, ऋषिकेश, काठगोदाम, मुरादाबाद और बरेली के स्टेशनों को बम से उड़ा देंगे। वहीं 23 मई को हरिद्वार के धार्मिकस्थल मंशा देवी, हरकी पैड़ी को भी निशाना बनाएंगे, इसके साथ ही उत्तराखंड के मुख्यमंत्री को भी बम से उड़ा देंगे। स्टेशन अधीक्षक रुड़की ने डीआरएम को धमकी भरे पत्र की प्रति व्हाटसएप पर भेजी है। वहीं इस पत्र से जीआरपी तथा आरपीएफ को भी अवगत कराया। पत्र को रेलवे ने गंभीरता से लेते हुए इसी जांच शुरू करा दी है। वहीं जीआरपी आए पत्र की लिखाई और पत्र पर डाकघर की मुहर की पड़ताल करने में लगी है। बता दें कि पहले भी कई बार रेलवे स्टेशनों को बम से उड़ाने की धमकी मिल चुकी है।

अमित शाह ने असम पुलिस को प्रदान किया राष्ट्रपति निशान

-यह सम्मान पाने वाला असम देश का 10वां राज्य

गुवाहाटी। दो दिवसीय दौरे पर असम पहुंचे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने दूसरे दिन मंगलवार को असम पुलिस के राजधानी के नेहरू स्टेडियम में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में हिस्सा लिया। शाह ने असम पुलिस की विशेष परेड का निरीक्षण करने के पश्चात परेड की सलामी ली। उन्होंने दो पत्रिकाओं का लोकार्पण किया। दोनों पत्रिकाओं में असम पुलिस के वीर जवानों के कार्यों को समाहित किया गया है। राष्ट्रपति की ओर से अमित शाह ने राष्ट्रपति निशान प्रार्थ प्रतिम दुअरा को प्रदान किया गया। यह सम्मान पुलिस की विशेष सेवा के लिए राष्ट्रपति द्वारा दिया जाता है। असम देश में यह सम्मान पाने वाला 10वां राज्य बन गया है। देश की आजादी के बाद पहली बार यह सम्मान उत्तर प्रदेश

पुलिस को दिया गया था। यह सम्मान राज्य के तीन सत्राधिकारों (मठाधीश) की मौजूदगी में प्रदान किया गया। इस सम्मान के मद्देनजर असम पुलिस द्वारा पिछले कुछ दिनों से राज्य के सभी जिलों में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम, जिसमें दौड़, बाइक रैली, चित्रांकन प्रतियोगिता आदि आयोजित किये जा रहे थे। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के नेतृत्व में पूरे राज्य में बाइक रैली भी निकाली गई थी। इसका समापन आज नेहरू स्टेडियम में हुआ। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति निशान की डिजाइन आईआईटी गुवाहाटी ने बनाई है। निशान में 36 स्टार जड़ित हैं। ये सभी स्टार राज्य के सभी जिलों को दर्शाते हैं। निशान में असम पुलिस का प्रतीक चिह्न और राज्य का प्रतीक एक सींग वाले गैंडे की आकृति भी है। इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा, राज्य सरकार के कई मंत्री, असम पुलिस महानिदेशक भास्कर ज्योति महंत के साथ ही कई शीर्ष अधिकारी एवं अतिथि मौजूद रहे। कार्यक्रम में असम पुलिस द्वारा आकर्षक परेड प्रदर्शित किया गया। वहीं पुलिस बैंड ने भी कई मनमोहनक धुन बजाकर उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। राष्ट्रपति निशान दिए जाने के मौके पर आसमान में गुब्बारा भी छोड़ा गया।

ममता को बांग्ला अकादमी पुरस्कार मिलने की तसलीमा नसरीन ने की कड़ी आलोचना

कोलकाता। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को रवींद्रनाथ टैगोर की 161वीं जयंती पर बांग्ला अकादमी के विशेष सम्मान दिए जाने पर बांग्लादेश की निर्वासित लेखिका तसलीमा नसरीन ने कड़ी आलोचना की है। तसलीमा ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर कहा है- 'यदि बदमाश, बेशर्म हत्यारा, लुटेरा चोर है तो समझ में आता है लेकिन जब कला और साहित्य की दुनिया में लोग बेशर्म हो जाते हैं, तो उस समाज से कुछ भी उम्मीद नहीं की जा सकती। अच्छा हुआ कि मैं अब उस शहर में नहीं रहती। अगर मैं रहती तो मुझे निराशा होती।' उन्होंने कहा है- 'मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को बांग्ला अकादमी साहित्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। उनकी हंबा हंबा कविता उस किताब में है। यह अच्छा है कि मैं अब कोलकाता में नहीं हूं। कवियों और लेखकों के लिए जितना सम्मान था, लोगों की ईमानदारी और साहस के लिए जितना ही

आकर्षण, उस शहर के लिए जितना पूर्वाग्रह था, वह सब धीरे-धीरे जा रहा है। चारों तरफ चाटुकारिता चल रही है। पैसा, सत्ता, नाम और पुरस्कार के लालच ने इंसान को इतना छोटा कर दिया है कि अब किसी का चेहरा नहीं दिखता।'

चुनाव बाद हिंसा की शिकायत लेकर राज्यपाल के द्वार पहुंची भाजपा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में पिछले साल विधानसभा चुनाव के बाद हुई हिंसा में 60 लोगों के मारे जाने की घटना को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने एक बार फिर राज्य सरकार के खिलाफ आंदोलन शुरू कर दिया है। नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी की घोषणा के मुताबिक मंगलवार को कोलकाता के रानी रासमणि एवेन्यू में भाजपा नेताओं ने धरना दिया। यहां चुनावी हिंसा में मारे गए भाजपा कार्यकताओं के परिजन भी मौजूद थे। राज्य सरकार के खिलाफ जबरदस्त नारेबाजी हुई है और पुलिस प्रशासन पर तृणमूल कांग्रेस की गुलामी करने के आरोप लगाए गए हैं। इसके बाद शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार, सांसद सौमित्र खान, सचिव अग्निमित्र पॉल और पार्टी की अधिवक्ता प्रियंका टिबरेवाल ने पीड़ित परिवारों को लेकर राज्यपाल जगदीप धनखड़ से मुलाकात की। पार्टी की तरफ से बताया गया कि मंगलवार अपराह्न के समय राजभवन में भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से मिलकर ज्ञापन सौंपा है जिसमें चुनावी हिंसा को लेकर उचित कार्रवाई की मांग की है। साथ ही पार्टी ने स्पष्ट कर दिया है कि भाजपा के मारे गए कार्यकताओं के पक्ष में आंदोलन जारी रहेगा। राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया है कि वह इस मामले में उचित कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। धनखड़ ने कहा कि चुनाव बीत जाने के एक साल बाद भी पश्चिम बंगाल में हिंसा का माहौल लगातार बरकरार है। यह दुखद स्थिति है। प्रशासन से उम्मीद की जाती है कि वह चुनाव बाद हिंसा के पीड़ित परिवारों को बिना भेदभाव किए उचित राहत उपलब्ध कराएगा। धनखड़ ने आगे कहा कि शुभेंदु अधिकारी, सुकांत,समेत भाजपा के अन्य नेताओं ने मिलकर ज्ञापन सौंपा है। इस पर उचित कार्रवाई के लिए अनुशंसा की जाएगी।

कांग्रेस को दो नहीं, एक भारत चाहिए: राहुल गांधी

अहमदाबाद। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद राहुल गांधी मंगलवार को दाहोद में 'आदिवासी सत्याग्रह रैली' में हिस्सा लेने पहुंचे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को दो नहीं एक भारत चाहिए। 2014 में प्रधानमंत्री बनने वाले नरेन्द्र मोदी ने इससे पहले गुजरात में जो काम किया वह आज भारत में हो रहा है। इसे गुजरात मॉडल कहा जाता है। उन्होंने कहा कि आज दो भारत हैं। पहला अमीरों का। इनके पास शक्ति, धन और अहंकार है। दूसरा भारत आम लोगों का है। इस मॉडल को भारत में लागू किया गया है। कांग्रेस दो भारत नहीं चाहती। वह ऐसा भारत चाहती है जिसमें सभी को समान अधिकार हो और सभी को सारी सुविधाएं मिलें। उल्लेखनीय है कि गुजरात में इस साल विधानसभा चुनाव होने हैं। इस लिहाज से इस रैली को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कांग्रेस नेता राहुल ने कहा कि अगर गुजरात में कांग्रेस की सरकार बनी तो वह आदिवासियों की मर्जी से चलेगी।

सरकार दो-तीन लोगों की नहीं जनता की आवाज से चलेगी। छत्तीसगढ़ की तरह गुजरात में गरीब बच्चों के लिए अंग्रेजी माध्यम स्कूल खोले जाएंगे। कांग्रेस वादा नहीं करेगी। वह गारंटी देगी। यह कोई जनसभा नहीं है, यह सत्याग्रह की शुरूआत है। उन्होंने कोरोना पर तंज कसते हुए कहा कि प्रधानमंत्री कह रहे थे- "थाली बजाओ। तीन लाख लोगों की मौत हुई है लेकिन टीवी पर नरेन्द्र मोदी का एक ही चेहरा नजर आता है। सरकार ने सरकारी स्कूलों को बंदकर उनका निजीकरण कर दिया। उन्होंने कहा कि विकास की हर ईंट में आदिवासियों का हाथ है। राहुल के दाहोद पहुंचने पर पूरा सभागार जय आदिवासी, जय जौहर और लड़ेंगे-जितेंगे के नारों से गूंज उठा। पूर्वी गुजरात प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमित चावड़ा ने भी सभा को संबोधित किया। गुजरात कांग्रेस अध्यक्ष जगदीश ठाकोर और विपक्ष के नेता सुखराम राठवा और गुजरात प्रभारी रघु शर्मा ने राहुल का स्वागत किया। हर्षदभाई निनामा ने चांदी की परछती पहना कांग्रेस नेता का स्वागत किया। दाहोद की रैली में भाजपा में शामिल होने की अटकलों के बीच पाटीदार नेता और कांग्रेस नेता हार्दिक पटेल भी मंच पर मौजूद रहे। राहुल गांधी ने आदिवासी सत्याग्रह की शुरूआत की। सत्याग्रह पत्र जगदीश ठाकोर ने पढ़ा। राहुल ने सत्याग्रह ऐप और सत्याग्रह की वेबसाइट www.adiwasisatyagrah.in को लॉन्च किया। बैठक में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, तापी और वेदांता परियोजनाओं के खिलाफ आंदोलन करने का फैसला किया गया। कांग्रेस प्रभारी रघु शर्मा ने कहा, "यह रैली सत्याग्रह की शुरूआत नहीं है। कांग्रेस 125 विधानसभा सीटें जीतेगी।" जगदीश ठाकोर ने कहा कि सरकार आदिवासियों को परेशान कर रही है। कांग्रेस आदिवासियों के संघर्ष को अपना बनाने का फैसला किया है। उल्लेखनीय है कि दाहोद स्थित नवजीवन आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज के ऐतिहासिक मैदान में राहुल गांधी आदिवासी सत्याग्रह रैली को संबोधित करेंगे।

मेरठ पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, रैपिड रेल स्टेशन का निरीक्षण

मेरठ। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ क्रांति दिवस पर मंगलवार को मेरठ पहुंचे। पुलिस लाइन में हेलीकॉप्टर से उतरने के बाद मुख्यमंत्री ने पहले ट्रांजिट हॉस्टल का निरीक्षण किया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने भैंसाली में निमार्णाधीन रैपिड रेल स्टेशन का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री योगी का हेलीकॉप्टर मंगलवार शाम को पुलिस लाइन स्थित हेलीपैड पर उतरा। इसके बाद मुख्यमंत्री ने पुलिस लाइन में निर्मित ऑफिसर्स ट्रांजिट हॉस्टल का निरीक्षण किया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने सिविल लाइन स्थित धन सिंह कोतवाल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस के बाहर मुख्यमंत्री ने इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस)

को देखा। इस सिस्टम से मेरठ के आठ चौराहों को लैस किया गया है। अब पूरा यातायात कैमरों की निगरानी में चलेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों का ऑटोमेटिड चालान कट जाएगा।

मुख्यमंत्री ने इस प्रोजेक्ट की सराहना की और आईटीएमएस को गृह मंत्रालय के सर्विलांस सिस्टम से जोड़ने के लिए कहा। आयुक्त आवास चौराहे पर मुख्यमंत्री ने क्रांति साइकिल यात्रा को रवाना किया। यहां से मुख्यमंत्री का काफिला भैंसाली स्थित निमार्णाधीन रैपिड रेल स्टेशन को देखने के लिए पहुंचे।

यहां पर आरआरटीएस प्रोजेक्ट को देखने के साथ ही मुख्यमंत्री ने रैपिड रेल टनल का भी निरीक्षण किया और इंजीनियरों से रैपिड रेल के बारे में जानकारी ली। इसके बाद मुख्यमंत्री शहीद स्मारक जाएंगे। इस अवसर पर सांसद राजेंद्र अग्रवाल, ऊर्जा राज्य मंत्री डॉ. सोमेंद्र तोमर, जल शक्ति राज्य मंत्री दिनेश खटीक, कैंट विधायक सत्यप्रकाश अग्रवाल, मुकेश सिंघल, कमलदत्त शर्मा, आयुक्त सुरेंद्र सिंह, आईजी प्रवीण कुमार, जिलाधिकारी दीपक मीणा, एसएसपी प्रभाकर चौधरी आदि उपस्थित रहे।

पंजाब में शिक्षा का दिल्ली मॉडल लागू होगा: मान

-अध्यापकों के लिए वार्षिक नकद इनाम का ऐलान

लुधियाना। स्कूली शिक्षा प्रणाली में सुधार लाने के लिए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मंगलवार को लुधियाना में सरकारी स्कूलों के प्रिंसिपल के साथ बैठक की। सभी से इस संबंध में सुझाव मांगे। मुख्यमंत्री ने कहा जल्द ही पंजाब में शिक्षा का दिल्ली मॉडल लागू किया जाएगा। सरकारी शिक्षा प्रणाली पर लोगों का भरोसा कायम करना समय की जरूरत है। यह सभी के सहयोग संभव होगा। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को बढ़ाने की भी जरूरत है, जिससे उनको नौकरी ढूंढने वालों से नौकरी प्रदान करने वाला बनाया जा सके। मान ने कहा कि आप सरकार राज्य में उद्योगों को वापस लाकर हुनर के पलायन को रोकने के लिए वचनबद्ध है। पंजाब के अध्यापकों को दिल्ली के स्कूलों के

अलावा सिंगापुर, स्विटजरलैंड, फिनलैंड, हार्वर्ड और आक्सफोर्ड जैसी संस्थाओं में प्रशिक्षण के लिए सरकारी खर्च पर भेजा जाएगा। भगवंत मान ने कहा कि प्रवासी भारतीय सरकारी स्कूलों को अपनाने के लिए तैयार हैं परन्तु उनके पैसे का प्रयोग विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा प्रदान करने में करना होगा। मुख्यमंत्री ने सर्वोत्तम सरकारी स्कूलों के 10 अध्यापकों और प्रिंसिपल के लिए सालाना नकद इनाम का ऐलान भी किया। मुख्यमंत्री ने अध्यापकों के विचार और सुझाव जानने के लिए ऑनलाइन पोर्टल लांच किया। सरकारी स्कूलों में पीटीएम भी शुरू होनी चाहिए। शिक्षा मंत्री मीत हेयर ने भरोसा दिलाया सभी अध्यापकों के विचारों और सुझावों का स्वागत किया जाएगा। पंजाब को शिक्षा के क्षेत्र में नंबर 1 बनाने के लिए सार्थक विचारों को सभी स्कूलों में लागू किया जाएगा।

पहले भारत मांगता था, अब दुनिया को देने जाते हैं प्रधानमंत्री मोदी : जेपी नड्डा

सूरतगढ़ (श्रीगंगानगर)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे. पी. नड्डा ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत की सत्ता संभालने के बाद राजनीति की संस्कृति ही बदल दी है। विरोधियों को भी अब विकास की बात पर ही चुनाव में सामने आना पड़ता है। पहले कांग्रेस जातिवाद, भेदभाव, परिवारवाद कर चुनाव जीतती थी लेकिन अब भाजपा की विकासवादी राजनीति ने कांग्रेस की नींव हिला दी है। हमारी पार्टी जवाबदेह हैं, जो चीजों को सही ढंग से उठाती है। नड्डा मंगलवार को सूरतगढ़ जिले में बीकानेर संभाग के बूथ अध्यक्ष संकल्प महासम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एक समय में भारत का प्रधानमंत्री जब देश से बाहर जाता था, तब हमेशा भारत मांगने वाला देश कहलाता था। जब से केंद्र में नरेन्द्र मोदी की सरकार बनी है प्रधानमंत्री मोदी देश से बाहर जाते हैं तो दुनिया को देने जाते हैं, लेने नहीं। हमारे कांग्रेसी भाई कहते हैं कि देश में बदला क्या है लेकिन हम कहते हैं आप बेरोजगार हो गए। भारत ने साढ़े 18 करोड़ वैक्सीन 100 देशों तक पहुंचाई है। 48 देशों को डेढ़ करोड़ मुफ्त में वैक्सीन दी है। उन्होंने कटाक्ष किया कि कांग्रेसी कहते हैं 'मोदी वैक्सीन बीजेपी की वैक्सीन है' जबकि स्वयं कांग्रेसियों ने चुपचाप लगवा ली और लेकिन जनता को गुमराह करते रहे। उन्होंने कहा कि यूक्रेन से बच्चों को अपने वतन वापस लाने में भारत अग्रणी रहा है। कोई देश नहीं ला पाया लेकिन मोदी ने एक महीने में 23 हजार बच्चों को वापस अपने वतन पहुंचाया है, जिनमें 5 हजार बच्चे राजस्थान के हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा एक मजबूत पार्टी के रूप में आने वाले समय में राजस्थान विधानसभा चुनाव की दृष्टि से तैयार है। कार्यकताओं की मेहनत के बल पर अशोक गहलोत सरकार को उखाड़ फेकेंगे। नड्डा ने कहा कि बूथ ही वह रचना है, जहां से सत्ता का उद्गम होता है। जो भी ताकत मिलती है वह बूथ से मिलती है। उन्होंने कार्यकताओं से कहा कि भाजपा ने 'हमारा बूथ सबसे मजबूत' नारा दिया, जिसके तहत बूथ को मजबूत करना है। भाजपा द्वारा दिए गए संस्कार देकर पार्टी को मजबूती प्रदान करें। नड्डा ने कहा कि राज्य में 52 हजार 62 बूथ हैं जबकि बीकानेर संभाग में 5 हजार 925 बूथ हैं। सभी बूथ कार्यकताओं से निवेदन है कि बूथ में कोई कमी नहीं आनी चाहिए। पूरी ताकत से मजबूती प्रदान करें और भाजपा की सरकार बनाएं। उन्होंने कहा कि बूथ अध्यक्ष उत्प्रेरक है। कुल का रक्षक है, ताकत प्रदान करता है। यहां बैठे सभी बूथ अध्यक्षों से उन्होंने बार-बार यही आह्वान किया कि जमीन मजबूत ऐसी करें कि सामने कोई भी आ जाए लेकिन हमारे सामने टिक ना पाए। नड्डा ने कहा कि कांग्रेस का रिपोर्ट कार्ड नहीं है लेकिन भाजपा की सरकारें और नेतागण छाती ठोककर

जवाबदेह बनकर जवाब देते हैं। पिछले सालों में चिकन पॉक्स की दवाई भारत में 20 साल बाद पहुंची, टिटनेस की दवा 38 साल बाद और पोलियो की दवा भारत में 28 साल बाद आई, आज की तारीख में भारत पोलियोमुक्त हो गया लेकिन मोदी सरकार के समय कोरोना वायरस जनवरी-2020 में आया तो अप्रैल में टास्क फोर्स बैठा और 9 महीनों में एक ही नहीं बल्कि दो-दो वैक्सीन बनाकर करोड़ों लोगों तक पहुंचा दी गई। उन्होंने कहा कि आज भी अमेरिका, यूरोप जैसे कई देश कोरोना से लड़ रहे हैं और मास्क पहन रहे हैं लेकिन हमारे यहां 190 करोड़ सुरक्षा टीका देकर सुरक्षित कवच बना लिया गया है कि हम सब पास बैठे हैं और किसी के चेहरे पर मास्क तक नहीं है। यही है बदलता भारत। पूर्व मुख्यमंत्री व भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुन्धरा राजे ने कहा कि एक तो केंद्र में मोदी की भाजपा सरकार है, जो सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के आधार पर काम करती है। दूसरी ओर राजस्थान में कांग्रेस की गहलोत सरकार है, जो खुद का साथ और खुद का विकास के फामूर्ले पर चल रही है। पूर्व सीएम ने कहा कि आजादी के बाद हमारी पहली सरकार थी, जिसने पाकिस्तान जाने वाले पानी को रोकने का का काम किया। गहलोत सरकार भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, महिला अत्याचार और दंगों में नम्बर वन है। राजे ने कहा कि राजस्थान में कानून और व्यवस्था व बिजली गायब हो गई है। प्रदेश की जनता असुरक्षित और सरकार की गद्दी सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि गहलोत सरकार ने हमारी कई योजनाएं बंद कर दी। हमारी सरकार की योजनाएं हमारे अस्त्र-शस्त्र और हथियार हैं। हमारे कार्यकर्ता केंद्र और भाजपा की राज्य सरकार की योजनाओं को लोगों तक पहुंचाए और बताएं कि हमने लोगों के हित में क्या क्या काम किए? जनता में अपनी गिरती साख को बचाने और जनता का ध्यान बांटने के लिए गहलोत सरकार अब तुष्टिकरण की नीति पर उतर आई है। राजे ने कहा कि चार प्रदेशों यूपी, उत्तराखंड, मणिपुर और गोवा में भाजपा को मिली सफलता के बाद भाजपा गुजरात और हिमाचल प्रदेश, उसके बाद कर्नाटक और फिर राजस्थान,मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी ऐतिहासिक बहुमत के साथ सरकारें बनाएगी। बूथ अध्यक्ष संकल्प महासम्मेलन को केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनियां ने भी संबोधित किया।

DELHI CRIME 11 may 2022:Layout 1 5/10/2022 7:22 PM Page 2

सम्पादकीय

हिन्दू राष्ट्र के नाम पर समाज विभाजक एजेण्डा?

भारत में सक्रिय हिंदूवादी संगठनों द्वारा कभी 'हिन्दू राष्ट्र' निर्माण तो कभी 'अखंड भारत' की संकल्पना प्रायः की जाती रही हैं। आज के ऐसे दौर में जब कि स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार मंहगाई और बेरोजगारी अपने चरमोत्कर्ष पर हो, इसी तरह के नारों से आम लोगों का ध्यान भटकाकर देश में बहुसंख्यवादी राजनीति की आड़ में सत्ता संरक्षण में एक बहुत बड़ा 'गिरोह ' सक्रिय हो कर लोगों को 'हिन्दू राष्ट्र' निर्माण और 'अखंड भारत' के सपने दिखाकर देश में अस्थिरता का वातावरण पैदा कर रहा है। अफसोस तो यह कि इस मिशन में राजनेताओं,धर्मगुरुओं से लेकर टी वी चैनल्स तक के स्वामी व पत्रकार खुलकर अपनी अपनी भूमिका निभा रहे हैं। भूख,गरीबी और मंहगाई से जूझ रहे प्रकृतिक रूप से उदारवादी स्वभाव रखने वाले हिन्दू भाइयों को चार चार बच्चे पैदा करने,घरों में हथियार रखने,मुसलमानों के विरुद्ध सशस्त्र संघर्ष छेड़ने,मुसलमानों का व्यवसायिक बायकॉट करने,उनके धार्मिक व सामाजिक मामलों में दखलअंदाजी कर उन्हें उत्तेजित करने व चिढ़ाने जैसे प्रयास लगातार किये जा रहे हैं। और इस तरह की 'असंवैधानिक ' बातों पर अब देश के अनेक क्षेत्रों के लोग भी खुलकर अपनी नाराजगी का इजहार करने लगे हैं। पिछले दिनों अंबाला में सांप्रदायिकता फैलाने के लिये बदनाम हो चुके एक टी वी चैनल के प्रमुख ने 'समान नागरिक संहिता' पर परिचर्चा के नाम पर कुछ हिंदूवादियों की भीड़ इकट्ठी की। जाहिर है इसमें इकट्ठे हुये अधिकांश लोग राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ,भाजपा,विश्व हिन्दू परिषद् तथा इससे जुड़े अन्य संगठनों के सदस्य ही थे। इस में अंबाला शहर के स्थानीय विधायक जो कि भाजपा के ही हैं उन्होंने भी शिरकत की। यह आयोजन चर्चा का विषय इसलिये बन गया कि उन्मादी बातें करने में माहिर टी वी चैनल प्रमुख ने इस आयोजन में मौजूद लोगों को हिन्दू राष्ट्र बनाने की एक शपथ दिलाई। इस शपथ की भाषा पूरी तरह उत्तेजनात्मक व गैर संवैधानिक तो थी है साथ ही भारतीय संविधान के अंतर्गत विधान सभा सदस्य के रूप में शपथ लेने वाले किसी विधायक के लिये तो बिल्कुल ही अनावश्यक व असंवैधानिक भी थी । टी वी प्रमुख व विधायक के साथ साथ शपथ लेने वाले सभी लोग अपने हाथ उठाकर कह रहे थे कि -'हम हिंदुस्तान को हिंदू राष्ट्र बनाने और इसे हिंदू राष्ट्र बनाए रखने को प्रतिबद्ध हैं। अगर आवश्यकता पड़ी तो हम बलिदान देंगे या आवश्यकता पड़ी तो लेंगे। लेकिन हम देश को किसी भी कीमत पर हिंदू राष्ट्र घोषित करेंगे। हमारे पूर्वज और ईश्वर हमें हमारा लक्ष्य पाने की शक्ति दें। इसके पश्चात हिंदू राष्ट्र के समर्थन में नारे लगाए गए जिसमें विधायक को भी सभागार में मौजूद अन्य लोगों के साथ दोनों हाथ ऊपर करके नारे लगाते देखा गया। गौरतलब है कि जिस जगह यह आयोजन हो रहा था वह स्थान हरियाणा-पंजाब सीमा से मात्र डेढ़ किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। अभी कुछ ही दिन पहले अंबाला का पड़ोसी पंजाब का जिला पटियाला खालिस्तान समर्थक व खालिस्तान विरोधियों के बीच हुई झड़प का केंद्र बना था। उस घटना के अभी एक सप्ताह भी नहीं बीते थे कि टी वी प्रमुख के भेस में पूरे देश में बेलगाम घूमता फिर रहा यह व्यक्ति अंबाला आकर यहां का शांतिपूर्ण वातावरण 'प्रदूषित ' करने की पूरी कोशिश कर गया। उसके द्वारा दिलाई गयी हिन्दू राष्ट्र की शपथ व उसमें स्थानीय भाजपा विधायक की मौजूदगी के बाद अंबाला के सिख समाज में तीखी प्रतिक्रिया हुई। शहर की कई संस्थाओं ने विधायक के विरुद्ध मोर्चा खोल दिया। शहर के ऐतिहासिक गुरुद्वारा मंजी साहब में अनेक प्रमुख सिख नेताओं सहित अन्य सभी धर्मों के लोगों ने भी इकठ्ठा होकर इस आयोजन विशेषकर विधायक द्वारा हिन्दू राष्ट्र की शपथ लेने पर गहरा रोष जताया। सिख समाज द्वारा बुलाई गयी बैठक में कई वक्ताओं ने कहा कि विधायक का इस प्रकार शपथ लेना कतई उचित नहीं है, यह भारत को तोड़ने वाला बयान है,हिन्दू राष्ट्र की मांग करना देशद्रोह है। उपस्थित लोगों ने विधायक के विरुद्ध पुलिस में मामला दर्ज करने की बात कही और कहा कि यदि कोई कार्रवाई नहीं होती तो सिख समाज बड़ी संख्या में इकट्ठा होकर अगली रणनीति तैयार करेगा। इसी सभा में जहां कुछ वक्ताओं ने हिन्दू राष्ट्र व खालिस्तान दोनों के ही निर्माण की संकल्पना का विरोध करते हुये 'एक भारत-सशक्त भारत' की जरुरत पर जोर दिया वहीं कुछ लोग यह कहने से भी नहीं चूके कि यदि हिन्दू राष्ट्र की मांग जायज है तो खालिस्तान की मांग नाजायज क्यों है? केवल सिख समाज में ही नहीं बल्कि हिन्दू राष्ट्र की प्रतिध्वनि अब असम में भी सुनाई देने लगी है।

लाउडस्पीकर्स की आड़ में,बाकी सभी ज्वलंत मुद्दे भाड़ में

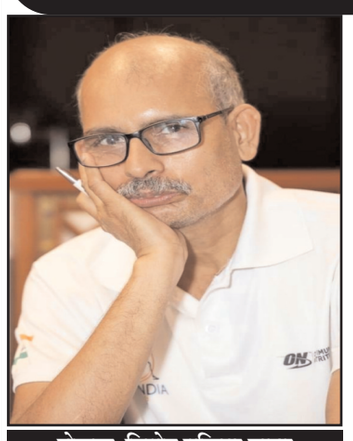

लेखक-विनोद तकिया वाला /ईएमएस

प्रकृत्ति के बदलते परिवेश में गोलोबल वार्मिंग में प्रदुषण रूपी दानव नें ताड़व मचा रखाहै। प्रदुषण की श्रेणी में हवा प्रदुषण' जल प्रदुषण, ध्वनि प्रदूषण है जो श्रृष्टि के विनाश के लिए जिम्मेदार है।समय समय पर प्रदुषण रूपी राक्षस को रोकने के लिए माननीय न्यायालय को दिशा निर्देश जारी करना पड़ता है। प्रदुषण के श्रेणी में ध्वनि प्रदुषण को लेकर चिन्ता व चिन्तन का दौर से सम्पूर्ण देश दर्दनाक दौर से गुजर रहा है। आज मै आप के समक्ष सता के गलियारो में लाउडस्पीकर की गर्जना से उपन्न ध्वनि प्रदूर्षण के बारे चर्चा करने वाला है। ध्वनि प्रदुषण की गुंज उत्तर प्रदेश के बाद अब देश की राजधानी दिल्ली में भी राजनीति ने तूल पकड़ लिया है। विगत दिनों भाजपा के सांसद प्रवेश वर्मा द्वारा दिल्ली के उपराज्यपाल और तीनों नगर निगमों को पत्र लिखे जाने के बाद अब दिल्ली बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष ने भी इस मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखा है. आदेश गुप्ता ने अपने पत्र में मांग की है कि राजधानी दिल्ली में माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेश के अनुसार सभी धार्मिक स्थलों व अन्य जगहों पर लगे लाउडस्पीकर को तुरंत हटाया जाए क्योकि लाउडस्पीकर ध्वनि प्रदूषण का प्रमुख कारण हैं, जिससे छोटे बच्चों, बुजुर्गों और लोगों को परेशानी होती है। दिल्ली में लाउडस्पीकर पर मचे विवाद को लेकर राजनीति ने तुल पकड़ लिया है।इसमें अब दिल्ली बीजेपी भी कूद गई है। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष द्वारा पूरे मामले पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखकर सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी किए गए निदेर्शों के आधार पर राजधानी में सभी धार्मिक स्थानों से लाउडस्पीकर्स हटाने की कार्रवाई करने की मांग की गई है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर के आधार दिल्ली सरकार बिना तुष्टीकरण के दिल्ली में सभी धार्मिक स्थलों से लाउडस्पीकर्स हटाने की कार्रवाई शुरू करे। पूरे देश भर में इन दिनों धार्मिक स्थानों पर लगे लाउडस्पीकर को लेकर जमकर राजनीति हो रही है। पहले उत्तर प्रदेश और फिर महाराष्ट्र और दिल्ली में भी इस पूरे मामले ने तूल पकड़ लिया है। दिल्ली के अंदर भी लाउडस्पीकर के मामले को लेकर सियासी दलों की खींचतान शुरू हो गई है। लाउडस्पीकर्स को हटाने को लेकर दिल्ली बीजेपी के अध्यक्ष आदेश गुप्ता की पीसीइस सबके बीच मंगलवार सुबह दिल्ली बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने पूरे मामले पर मीडिया के सामने आकर बातचीत की। उन्होंने अपनी बात रखते हुए कहा कि "वर्तमान समय में राजधानी दिल्ली के अंदर चाहे वह वायु प्रदूषण,जल प्रदूषण या फिर ध्वनि प्रदूषण हो सब अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच चुका है. जिस पर अब लगाम लगाना आवश्यक है. आज देश के कई राज्यों में ध्वनि प्रदूषण पर लाउडस्पीकर को लेकर न सिर्फ गंभीर चर्चा हो रही है बल्कि कुछ राज्यों में लाउडस्पीकर पर रोक भी लगा दी गई है। इस तरह के फैसले का नागरिकों ने भी स्वागत किया है। लाउडस्पीकर के शोर के चलते पढ़ने वाले छात्रों-छात्राओं, छोटे बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को तकलीफ का सामना करना पड़ता है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा जो दिशा-निर्देश दिए गए हैं उसके तहत राज्य सरकारों को ही निर्धारित करना है कि सभी धार्मिक स्थलों से लाउडस्पीकर हटाए जाएं।देश के अंदर बहुसंख्यक समाज ने लाउडस्पीकर्स पर रोक लगाए जाने के लिए सुप्रीम कोर्ट के फैसले को गंभीरता से लेने के साथ उसका समर्थन किया है। लाउडस्पीकर्स हटाने की कार्रवाई शुरू करे।अगर लाउडस्पीकर्स बजाने भी हैं कोई तो उसके लिए प्रशासन से पहले इजाजत लेना अनिवार्य है।जब दुबई और इंडोनेशिया जैसे देशों में लाउडस्पीकर्स पर रोक लगा दी गई है तो दिल्ली में क्यों नहीं लगाई जा सकती है। गुप्ता ने इस प्रकरण पर दिल्ली सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि जो आदेश जारी किये गए हैं उसमें संस्थानों, बैंक्विट हॉल और अन्य बंद जगहों पर लाउडस्पीकर बजाने के मद्देनजर समय को निर्धारित किया गया है, लेकिन मस्जिदों को लेकर कोई भी जिक्र नहीं किया गया है। दिल्ली सरकार तुष्टीकरण की नीति छोड़ सुप्रीम कोर्ट के निदेर्शों का करे। कानून की नजर में लाउडस्पीकर्स का विरोध; सुप्रीम कोर्ट अपना रुख स्पष्ट कर चुका है।माननीय न्यालाय के द्वारा जबरन ऊंची आवाज नागरिको के मौलिक अधिकार का उल्लंघन मौजूदा वक्त में मस्जिदों में लाउडस्पीकर्स बजाने को लेकर उपजे विवाद ने सियासी रंग अख्तियार कर लिया है लेकिन इसके वैज्ञानिक और कानूनी पहलू भी हैं जिसको नजरंदाज नहीं किया जा सकता है। आप को बता दे कि ध्वनि प्रदूषण पर क्यो कहता है हमारा कानून। सुप्रीम कोर्ट ध्वनि प्रदूषण पर रोक के मामले में दिए अपने फैसले में कह चुका है कि जबरदस्ती ऊंची आवाज यानी तेज शोर सुनने को मजबूर करना मौलिक अधिकार का दुसरे को भी शांति से रहने का अधिकार है और यह अधिकार जीवन के मौलिक अधिकार का हिस्सा है। लाउडस्पीकर्स या तेज आवाज में अपनी बात कहना अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार में आता है,लेकिन अभिव्यक्ति की आजादी जीवन के अधिकार से ऊपर नहीं हो सकती। किसी को भी शोर करने का अधिकार नहीं है जिससे उसके घर से बाहर जाकर पड़ोसियों और अन्य लोगों के लिए परेशानी पैदा करे। माननीय न्यायालय ने कहा था कि शोर करने वाले अक्सर अनुच्छेद 19(1)ए में मिली अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार की शरण लेते हैं। लेकिन कोई भी व्यक्ति लाउडस्पीकर चालू कर इस अधिकार का दावा नहीं कर सकता। हमारा संविधान अगर किसी के पास बोलने का अधिकार है तो दूसरे के पास सुनने या सुनने से इन्कार करने काअधिकार है। लाउडस्पीकर से जबरदस्ती शोर सुनने को बाध्य करना दूसरों के शांति और आराम से प्रदूषणमुक्त जीवन जीने के अनुच्छेद-21में मिले मौलिक अधिकार का उल्लंघन है। अनुच्छेद 19(1)ए में मिला अधिकार अन्य मौलिक अधिकारों को हतोत्साहित करने के लिए नहीं है। एक अंहम फैसले में कोर्ट ने आदेश दिया था कि सार्वजनिक स्थल पर लगे लाउडस्पीकर की आवाज उस क्षेत्र के लिए तय शोर के मानकों से 10 डेसिबल (ए) से ज्यादा नहीं होगी या फिर 75 डेसिबल (ए) से ज्यादा नहीं होगी, इनमें से जो भी कम होगा वही लागू माना जाएगा। जहां भी तय मानकों का उल्लंघन हो, वहां लाउडस्पीकर व उपकरण जब्त करने के बारे में राज्य प्रविधान करे। आप को बना दे कि ध्वनि के तय मानक है। न्यायलय केआदेश तब तक लागू रहेंगे जब तक कोर्ट स्वयं इसमें बदलाव न करे या इस बारे में कानून न बन जाए। ज्ञात्वय रहे कि डेसिबल ध्वनि की तीव्रता मापने का मानक है। पर्यावरण संरक्षण कानून,1986 के तहत ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने और तय मानकों के उल्लंघन पर सजा के प्रविधान दिए गए हैं। इसके तहत ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण नियम, 2000 बने हैं जिनमें ध्वनि के मानक तय हैं। सार्वजनिक स्थल पर लाउडस्पीकर्स के लिए पुलिस और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से इजाजत लेनी पड़ती है। लोकसभा सांसद नवनीत कौर राणा की याचिका पर जुलाई में सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट,जानें क्यान है पूरा मामला विशेष धार्मिक और सांस्कृतिक समारोह में रात 10 से 12 बजे तक लाउडस्पीकर बजाने के लिए विशेष इजाजत की जरूरत होती है जो अधिकतम 15 दिन के लिए ही मिल सकती है और आवाज की अधिकतम सीमा 75 डेसिबल हो सकती है। लंबे समय तक सुप्रीम कोर्ट में ध्वनि प्रदूषण के मामले में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से पेश होते रहे वरिष्ठ वकील विजय पंजवानी कहते हैं कि कानून में ध्वनि की सीमा उल्लंघन पर धारा 15 में सजा का प्रविधान है, लेकिन ये प्रभावी ढंग से लागू नही होती। नियम का उल्लंघन पर पांच साल तक की कैद और एक लाख रुपये तक जुमार्ने की सजा हो सकती है। लगातार उल्लंघन पर 5,000 रुपये रोज जुमार्ने का प्रविधान है। ध्वनि प्रदूषण पर पुलिस परिसर में घुसकर लाउडस्पीकर्स जब्त कर सकती है। फिलहाल आप से यह कहते हुए विदा लेते है कि "ना ही काहूँ से दोस्ती ' ना ही काहूँ से बैर। खबरी लाल तो मांगे, सबकी खैर॥

आज का कार्टून।

खालिस्तान की वापसी

लेखक-सिद्धार्थ शंकर /ईएमएस

कुछ वर्षों पहले तक लग रहा था कि खालिस्तान के नाम लेवा शायद अब नहीं बचे हैं और गिने-चुने जो स्वयंभू नेता विदेशों में रह रहे हैं, वे भी ठंडे पड़ चुके होंगे। लेकिन 2018 में ब्रिटेन की राजधानी लंदन में भारत के स्वतंत्रता दिवस से तीन दिन पहले खालिस्तान समर्थक संगठन सिख फॉर जस्टिस ने जो रैली निकाली, वह भारत के लिए गंभीर खतरे का संकेत था। इस रैली से तथाकथित खालिस्तान समर्थक नेताओं ने अपनी मौजूदगी का अहसास कराने की कोशिश की थी। इसके जरिए यह संदेश दिया गया था कि अलग राष्ट्र की मांग को लेकर खालिस्तान समर्थकों की लड़ाई खत्म नहीं हुई है। अब इस रैली का असर भारत में दिखने लगा है। हाल की घटनाओं को देखें तो कई में खालिस्तान का नाम सामने आया है।

जजों को धमकी, करनाल में 4 आतंकियों का पकड़ा जाना, पटियाला में शिवसैनिकों के साथ झड़प या अब हिमाचल प्रदेश विधानसभा के बाहर झंडे लगाना, सारी कवायद अचानक हुई नहीं है। अगर ताजा घटनाक्रम को देखें तो रविवार सुबह धर्मशाला में हिमाचल प्रदेश विधानसभा के मुख्य द्वार और चारदीवारी पर खालिस्तान के झंडे बंधे मिले थे। दोषियों ने विधानसभा परिसर के भीतरी इलाकों में पुलिस की तैनाती का फायदा उठाकर दीवारों और गेट पर झंडे लगा दिए। विधानसभा परिसर के अंदरूनी हिस्सों में पुलिस तैनात हैं, क्योंकि यह बहुत बड़ा है। इसलिए पोस्टर को दीवार और विधानसभा के मुख्य द्वार पर लगाया गया। जांच में क्या सामने आएगा, यह बाद में पता चलेगा मगर अभी जिस तरह से इस तरह की हरकतें बढ़ी हैं, वह चिंता बढ़ाने वाली हैं। 1990 के दशक में पंजाब के सुपरकॉप केपीएस गिल ने सख्ती से निपटते हुए पंजाब को खालिस्तानी आतंकवादियों से मुक्ति दिलवाने में अहम भूमिका अदा की थी। लेकिन अब ये लोग फिर सिर उठाने लगे हैं। इसमें कोई शक नहीं कि खालिस्तान की मांग को लेकर भारत को अस्थिर करने की कोशिश करने वाले बचे-खुचे नेता ऐसा करते रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे। लेकिन गंभीर सवाल यह है कि ढाई दशक बाद फिर से खालिस्तान की मांग को जो हवा दी जा रही है, उसके पीछे आखिर कौन है? सिख फॉर जस्टिस को योजनाबद्ध तरीके से पाला-पोसा जा रहा है। मानवाधिकार संगठन होने का दावा करने वाले इस संगठन के साथ ब्रिटेन की वामपंथी ग्रीन पार्टी खड़ी है। हाउस ऑफ कॉमन्स में इस पार्टी की एकमात्र निर्वाचित नेता कैरोलीन लुकास ने खालिस्तान समर्थकों के पक्ष में यहां तक कहा था कि सिख लोगों को यह निर्धारित करने का हक है कि वे अपने लिए स्वतंत्र पंजाब चाहते हैं। जाहिर है, ब्रिटेन की धरती पर खालिस्तानी नेताओं की पौध तैयार करने का काम चल रहा है। योजना लंबी है कि कब क्या करना है। इससे लोगों के मन में फिर से यह बात बैठेगी कि सिखों का अलग देश खालिस्तान होना चाहिए। भारत ने करीब डेढ़ दशक तक पंजाब के आतंकवाद को झेला है और इसकी भारी कीमत चुकाई है। हजारों निर्दोष भारतीय नागरिक आतंकवादियों की हिंसा का शिकार हुए। अब इस दौर में खालिस्तान की मांग करने वालों की आवाज उस देश से आई है जो आतंकवाद के खात्मे में हर तरह से भारत के साथ होने का दावा करता रहा है और खुद भी इसके खतरों से दो-चार रहा है।

सिख फॉर जस्टिस यूरोप के कई देशों में सक्रिय है। अमेरिका और कनाडा में इसके तार हैं। इस साल फरवरी में कनाडा के प्रधानमंत्री के साथ खालिस्तान समर्थक जसपाल अटवाल के संपर्कों का खुलासा भी कम चौंकाने वाला नहीं था। अटवाल 1986 में पंजाब के एक मंत्री की हत्या में दोषी करार दिया गया था और अब कनाडा का नागरिक है। इस तरह की गतिविधियां जिस तेजी से सिर उठा रही हैं, उसे लेकर भारत सरकार को विशेष सतर्कता बरतने की जरूरत है। भारत को उन देशों की सरकारों पर भी दबाव बनाना होगा जहां खालिस्तान के नाम पर आज भी गतिविधियां जारी हैं।

काम में तल्लीनता

एक साधक से पूछा गया-आप साधना करते हैं? उसने कहा, 'जब भूख लगती है, तब खा लेता हूं और जब नींद आती है, तब सो जाता हूं। यही है मेरी साधना।' उसने कहा, 'बड़ी सीधी बात है। यह तो मैं भी कर सकता हूं।' साधक से कहा, 'अच्छा आओ, भोजन करें।' दोनों भोजन करने बैठे। भोजन पूरा हुआ। साधक ने पूछा, भोजन कर लिया? हां, कर लिया। क्या खाया? रोटी, शाक, चावल और मिठाई। केवल भोजन ही किया या कुछ स्मृति और कल्पना भी की? भोजन करते-करते अनेक स्मृतियां सामने आ गई। मीठी-मीठी कल्पनाएं भी कीं। भोजन यंत्रवत चलता रहा और मैं उन स्मृतियों और कल्पनाओं में डूबता रहा। परोसी हुई थाली खाली हो गई। हाथ धोकर उठ खड़ा हुआ। साधक ने कहा, भाई! तुमने भोजन कहां किया? भोजन कहां खाया? तुमने तो स्मृतियां खाई हैं, कल्पनाएं खाई हैं, विचार खाया है, रोटी और मिठाई कहां खाई केवल रोटी और मिठाई खाना बहुत कठिन होता है। आदमी विचार खाता है, कल्पना खाता है। आयुर्वेद का एक सूत्र है, 'तन्मना भुजीत'- भोजन करते समय इसी बात का ध्यान रहे कि मैं भोजन कर रहा हूं। यह स्वास्थ्य की दृष्टि से कही हुई बात है, किन्तु साधना की दृष्टि से यह और अधिक महत्वपूर्ण बन जाती है। साधक जो काम करे वह उसी में तन्मय बन जाए अन्यथा व्यक्तित्व खण्डित हो जाता है। 'डुयल पर्सनेलिटी' खतरनाक होती है। जहां खंडित व्यक्तित्व होता है, वहां कोई सम्बन्ध स्थापित नहीं हो सकता।

प्रसंगतः त्याग का तप

जब मेघनाद के शक्ति वाण से लक्ष्मण मूर्छित हो गए, तो विभीषण की राय पर हनुमान सुषेन वैद्य को ले आए। वैद्य जी ने हिमालय से संजीवनी बूटी लाने की सलाह दी, पर यह शर्त भी रखी कि अगर सूर्योदय से पहले लक्ष्मण को संजीवनी नहीं पिलाई गई तो वह जिंदा नहीं बचेंगे। यह काम हनुमान को सौंपा गया। जब हनुमान पूरे धवल गिरि को उठाए अयोध्या से गुजर रहे थे, तो उन पर भरत की दृष्टि पड़ गई। भरत ने सोचा कि राम की अनुपस्थिति में कोई राक्षस अनिष्ट करने की मंशा से राज्य के ऊपर मंडरा रहा है। उन्होंने धनुष-वाण उठाया और हनुमान पर निशाना साध दिया। वाण लगते ही हनुमान धरती पर आ गिरे और कुछ क्षणों के लिए अचेत हो गए। भरत को बहुत ग्लानि हुई। कुशल क्षेम पूछने के बाद भरत ने कहा,' आपको सूर्योदय से पहले लंका पहुंचना है और दूरी बहुत ज्यादा है। मेरे वाण पर बैठ जाइए, इससे आप तुरंत ही राम के पास पहुंच जाएंगे।' हनुमान ने कहा, 'राम का नाम लेने में जितनी देर लगती है, उतने ही समय में मैं लंका पहुंच जाऊंगा।' इस बीच सभी रानियां भी आ गईं। दुखद समाचार सुनने के बाद कौशल्या ने राम के लिए संदेश दिया कि चाहे जो हो जाए, अगर लक्ष्मण जीवित न बचा तो तुम भी कभी अयोध्या मत आना। इसके बाद कैकेयी ने कहा, 'राम! वन में भटकते-भटकते बहुत दिन बीत गए हैं। अब तुम अयोध्या लौट आओ, अब मैं भरत को तुम्हारी जगह युद्ध के लिए भेज रही हूं।' सुमित्रा से रहा नहीं गया। वह बोलीं, 'लक्ष्मण के प्राण नहीं बचे तो कोई बात नहीं। तुम चिंता मत करना। उसका एक भाई शत्रुघ्न है, जल्दी से स्थिति के बारे में बताओ ताकि मैं तुम्हारी सेवा में उसे भेज सकूं।' उनकी बातें सुनकर हनुमान ने सोचा कि जहां एक-दूसरे के लिए त्याग की ऐसी भावना हो, वहां सभी संकट स्वतः कट जाएंगे।

भाजपा का नया खेल

लेखक-ओमप्रकाश मेहता / ईएमएस)

जम्मू-कश्मीरः सीटें बढ़ाकर कब्जे की जुगत....?

देश पर राज कर रही भारतीय जनता पार्टी अपने चक्रवर्ती सम्राट अभियान की शुरूआत जम्मू-कश्मीर से करना चाहती है, उसे पता है कि अनुच्छेद 370 खत्म करने की नाराजी अभी वहां के वोटरों से दूर नहीं हुई है, इसलिए अब इस राज्य के वोटरों को मनाने का उत्तरदायित्व स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संभाल लिया है, साथ ही चूंकि जम्मू क्षेत्र में भाजपा का वर्चस्व है और कश्मीर में शून्य की स्थिति है, इसलिए हाल ही में परिसीमन की औपचारिकता के माध्यम में जम्मू क्षेत्र में विधानसभा सीटों के इजाफें के प्रयास किए गए और जम्मू क्षेत्र में आधा दर्जन नई विधानसभा सीटें बढ़ाकर जम्मू क्षेत्र की सीटें 43 तथा कश्मीर क्षेत्र में मात्र एक सीट की वृद्धि कर यहां सीटों की संख्या 47 कर दी गई है, अर्थात् अब इस राज्य की विधानसभा में सीटों की कुल संख्या 90 हो गई है। अब यह तो स्वाभाविक है कि इस मशक्कत के बाद अपना मूल उद्देश्य पूरा करने के लिए विधानसभा के चुनाव जरूरी है, जिसके लिए तैयारी शुरू कर दी गई है और कौशिश की जा रही है कि 6 महीनें बाद नवम्बर में गुजरात व हिमाचल प्रदेश के विधानसभा चुनावों के साथ जम्मू-कश्मीर विधानसभा के भी चुनाव करवा दिये जाए और येन-केन-प्रकारेण अपने प्रमुख गढ़ जम्मू के बलबूते पर भाजपा वहां बहुमत प्राप्त कर ले और अपनी सरकार बना ले, इसलिए भाजपा के अभी से ये प्रयास शुरू हो गए है कि जम्मू क्षेत्र की 47 सीटों में से लगभग सभी सीटें भाजपा के कब्जें में हो और कश्मीर क्षेत्र में भी अपना झण्डा गाडने का सपना पूरा हो, इस तरह जम्मू आधारित बहुमत के बल पर भाजपा इस राज्य में अपनी सरकार गठित कर ले, इसलिए प्रधानमंत्री जी का रूझान इन दिनों कश्मीर की ओर अधिक ही है। इधर यदि हम कश्मीर की बात करें तो वहां के राजनेताओं व आम नागरिकों की अनुच्छेद 370 खत्म करने की नाराजी बिल्कुल कम नहीं हुई है, इस एक मसले पर कश्मीर के

सारे राजनेता व उनके राजनीतिक दल एक साथ है और एकजुट होकर भाजपा का विरोध कर रहे है, यद्यपि अपनी राजनीतिक चाल के तहत् भारतीय जनता पार्टी शासित केन्द्र सरकार ने परिसीमन आयोग के माध्यम से पहली बार कश्मीरी पण्डितों के लिए दो तथा अनुसूचित जनजाति के लिए नौ सीटें आरक्षित करने का प्रयास किया है, किंतु जहां तक कश्मीरी पण्डितों का सवाल है, उनकी भी भाजपा से जबरदस्त नाराजी है, क्योंकि 2014 के चुनावी घोषणा-पत्र में इनका दर्द शामिल करने के बावजूद आठ साल के अब तक के शासनकाल में भाजपा ने कश्मीरी पण्डितों का अपनी जन्म भूमि छोड़ने का दर्द दूर नहीं किया और वे अभी भी निर्वासित जिन्दगी जीने को मजबूर है। कुल मिलाकर भाजपा ने परिसीमन का नाटक करके जम्मू कश्मीर में सात विधानसभा सीटें बढ़वा दी है और इस राज्य में अब विधानसभा सीटों की कुल संख्या बढ़कर 83 से 90 हो गई है। भाजपा को उम्मीद है कि यदि जम्मू संभाग की 43 सीटों में से 40 सीटें भी भाजपा कबाड़ लेती है तो तीन चार सीटों के लिए कश्मीर में मशक्कत कर इस राज्य में भाजपा सरकार बना सकती है। चूंकि जम्मू कश्मीर विधानसभा के चुनाव गुजरात व हिमाचल प्रदेश के साथ प्रस्तावित होने जा रहे है और इसलिए चूंकि गुजरात-हिमाचल प्रदेश पर भाजपा का वर्चस्व पहले से ही है, इसलिए भाजपा पूरा ध्यान जम्मू कश्मीर पर ही केन्द्रीत करने वाली है और येन-केन-प्रकारेण वहां सरकार स्थापित करना चाहती है।

यहाँ यह उल्लेखनीय है कि पिछले चार सालों (जून 2018) से जम्मू कश्मीर में कोई चुनी हुई सरकार नहीं है तथा यहां उप-राज्यपाल जी की ही केन्द्रीय नेतृत्व में सरकार चल रही है यह भी उल्लेखनीय है कि जिस परिसीमन का सहारा लेकर भाजपा ने यहां सीटों का इजाफा किया है, उसी तरह 1995 में यहां परिसीमन आयोग का गठन कर यहां आठ जिलों और नई तहसीलों का गठन किया था। अब परिसीमन आयोग ने यहां की पांच लोकसभा सीटों में प्रति लोकसभा 18 सीटों के आधार पर राज्य की 90 विधानसभा सीटों का बंटवारा किया है। यहाँ यह भी स्मरणीय है कि पांच अगस्त 2019 से पहले जम्मू कश्मीर विधानसभा की सदस्य संख्या एक सौ ग्यारह थी, इनमें से 45 कश्मीर में, 37 जम्मू में और चार सीटें लद्दाख में थी पाक अधिकृत कश्मीर के लिए 24 सीटें रिजर्व रखी गई है, अभी तक इस राज्य की 87 सीटों पर चुनाव होते आए है। अलग केन्द्र शासित राज्य बनने के बाद लद्दाख की चार सीटों को हटा दिया गया है, इसलिए अब इस राज्य में विधानसभा की 83 सीटें है, जो अब सात सीटें बढ़ने से 90 सीटें हो जाएगी। इस प्रकार कुल मिलाकर इस राज्य के राजनीतिक परिदृष्य की कल्पना की जाए तो छः माह बाद यहां होने वाला विधानसभा चुनाव जबरदस्त होगा, भाजपा जहां यहां अपनी सरकार के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाएगी, वहीं भाजपा के खिलाफ एक जुट हो रहे स्थानीय राजनीतिक दल व उनके नेता कश्मीरियों को अपने त्रासदी भरे पुराने दिनों की याद दिलाकर भाजपा के प्रति उनके दिलों में नफरत पैदा कर रहे है। अब यही दिलचस्प होगा कि इस रस्साकशी में जीत किसकी होती है?

DELHI CRIME 11 may 2022:Layout 1 5/10/2022 7:22 PM Page 3

ई- अधिगम योजना ऑनलाइन शिक्षा के लिए कारगर साबित होगी: कंवरपाल

- मुख्यमंत्री खट्टर 15 मई को होंगे जगाधरी में
- तैयारियों को लेकर किया दर्जन भर गांवों का दौरा

यमुनानगर, (हि.स.)। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल की 15 मई को होने वाली प्रस्तावित जगाधरी रैली को लेकर शिक्षा मंत्री कंवरपाल गुर्जर ने मंगलवार को एक दर्जन से अधिक गांवों में जनसंपर्क किया। शिक्षा मंत्री कंवरपाल ने इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी आमजन 15 मई को सुबह 9 बजे जगाधरी अनाज मंडी में पहुंचकर मुख्यमंत्री मनोहर लाल के विचारों को सुनें। मुख्यमंत्री मनोहर लाल जब-जब जगाधरी विधानसभा क्षेत्र में आए है जगाधरी विधानसभा क्षेत्र को हमेशा करोड़ों रूपयों की योजनाओं की मंजूरी देकर गए है।

उन्होंने कहा कि शिक्षा के स्तर में सुधार लाने के लिए हरियाणा प्रदेश में ई-अधिगम योजना के तहत 10वीं व 12वीं कक्षा के सभी विद्यार्थियों को लगभग 3 लाख टेबलेट वितरित किए गए हैं। हमारे सरकारी स्कूलों में शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में बहुत काफी प्रतिभा छुपी हुई है। इसलिए मैं समझता हूं कि प्रदेश सरकार बच्चों के हित में जो कार्य कर ही है वह न केवल बच्चों के हित में है बल्कि देश के हित में भी है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के लिए टेबलेट और डेटा ऐसे टूल है जिनमें 21वीं सदी के कौशलों को ग्रहण करने में सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि कोरोना के समय माता-पिता के पास अपने बच्चों को ऑनलाईन शिक्षा देने के अलावा कोई संसाधन नहीं था। भाजपा सरकार ने ई-अधिगम के माध्यम से यह कमी पूरी करने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि यह महत्वाकांक्षी योजना सरकारी स्कूलों में पढने वाले अधिकांश विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन शिक्षा के लिए कारगर साबित होगी। खासकर उन छात्रों के लिए जो स्मार्टफोन और टेबलेट जैसे उपकरणों को खरीदने में असमर्थ है। इस मौके पर भाजपा मीडिया प्रभारी कपिल मनीष गर्ग साथ रहे।

सभी सीएचसी/पीएचसी पर लगाई जा रही हैं बूस्टर डोज: डा. बह्मदीप सिंधू

-लोगों से की अपील, सभी लगवाएं अपनी बूस्टर डोज

पलवल, (हि.स.)। जिले के सभी सीएचसी/पीएचसी पर बूस्टर डोज लगाई जा रही है। पलवल जिले में यह डोज फ्री लगाई जा रही है, जबकि सभी जिलों में यह डोज लगाने के लिए 350 रुपए देने पड़ते हैं। सिविल सर्जन डा. ब्रहमदीप सिंधू ने मंगलवार को बताया कि ने स्वास्थ्य विभाग की सभी संस्थाओं में 18 से 59 वर्ष आयु के सभी पात्र लाभर्थियों को निशुल्क एहतियाती खुराक लगाई जा रही है। सभी इस अवसर का लाभ उठाएं। उन्होंने सभी से अपील की है कि अपने दिनचर्या में कोविड प्रोटोकॉल अपनाएं एवं योग व मैडिटेशन को जरूर शामिल करें। सिविल सर्जन ने बताया कि देश में वायरोलॉजी विशेषज्ञों का कहना है कि भारत के कुछ हिस्सों में कोरोना घटता बढ़ता जरूर रहेगा, लेकिन चौथी लहर की आशंका दूर-दूर तक नहीं है। इसके बावजूद हरियाणा में लगातार मिल रहे संक्रमणों को देखते हुए गुरूग्राम और फरीदाबाद में कुछ समय से पाबंदियां लगाने पर विचार किया जा रहा है। पलवल जिले में बढ़ते मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य से जुड़े कर्मचारियों और अधिकारियों को यह पता लगाने का निर्देश दिया है कि ऐसा क्यों हो रहा है। कोरोना के मामले आखिर इन दिनों जिले में आ रहे हैं, इस मामले में अधिकारियों का कहना है कि जिला में विदेशियों का आना-जाना बहुत होता है। कोरोना के बढ़ते हुए मामलों को देखते हुए हरियाणा सरकार ने मास्क लगाना अनिवार्य कर दिया है। सिविल सर्जन ने सभी से आग्रह किया है कि सभी समय पर अपनी बूस्टर डोज लगवाएं ताकि कोविड से बचा जा सके। बूस्टर डोज के दूसरे दिन 5567 लोगों को बूस्टर डोज लगाई गई।

महेंद्रगढ़ में 55 स्ट्रीट सिचुएशन बच्चे चिन्हित: डॉ. आभीर

नारनौल, (हि.स.)। महिला एवं बाल विकास विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. जी अनुपमा ने मंगलवार को बाल संरक्षण के संबंध में राज्य के सभी उपायुक्तों की वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से बैठक ली। इस बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव ने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने निराश्रित और अनाथ बच्चों के लिए हरिहर जैसी महत्वपूर्ण योजना चलाई है। ऐसे में इस श्रेणी में आने वाले बच्चों को तुरंत चिन्हित किया जाए। उन्होंने बताया कि हरिहर योजना के तहत राज्य सरकार के बाल गृह में पंजीकृत होने पर सभी निराश्रित और अनाथ बच्चों की शिक्षा और पालन-पोषण का खर्च वहन कर रही है। जब यह बच्चा बाल गृह में रहते हुए 18 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेगा तब उसे अनुग्रह राशि का लाभ देकर ग्रुप सी और ग्रुप डी की नौकरी दी जाएगी। नौकरी पाने के लिए बच्चों को किसी प्रकार की परीक्षा नहीं देनी होगी। उपायुक्त डॉ. जेके आभीर ने बताया कि जिला महेन्द्रगढ़ में फरवरी 2022 से अब तक स्ट्रीट सिचुएशन चिल्ड्रन के विषय में किए गए सर्वे के तहत जिला बाल संरक्षण इकाई व बाल कल्याण समिति की संयुक्त टीम के माध्यम से 55 स्ट्रीट सिचुएशन बच्चों को चिन्हित किया गया है। सभी 55 बच्चों के सन्दर्भ में बाल स्वराज पोर्टल की सभी प्रक्रियाओं को पूर्ण किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि इन 55 बच्चों में से 54 बच्चों को शिक्षा विभाग के माध्यम से सरकारी स्कूल में पंजीकृत करवा दिया गया है। एक बच्चे की उम्र 6 वर्ष से कम होने के कारण उसे आगंनवाड़ी में पंजीकृत किया गया है। वर्तमान में इन 55 बच्चों में से 11 बच्चे अपने मूल निवास स्थान पर परिवार सहित वापिस चले गए है तथा बाकि 44 बच्चों को सरकार की स्कीम के तहत स्वास्थ्य विभाग से हेल्थ कार्ड जारी करवा दिए गए है।

अनुसूचित जाति के लोगों ने पुलिस के खिलाफ किया प्रदर्शन

यमुनानगर, (हि.स.)। पुलिस कार्रवाई ना किए जाने के विरोध में मंगलवार को गांव चनेटी के अनुसूचित जाति के लोगों ने पुलिस के खिलाफ बड़ी संख्या में लघु सचिवालय पर इकठ्ठा होकर प्रदर्शन किया और नारेबाजी की। उसके बाद जिला उपायुक्त के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। गांव चनेटी के लोगों को कहना है कि मार्च महीने में हुए झगडे में गांव के समाजिक दबंगाइयों को पुलिस संरक्षण दे रही है। जिसके विरोध में हमने जिला पुलिस के अधिकारियों को इसकी शिकायत भी की थी। पहले तो पुलिस द्वारा बड़ी मुश्किल से एससी-एसटी एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया। लेकिन कार्रवाई नही की गई। जिसको लेकर समय-समय पर हमने सभी जिला पुलिस अधिकारियों से मुलाकात की। लेकिन हर समय हमें झूठा आश्वासन दिया गया। जिस-ाको लेकर पहले भी हमने 25 मार्च को ज्ञापन दिया था और 28 मार्च को लघु सचिवालय के सामने प्रदर्शन भी किया था। लेकिन उसके बावजूद भी हमारी कहीं सुनवाई नहीं हुई। जिसको लेकर आज बड़ी संख्या में पीडित वर्ग के बच्चे, महिलाएं व पुरुष पुलिस के विरोध में पहुंचे हैं। उन्होंने मुख्यामन्त्री से न्याय की मांग करते हुए कहा कि हमें जल्द से जल्द इंसाफ दिलाया जाए और आरोपित दबंगाइयों को गिरफ्तार किया जाए। उन्होंने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर प्रशासन और सरकार हमारी नहीं सुनती तो हमें मजबूरन सड़कों पर उतरना पड़ेगा। जिसकी सारी जिम्मेदा-री प्रशासन की होगी।

हरियाणा के पूर्व सीएम ओपी चौटाला ने पास की दसवीं और बारहवीं

चंडीगढ़, (हि.स.)। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं इनेलो सुप्रीमो चौधरी ओमप्रकाश चौटाला को दसवीं और बारहवीं की मार्कशीट हरियाणा बोर्ड द्वारा दी गई है। इनेलो सुप्रीमो सर्वसमाज द्वारा मनाई गई वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की 428वीं जयंती के उपलक्ष्य में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करने पहुंचे थे। भिवानी पहुंचने पर हरियाणा शिक्षा बोर्ड के अधिकारियों ने सम्मान के साथ पूर्व मुख्यमंत्री को दसवीं और बारहवीं की मार्कशीट सौंपी। इनेलो सुप्रीमो ने 2019 में 10वीं की परीक्षा दी थी लेकिन किन्हीं कारणों से अंग्रेजी का पेपर नहीं दे पाए थे। अंग्रेजी विषय का परिणाम न आने के चलते हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड ने उनका 12वीं का परिणाम भी रोक लिया था। अगस्त 2021 में 10वीं का अंग्रेजी का पेपर दिया था, जिसमें उन्होंने 88 प्रतिशत अंक प्राप्त किए थे। पूर्व मुख्यमंत्री ने 87 साल की उम्र में 10वीं और 12वीं प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण की है। उम्र के इस पड़ाव में स्मरण-शक्ति अभी भी मजबूत है और हौसले पूरी तरह से बुलंद हैं। आज भी इनेलो सुप्रीमो राजनीति में पूरी तरह से सक्रिय हैं और पिछले दो सालों में पूरे हरियाणा के सभी जिलों और हलकों का कई-कई बार दौरा कर चुके हैं।

नलकूपों पर पांच घंटे बिजली देकर सरकार ने किसान विरोधी मानसिकता दिखाई

फतेहाबाद, (हि.स.)। अखिल भारतीय किसान सभा जिला कमेटी की मीटिंग राज्य प्रधान फूल सिंह श्योकंद की मौजूदगी में सम्पन्न हुई, जिसमें किसान आंदोलन के बाद उभरी परिस्थितियों पर चर्चा करते हुए भावी कार्यक्रम तय किए गए। बैठक की अध्यक्षता किसान सभा के जिला प्रधान रामस्वरूप ढाणी गोपाल पूर्व जिला पार्षद ने की और संचालन जिला सचिव जगतार सिंह ने किया। किसान सभा के राज्य प्रधान फूल सिंह श्योकंद ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि इस वर्ष गेहूं का उत्पादन 15 से 20 मण प्रति एकड़ घटा है, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है इसलिए किसान सभा हरियाणा स-रकार से राज्य स्तर पर किसानों को गेहूं पर 500 रुपये प्रति क्विंटल बोनस देने की मांग करती है ताकि किसान अगली खरीफ की फसल के लिए खाद, बीज व डीजल आदि का प्रबंध कर सके। इसके साथ-साथ किसानों को खेतों के ट्यूब्वेलों पर पूरे 8 घंटे बिजली सुचारू रूप से दी जाए ताकि नरमा, धान समेत सभी फसलों की बिजाई समय पर हो सके। इन मुद्दों को लेकर राज्य स्तर पर मांग पत्र दिए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस समय पर ट्यूबवेल की बिजली सप्लाई का 5 घंटे का शैडयूल बना देना हरियाणा सरकार की किसान विरोधी मानसिकता को दशार्ता है। किसान नेता ने बताया कि प्रदेशभर में किसान सभा का सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। आगामी दिनों में बिजली संकट, गेहूं पर बोनस समेत तमाम मुद्दों को लेकर संघर्ष को और तेज किया जाएगा। किसान सभा के नेता फूल सिंह श्योकंद ने बताया कि किसान आंदोलन के दौरान संयुक्त किसान मोर्चा से किये गए वायदें को केंद्र सरकार लगातार नजरअंदाज कर रही है। न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कमेटी बनाने की सहमति बनी थी, लेकिन इस दिशा में सरकार एक कदम भी आगे नहीं बढ़ी है। दूसरी ओर केंद्र सरकार द्वारा गेहूं की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद निर्धारित लक्ष्य के 50 प्रतिशत से भी कम की गई है। किसान आंदोलन के दौरान किसानों पर दर्ज केस वापसी का वायदा भी पूरी तरह से नहीं निभाया जा रहा है और रेलवे समेत बहुत से केस ज्यों के त्यों बरकरार हैं।

पार्ट टाईम कर्मचारियों ने जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय घेरा

फतेहाबाद, (हि.स.)। शिक्षा विभाग में कार्यरत पार्ट टाईम कर्मचारियों की विभिन्न मांगों को लेकर मंगलवार को हरियाणा राज्य चतुर्थ श्रेणी सरकारी कर्मचारी यूनियन के बैनर तले कर्मचारियों द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर धरना दिया गया। इस दौरान कर्मचारियों ने अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी कर रोष जताया। धरने की अध्यक्षता यूनियन के जिला प्रधान रामपाल ने की व संचालन सचिव सुखदेव सिंह ने किया। मुख्य वक्ता के तौर पर राज्य उपप्रधान विनोद कुमार भड़ोलांवाली ने भाग लिया और कर्मचारियों की मांगों पर प्रकाश डाला। इसके बाद कर्मचारियों द्वारा शिक्षा अधिकारी को मांग पत्र भी सौंपा गया। धरने को संबोधित करते हुए राज्य उपप्रधान विनोद भड़ोलांवाली ने कहा कि स-रकार व अधिकारी कर्मचारियों की जायज मांगों को लेकर गंभीर नहीं है। पार्ट टाइम कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं को लेकर यूनियन द्वारा 27 अप्रैल को जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी के नाम मांग पत्र सौंपा गया था लेकिन इस पर अभी तक कोई कार्यवाही न होने से कर्मचारियों में रोष है। पूर्व में दिए गए अल्टीमेटम के चलते आज कर्मचारियों को धरना देने पर मजबूर होना पड़ा है। उन्होंने कहा कि विभाग में कार्यरत पार्ट टाईम कर्मचारियों को हर महीने 7 तारीख तक वेतन देना सुनिश्चित किया जाए। इन कर्मचारियों को 26 दिन कार्यदिवस मानते हुए पूरे 10 महीने का वेतन दिया जाए। इन कर्मचारियों की वरिष्ठता सूची तैयार की जाए और इनका ड्यूटी का समय निर्धारित किया जाए। इसके अलावा पार्ट टाईम कर्मचारियों को अप्रैल महीने से लागू हुए डीसी रेट के हिसाब से 4 महीने का एरियर दिया जाए। उन्होंने कहा कि यदि अब भी अधिकारियों ने कर्मचारियों की मांगों को पूरा नहीं किया तो यूनियन आंदोलन तेज करने पर मजबूर होगी जिसकी जिम्मेवारी शिक्षा अधिकारी की होगी। धरने को सतीश मोर, संदीप, सतपाल, प्रगट, श्रवण, धर्मपाल आदि कर्मचारियों ने भी संबोधित किया।

राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स के क्लब थ्रो में भिवानी के मोहित ने झटका गोल्ड

भिवानी, (हि.स.)। खेल नगरी भिवानी के खिलाड़ी समय-समय पर अपनी प्रतिभा का लोहा राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में मनवाते हैं तथा भिवानी का नाम राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन करते हैं। इसी कड़ी में गत चार से सात मई तक न्यू दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित हुई राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स के क्लब थ्रो प्रतियोगिता में भिवानी निवासी मोहित पांचाल ने स्वर्ण पदक जीता है। स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ी मोहित का मंगलवार को भिवानी पहुंचने पर खेल प्रेमियों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। खिलाड़ी मोहित का स्वागत करते हुए कोच मदन सिंहमार ने बताया कि मोहित पांचाल एक होनहार एवं प्रतिभावान खिलाड़ी है, जो कि अपनी प्रतिभा का लोहा पहले भी कई प्रतियोगिताओं में मनवा चुका हैं। उन्होंने बताया कि हालही में दिल्ली में आयोजित हुई राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स के क्लब थ्रो प्रतियोगिता में देश भर की 25 टीमों ने हिस्सों लिया था, जिसमें से भिवानी के मोहित ने प्रतिभा के बल पर स्वर्ण पदक देश की झोली में डालने का काम किया हैं। उन्होंने कहा कि मोहित रोजाना पांच से छहः घंटे तक कड़ा अभ्यास करता है तथा रोजाना करीबन चार किलोमीटर तक व्हील चेयर पर स्टेडियम तक पहुंचता है, इससे मोहित का खेल के प्रति जज्बा साफ झलकता है। वही विजेता खिलाड़ी मोहित ने अपनी जीत का श्रेय अपने माता-पिता व गुरूजनों को देते हुए कहा कि इन्ही के उत्साहवर्धन की बदौलत वे आज इस मुकामतक पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि वे भविष्य में ओर भी कड़ी मेहनत करेंगे तथा अगला लक्ष्य एशियान व कॉमनवेल्थ खेलों में देश को स्वर्ण पदक दिलाकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक बार फिर से भिवानी का नाम रोशन करना है।

राज्य सरकार दिव्यांग हित में कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध-मंत्री जूली

जयपुर (ईएमएस)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री टीकाराम जूली नागौर में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक कार्यालय में दिव्यांगजनो के स्कूटी वितरण कार्यक्रम में बोलते हुए कहा कि राज्य सरकार दिव्यांगजनो के हित में कार्य करने के लिए पूर्ण रूप से संकल्पबद्ध है। स्कूटी वितरण योजना के तहत नागौर जिले में दिव्यांगजनो को स्कूटी का वितरण होना बेहद खुशी का विषय है। मंत्री ने कहा कि राज्य स-रकार द्वारा विभिन्न योजनाओं के माध्यम से दिव्यांगजनो को लाभान्वित किया जा रहा ह

दिल्ली क्राइम नेशनल एनजीओ की तरफ से कोटपूतली राजस्थान से पूजा जांगिड़ को तहसील हेड नियुक्त किया गया। इस अवसर पर लक्ष्मी नगर स्थित मुख्यालय में राजकुमार, श्यामलाल व अनीता सिंह ने पूजा को सम्मानित किया।

उदयपुर के चिंतन शिविर में ट्रेन से जाएंगे राहुल गांधी वरिष्ठ नेता भी होंगे साथ सोनिया भी कर सकती हैं सफर

उदयपुर (ईएमएस)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी उदयपुर के चिंतन शिविर में हिस्सा लेने के लिए रेल से जाएंगे। उनके साथ कांग्रेस के कई कार्यकर्ता भी ट्रेन से रही उदयपुर पहुंचेंगे। इस दौरान कांग्रेस के कई और सीनियर नेता भी ट्रेन से ही सफर करेंगे। कांग्रेस सूत्रों ने बताया कि राहुल गांधी 12 मई की रात दिल्ली से रेल में रवाना होंगे। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के भी इसी ट्रेन से चिंतन शि-विर में हिस्सा लेने के लिए जाने की बात की जा रही है, लेकिन उनकी उम्र और स्वास्थ्य को देखते हुए उनके हवाई मार्ग से जाने की संभावना है। माना जा रहा है कि सामान्य व्यक्ति की छवि पेश करने के लिए राहुल गांधी रेल से यात्रा करने वाले हैं। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि राहुल गांधी जिस ट्रेन से जा रहे हैं, उसमें दो कोच अलग से कांग्रेस कार्यकताओं के लिए बुक किए गए हैं। पार्टी की एक प्रमुख महिला नेता ने बताया कि पार्टी की ओर से कई कार्यकताओं से ट्रेन में गांधी के साथ जाने के लिए कहा गया है। इस शिविर में देशभर से 422 प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं। कांग्रेस का चिंतन शिविर 13 से 15 मई तक उदयपुर में हो रहा है, जिसमें आगामी विधानसभा चुनावों में नए जोश के साथ जनता के बीच जाने और 2024 के आम चुनाव की तैयारियों के लिए पार्टी की रणनीति विचार किया जाएगा। कार्यसमिति की सोमवार को हुई बैठक में भी निर्णय लिया गया है कि इस चिंतन शिविर के माध्यम से कांग्रेस को जनता के बीच ज्यादा आक्रामक रूप से सक्रिय बनाने के लिए एक्शन प्लान तैयार किया जाएगा। कुछ माह पहले पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को मिली करारी हार के बाद से ही पार्टी में मंथन चल रहा है। सोमवार को चिंतन शिविर से पहले कांग्रेस वर्किंग कमेटी की मीटिंग हुई थी। इसमें सोनिया गांधी ने पार्टी के नेताओं से अपील की थी कि यह हमारे लिए एकजुट रहने का वक्त है और पार्टी को कुछ लौटाने का वक्त है क्योंकि उसने हमें बहुत कुछ दिया है। सोनिया गांधी ने पार्टी को नए जोश के साथ तैयार करने के लिए संसद के बजट सत्र के बाद चिंतन शिवर आयोजित करने का ऐलान किया था। उसी के अनुरूप यह शिविर उदयपुर में आयोजित किया जा रहा है।

खुले दरबार में रखी समस्याओं का एक माह बाद भी नहीं हुआ समाधान

फतेहाबाद, (हि.स.)। नगर परिषद में जिला प्रशासन द्वारा लगाए गए खुले दरबार का एक माह पूरा होने पर जिन्दगी संस्था के आह्वान पर विभिन्न संगठनों के सदस्य लघु सचिवालय परिसर में ढोल लेकर पहुंचे। बीते माह लगाए गए खुले दरबार में रखी गई 50 से अधिक समस्याओं पर कोई कार्रवाई न होने पर संस्था पदाधिकारियों ने ढोल बजाकर अपना रोष प्रकट किया। ढोल का शोर सुनकर जिला अतिरिक्त उपायुक्त अजय चौपड़ा ने अपने कार्यालय में संस्था पदाधिकारियों को बुलाकर बातचीत की, मगर यहां कोई संतोषजनक जवाब न मिलने पर संस्था पदाधिकारी वापस जिला उपायुक्त की गाड़ी का घेराव करके ढोल बजाने लगे। करीब दो घंटे के बाद जिला उपायुक्त प्रदीप कुमार ने अपने कार्यालय में जिंदगी संस्था अध्यक्ष हरदीप सिंह व अन्य संगठन पदाधिकारियों से बातचीत की। उन्होंने बताया कि नगर परिषद के अलावा अन्य संबधित विभागों के अधिकारियों की बैठक बुलाकर उनसे रिपोर्ट ली जाएगी कि उन्होंने खुले दरबार में आई कितनी शिकायतों का निदान करवाया। गौरतलब है कि जिला प्रश-ासन ने बीती 28 मार्च से 7 अप्रैल तक नगर परिषद कार्यालय में शहर के विभिन्न वार्डों की समस्याओं का निदान करने के नाम पर खुला दरबार लगाया था। सामाजिक कार्यकर्ता एवं जिन्दगी संस्था अध्यक्ष हरदीप सिंह ने 10 दिन चले इस खुले दरबार में प्रतिदिन शहर की मुख्य समस्याएं समाधान हेतु रखी थी। अधिकारियों ने आश्वस्त किया था कि खुला दरबार खत्म होने के एक सप्ताह के भीतर इन शिकायतों के निदान पर काम शुरू हो जाएगा। खुला दरबार के एक माह से ज्यादा का समय बीत जाने पर भी जब जन शिकायतों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई तो जिन्दगी संस्था अध्यक्ष हरदीप सिंह अनेक सामाजिक संगठनों के सदस्यों को साथ लेकर लघु सचिवालय पहुंच गए। यहां ढोल प्रदर्शन करके अधिकारियों का जगाने की बात कहते हुए उन्होंने जल्द जन शिकायतों का निवारण करने की मांग की। इस अवसर पर जिला सेवानिवृत पुलिस कर्मचारी एसोसिएशन प्रधान रणधीर डबास, पूर्व बार एसोसिएशन सचिव एडवोकेट प्रशांत शर्मा, अमित मेहता आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

मंत्री ने प्रशासन शहरों के संग अभियान शिविर का निरीक्षण किया

जयपुर (ईएमएस)। अल्पसंख्यक मामलात मंत्री शाले मोहम्मद ने जैसलमेर के पोकरण नगर पालिका की ओर से आयोजित वार्ड संख्या 2 व 3 में प्रशासन शहरों के संग अभियान शिविर का निरीक्षण किया। उन्होंने शि-विर में उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। वहीं प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत चयनित पात्र परिवारों को प्रथम किश्त के 60-60 हजार के चेक सुपुर्द किए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने प्रश-ासन शहरों के संग अभियान शुरू किए हैं, जिसमें विभिन्न प्रकार के कार्य एक ही स्थान पर किए जा रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा करवाकर आमजन को राहत दें। जनता जागरूक होकर स-रकार की योजनाओं का लाभ उठाएं। अल्पसंख्यक मामलात, वक़्फ मंत्री शाले मोहम्मद ने जैसलमेर जिले के शेरू खान चांपला, साडिया, घुरिया, फतेह मंजिल पोकरण, ग्राम पंचायत पनासर सहित अन्य स्थानों पर जनसुनवाई कर आमजन के अभाव अभियोग सुने एवं संबंधित अधिकारियों को त्वरित निस्तारण कर आमजन को राहत देने के निर्देश दिए। उन्होंने पेयजल की समस्या को लेकर पनासर में विशेष जनसुनवाई कर विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि बढ़ती गर्मी में पेयजल की निर्बाध सप्लाई कर आमजन को पेयजल उपलब्ध कराना सुनिश्चित करावें।

DELHI CRIME 11 may 2022:Layout 1 5/10/2022 7:22 PM Page 4

वाशिंगटन पोस्ट ने सार्वजनिक सेवा में जीता पुलित्जर पुरस्कार

- यूक्रेन के पत्रकारों को रूसी आक्रमण की कवरेज के लिए एक विशेष प्रशस्ति पत्र से किया गया सम्मानित

वाशिंगटन, (हि.स.)। अमेरिका के समाचार पत्र वाशिंगटन पोस्ट ने सार्वजनिक सेवा पत्रकारिता में पुलित्जर पुरस्कार जीता है। वहीं समाचार एजेंसी रॉयटर्स को भारत में कोरोना वायरस की दूसरी लहर के दौरान कवरेज के लिए फीचर फोटोग्राफी की श्रेणी में यह पुरस्कार जीता है। भारतीय समयानुसार सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात 12 बजे के बाद इस पुरस्कार की घोषणा हुई। वार्षिक पुलित्जर पुरस्कार अमेरिकी पत्रकारिता में सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार है। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के समर्थकों द्वारा यूएस कैपिटल की घेराबंदी की कवरेज के लिए वाशिंगटन पोस्ट ने सार्वजनिक सेवा के लिए पुलित्जर पुरस्कार जीता, जबकि रॉयटर्स ने भारत में कोरोना वायरस महामारी की दूसरी लहर के दौरान कवरेज के लिए फीचर फोटोग्राफी की श्रेणी में यह पुरस्कार जीता। रॉयटर्स के दिवंगत पत्रकार दानिश सिद्दीकी को मरणोपरांत यह सम्मान मिला है। दानिश अफगानिस्तान में युद्ध कवरेज के दौरान मारे गए थे। पुलित्जर पुरस्कार की प्रशासक माजोर्री मिलर ने बताया कि यूक्रेन के पत्रकारों को रूसी आक्रमण की कवरेज के लिए एक विशेष प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। मिलर ने कहा कि पुलित्जर पुरस्कार बोर्ड यूक्रेन के पत्रकारों को उनके साहस, धीरज और रूस में उनके प्रचार युद्ध के दौरान सच्ची रिपोर्टिंग के लिए प्रतिबद्धता के लिए एक विशेष प्रशस्ति पत्र प्रदान करते हुए प्रसन्न है। इनके अलावा मियामी हेराल्ड ने कॉन्डोमिनियम भवन के ढहने की कवरेज के लिए ब्रेकिंग न्यूज रिपोर्टिंग के लिए यह पुरस्कार जीता। इस घटना में 98 लोग मारे गए थे। इसी तरह न्यूयॉर्क टाइम्स ने तीन श्रेणियों में पुलित्जर पुरस्कार जीते हैं। इसके अलावा न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्टर एंड्रिया इलियट ने अपनी पुस्तक "इनविजिबल चाइल्डः पॉवर्टी, सर्वाइवल एंड होप इन ए अमेरिकन सिटी" के लिए सामान्य गैर-कथा श्रेणी में पुलित्जर पुरस्कार जीता। उल्लेखनीय है कि पुलित्जर पुरस्कार पत्रकारिता के क्षेत्र का अमेरिका का सबसे सर्वोच्च पुरस्कार है। इसकी शुरूआत 1917 में हुई थी। प्रभावशाली समाचार पत्र प्रकाशक जोसेफ पुलित्जर, जिनकी 1911 में मृत्यु हो गई थी, ने अपनी वसीयत में इस पुरस्कार को शुरू करने की बात कही थी। उन्होंने कोलंबिया विश्वविद्यालय में एक पत्रकारिता स्कूल शुरू करने और पुरस्कार स्थापित करने में मदद करने के लिए फंड की व्यवस्था की थी। पुलित्जर अमेरिका का ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में इसे पत्रकारिता का सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार माना जाता है।

श्रीलंका में हालात बेकाबू, सेना ने संभाली कमान, राष्ट्रव्यापी कर्फ्यू का ऐलान

कोलंबो, (हि.स.)। श्रीलंका में आर्थिक संकट के चलते हालात बेहद गंभीर हो गए हैं। विपक्ष और जनता का विरोध प्रदर्शन अपने चरम पर है। सोमवार को ही राष्ट्रपति गोटाया राजपक्षे के कहने पर प्रधानमंत्री महिंद्रा राजपक्षे ने इस्तीफा दे दिया, जिसके बाद पूरे देश में हिंसा भड़क गई। दंगाइयों ने उनके पुश्तैनी मकान को आग के हवाले कर दिया है। इसके अलावा सत्ताधारी पार्टी के कई सांसदों का घर जला दिया गया है। राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने हालात से निपटने के लिए सेना को उतारने के साथ ही देशव्यापी कर्फ्यू का ऐलान कर दिया। इसके बाद सेना और पुलिस के बीच हुई झड़प में कई लोगों को गोली लगने और मरने की भी सूचना है। जानकारी के अनुसार झड़प में 5 लोगों की मौत हुई है और 200 से अधिक लोग घायल हुए हैं। हालांकि इस संबंध में सरकार की तरफ से आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। जानकारी के मुताबिक कुरुनेगला शहर में स्थित महिंद्रा राजपक्षे के पैतृक घर को सोमवार शाम प्रदर्शनकारियों ने आग के हवाले कर दिया। इस बीच देश में इमरजेंसी लागू कर दी गई है। पुलिस ने पूरे देश में कर्फ्यू लगा दिया है लेकिन हिंसा रुकने का नाम नहीं ले रही है। श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर अर्जुन रणतुंगा ने देश में आगजनी के लिए श्रीलंका पोदुजाना पेरामुना (एसएलपीपी) को जम्मेदार ठहराया है। रणतुंगा ने कहा कि श्रीलंका पोदुजाना पेरामुना ने पूर्व प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे के आधिकारिक आवास पर लोगों को इकट्ठा किया। रणतुंगा ने ये भी कहा कि दंगाइयों को श्रीलंका पोदुजाना पेरामुना ने ही सांसदों के घर के बाहर इकट्ठा किया।

उल्लेखनीय है कि दोपहर से लेकर देर शाम तक श्रीलंका की सत्ताधारी पार्टी के कई सांसदों के घर में आग लगाई जा चुकी है। इस बीच खबर है कि राजपक्षे परिवार की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सुरक्षा अधिकारियों ने राजपक्षे परिवार से मुलाकात की है। दरअसल, टेंपल ट्री स्थित पीएम आवास पर देर शाम दंगाइयों ने घुसने की कोशिश की थी। प्रदर्शनकारियों के समूह को तितर-बितर करने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले दागने पड़े थे।

डार्क मैटर है एक रहस्यपूर्ण पदार्थ

-ना तो देख सकते और ना ही महसूस कर सकते

लंदन (ईएमएस)। एक ताजा अध्ययन में कहा गया है कि डार्क मैटर एक रहस्यपूर्ण पदार्थ है। इसे ना तो देखा जा सकता है, ना महसूस किया गया जा सकता है। इससे अंतरक्रिया भी नहीं हो सकती है। वास्तव में यह होता क्या है, इस बारे में भी नहीं जानते। हमारे पास केवल कुछ ही सुराग हैं जैसे डार्क मैटर सामान्य पदार्थ से गुरुत्व के जरिए अंतरक्रिया करता है। फिर भी हम इससे डार्क मैटर के बारे में कुछ नहीं जान पाए हैं।

लेकिन नए अध्ययन ने सुझाया है कि हमें इस अंतरक्रिया से ही काफी कुछ जान सकते हैं।अभी तक इसके बारे में यही कहा जा सकता है कि यह इसका अस्तित्व हमारे ब्रह्माण्ड के प्रतिमानों के सही तरह से काम करने के लिए जरूरी है। इस अध्ययन में शोधकताओं का कहना है कि नॉन मिनिमल कप्लिंग इस समस्या का समाधान हो सकती है। लेकिन सामान्य पदार्थ और डार्क मैटर के बीच अंतरक्रिया कैसे होते है यह अभी तक रहस्य ही है। इस अध्ययन में शोधकताओं ने अपने वक्तव्य में बताया कि उन्होंने खुद से कुछ सवाल पूछे, जैसे क्या गुरुत्व गलत है या फिर हम डार्क मैटर के कुछ अहम गुण को नजरअंदाज कर रहे हैं। क्या हो अलर डार्क मैटर और बार्योनिक पदार्थ उस तरह से संचार करते ही नहीं हों जैसे कि हम कल्पना करते आए हैं।शोधकताओं ने अपने अध्ययन में ऐसे ही सवालों का जवाब खोजने का प्रयास किया है।अभी तक वैज्ञानिकों का अनुमान यही है कि डार्क मैटर ठंडा होना चाहे, वह बहुत ही कमजोर भार और अंतरक्रिया वाले कणों से बना होना चाहिए जिसे वैज्ञानिक दश-ाकों से प्रयोगों के लिए पहचाने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन कर नहीं सके हैं।फिर भी कुछ मुद्दे होने के बाद भी हमारे बहुत से ब्रह्माण्ड प्रतिमानों की व्याख्या डार्क मैटर के जरिए हो पाती है। इनमें से एक कप्सी हॉलो समस्या सबसे प्रमुख है, गैलेक्सी में डार्क मैटर का घनत्व एन बॉडी सिम्यूलेशन से मेल नहीं खाता है।एन बॉडी सिम्यूलेशन सुझाते हैं कि कम पदार्थ वाली गैलेक्सी की वर्तमान सरंचना और गतिविधि की व्याख्या के लिए डार्क मैटर गैलेक्सी के बाहर तरफ ज्यादा जमा होना चाहिए जिसे कस्प कहते हैं।लेकिन अवलकोन बताते हैं कि बौनी गैलेक्सी में यह ड-ार्क मैटर गैलेक्सी के केंद्र में होता है। नए अध्ययन में शोधकताओं सुझाया है कि यदि डार्क मैटर डार्क मैटर के गुरुत्व के संबंध के आधार पर इस मुद्दे और रेडियल एक्सीलरेशन रिलेशन जैसी संबंधित समस्या भी सुलझाई जा सकती है।

गर्लफ्रेंड अलीना फिर से हुई गर्भवती, पुतिन हैरान

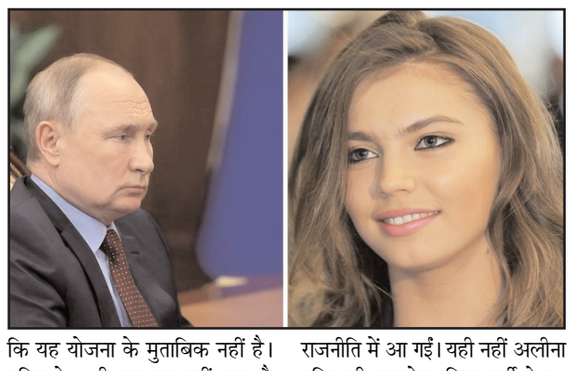

मास्को, (हि.स.)। यूक्रेन पर हमले की रणनीति बना रहे रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को कई पर मोर्चे पर जूझना पड़ रहा है। 38 साल की गर्लफ्रेंड अलीना कबाएवा के एक बार फिर से गर्भवती होने से पुतिन हैरान हैं। यह जानकारी मीडिया रिपोर्ट में सामने आ रही है। पूर्व ओलंपियन जिमनास्ट अलीना के दो बच्चे पहले से ही हैं। हालांकि इस साल अक्टूबर में 70 साल के होने जा रहे पुतिन अब और बच्चे नहीं चाहते। इसी कारण से इस खबर से वो खासे हैरान परेशान बताए जा रहे हैं। रूसी न्यूज चैनल जनरल एसवीआर टेलिग्राम ने यह खुलासा किया है कि अलीना फिर से गर्भवती हैं। सूत्रों के मुताबिक पुतिन को जब अलीना के गर्भवती होने की सूचना दी गई तब वह लाल चौक पर रूस के विक्ट्री डे परेड की तैयारी कर रहे थे। पुतिन पहले ही पत्नी से तलाक ले चुके हैं। रूसी चैनल ने कहा कि पुतिन को जानकारी मिली है कि उनकी गर्लफ्रेंड एक बार फिर से गर्भवती हैं और ऐसा प्रतीत हो रहा है कि यह योजना के मुताबिक नहीं है। पुतिन ने अभी तक यह नहीं माना है कि अलीना के साथ उनका कोई रिश्ता है। अलीना रूस में एक मीडिया ग्रुप की बॉस हैं और इससे पहले कहा जा रहा था कि वह स्विटजरलैंड में रह रही हैं। एक स्थानीय अखबार ने खुलासा किया था कि अलीना को साल 2015 में स्विटजरलैंड में और साल 2019 में मास्को में दो बेटे हुए थे। यूक्रेन की जंग के बीच अब अलीना पर भी यूरोपीय देशों के प्रतिबंध का खतरा मंडरा रहा है। खेल से रिटायर होने के बाद अलीना राजनीति में आ गईं। यही नहीं अलीना पुतिन की यूनाइटेड रसिया पार्टी से सांसद बनीं। रिपोर्ट के अनुसार पुतिन की गर्लफ्रेंड अलीना ने एक मैगजीन के लिए अपनी सेमी न्यूड तस्वीर खिंचवाई थी। अलीना ने सिंगर बनने की काफी कोशिश की, लेकिन सफल न हो सकीं। साल 2007 से 2014 तक अलीना रूसी संसद के निचले सदन की डिप्टी स्टेट ड्यूमा रह चुकी हैं। इसके अलावा अलीना सितंबर 2014 में रूस के नेशनल मीडिया ग्रुप के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की चेयरवुमेन पद पर नियुक्त की गई थीं।

पृथ्वी को ऐस्टरॉइड से सुरक्षित करने अंतरिक्ष में भेजा जाएगा स्पेसक्राफ्ट

वॉशिंगटन (ईएमएस)। खगोलीय घटनाओं को लेकर कई वैज्ञानिक जिज्ञासाओं के बीच शोध भी जारी रहते है ऐसे में बीते दिनों एक फिल्म आई थी, डोंट लुक अप। इस फिल्म में एक वैज्ञानिक को पता चलता है कि एक ऐस्टरॉइड धरती की ओर तेजी से बढ़ रहा है। वह दुनिया को चेताता है लेकिन सभी उसकी बात को हल्के में लेते हैं। बाद में जब वह धरती के निकट पहुंच जाता है तो एक एयरक्राफ्ट के जरिए उस ऐस्टरॉइड पर परमाणु हमला करके उसे तोड़ने का फैसला लिया जाता है। लेकिन ये फिल्मी कहानी अब सच होने जा रही है। ठीक उसी तरह धरती को बचाने के लिए एक स्पेसक्राफ्ट को अंतरिक्ष में भेजा जाएगा, जो 23000 किमी की रफ्तार से टक्कर मारकर धरती की तरफ तेजी से बढ़ रहे ऐस्टरॉइड के टुकड़े-टुकड़े कर देगा। दरअसल, नासा ने चेतावनी दी थी कि एक ऐस्टरॉइड यानी क्षुद्रग्रह धरती से करीब 35 लाख मील की दूरी पर है और सीधे धरती की ओर बढ़ रहा है। इस ऐस्टरॉइड को 467460 (2006 जेएफ 42) नाम दिया गया है। इसके अगले हफ्ते तक धरती की कक्षा के करीब से गुजरने की आशंका जताई गई है। नासा अब इसे टुकड़ों में तब्दील करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। करीब 24 करोड़ पाउंड यानी 23 अरब रुपये की लागत का मिशन सितंबर में लान्च होने की उम्मीद है, जिसमें आधे टन के स्पेसक्राफ्ट को ऐस्टरॉइड की तरफ धकेलने की तकनीक विकसित की जा रही है। डार्ट नाम का यह मिशन जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के भौतिकी विभाग के प्रमुख वैज्ञानिक एंडी चेंग ने वरिष्ठ शोधार्थियों के साथ मिलकर विकसित किया है। डॉ चेंग ने मीडिया को बताया है कि यह उनके लिए बहुत सुखद है, यह किसी सपने के पूरा होने के जैसा है, ऐसा सपना जिसे पूरा होने के लिए वह पिछले 20 सालों से इंतजार कर रहे हैं। डॉ. चेंग का अनुमान है कि डार्ट की चोट से ऐस्टरॉइड का आकार बदल सकता है। वर्तमान में ऐसे 27000 ऑब्जेक्ट्स की धरती के निकट पहचान की गई है जो धरती के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं। डार्ट मिशन से महत्वपूर्ण जानकारी मिलेगी जिससे यह पता चल सकेगा कि धरती के लिए कोई खतरा बढ़ तो नहीं रहा है। डॉ. चेंग का कहना है कि आपातकालीन स्थिति में हमें कुछ और स्पेसक्राफ्ट का निर्माण करना होगा, जिसे ऐस्टरॉइड से टकराने के लिए भेजा जा सके। मुख्य डार्ट क्राफ्ट पिछले साल नवंबर में अंतरिक्ष में भेजा गया था। नासा का कहना है कि डार्ट अपनी तरह का पहला मिशन है जो अंतरिक्ष में काइनेटिक प्रभाव के जरिए ऐस्टरॉइड की गति में बदलाव करेगा और इस पूरी प्रक्रिया को परखेगा।

नेवी सील की खतरनाक होती है ट्रेनिंग

-मौत को छूकर वापस आने से कम नहीं है ट्रेनिंग

वॉशिंगटन (ईएमएस)। बीते महीने छह फरवरी को अमेरिका में नेवी सील के एक ट्रेनी की मौत हो गई, वहीं एक को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। आइए जानते हैं कि नेवी सील की ट्रेनिंग कैसे होती है, और इसे सबसे मुश्किल ट्रेनिंग क्यों कहा जाता है। नेवी सील की ट्रेनिंग में हिस्सा लेने वालों को सैकड़ों किलोमीटर की दौड़ लगानी होती है। बेहद कम नींद लेनी पड़ती है। भारी भरकम लकड़ियों को पकड़ कर बैठना पड़ता है और समुद्र की रेत पर छिछले पानी में लेटना होता है, जहां हर लहर आंखों में नमक के कारण जलन पैदा करती है। एक हफ्ते तक चलने वाली इस ट्रेनिंग को हेल वीक कहा जाता है जिसमें लगभग 75 फीसदी सैनिक हार मान कर लौट जाते हैं। हालांकि 24 साल के येल ग्रेड काइल मुलेन के हेल वीक पूरा करने के कुछ दिनों बाद ही मौत हो गई, जिसके बाद लगातार निरीक्षण पर सवाल उठ रहे हैं। फिलहाल इस मामले की जांच चल रही है। नेवी सील की वेबसाइट पर कहा गया है कि ये साढ़े पांच दिनों तक चलने वाला बेहद कठिन प्रशिक्षण है। इसका मुख्य मकसद दर्द और ठंड सहना, टीम वर्क, रवैया और कम नींद और तनाव के बीच क्षमता का परीक्षण करना है। सबसे ऊपर, यह दृढ़ संकल्प और इच्छा की टेस्टिंग है। इस ट्रेनिंग में एक ट्रेनी को करीब 320 किलोमीटर चलना होता है। इसमें कई बार दौड़ना होता है। नेवी सील की ट्रेनिंग में 9 मिनट में 2.5 किलोमीटर दौड़ना होता है। कई बार अपने सिर के ऊपर नाव रख कर चलना होता है। लंबी दूरी तक तैरने के साथ-साथ घंटों की एक्सरसाइज भी करनी होती है। पूरी ट्रेनिंग में एक ट्रेनी पानी से भीगा रहता है और ठंड से कांप रहा होता है। मेडिकल से जुड़े कैंडिडेट को इमरजेंसी में इलाज करना भी सिखाया जाता है। वहीं बेसिक पैराशूट ट्रेनिंग भी दी जाती है। कैंडिडेट को 8000 कैलोरी खाना होता है, लेकिन इस दौरान सख्त ट्रेनिंग से उसका वजन नहीं बढ़ता है। हेल वीक में होने वाली कई एक्सरसाइज दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान से हो रही हैं। नेवी सील के एक पूर्व ट्रेनर के मुताबिक ये ट्रेनिंग इतनी सख्त होती है कि उस-ाकी क्लास में 150 बच्चे शुरू में थे, लेकिन ट्रेनिंग खत्म होने तक सिर्फ 24 ही बचे। इस ट्रेनिंग के दौरान प्रतिस्पर्धा के लिए कई खेल भी होते हैं, जिनमें 12 घंटे की एक बोट राइड है, जिसे जीतने वाली टीम को सोने का मौका मिलता है। कई मामलों में देखा गया है कि सिर पर लंबी दूरी तक बोट लाद कर चलने के बाद कैं-डिडेट के सिर से बाल झड़ गए। ट्रेनिंग की शुरूआत में उन्हें सफेद शर्ट दी जाती है, लेकिन ट्रेनिंग पूरी करने पर उन्हें भूरी शर्ट दी जाती है, जो बताता है कि वह अब नेवी सील बन चुके हैं। नेवी सील की ट्रेनिंग इतनी खतरनाक होती है कि इस दौरान जवानों की जान भी चली जाती है।

आज का इतिहास 11 मई

1812 ब्रिटेन के प्रधानमंत्री स्पेंसर पर्सीबेल की हत्या हुई.
1824 ब्रिटेन ने रंगून पर कब्जा किया.
1878 जर्मनी के शासक विलियम प्रथम पर जानलेवा हमला हुआ.
1904 स्पेनी कलाकार सल्वाडोर डाली का जन्म हुआ था.
1943 द्वितीय युद्ध में अमरीकी फौजे को एल्यूरिन द्वीप पर पहुंची.
1949 स्याम ने अपना नाम थाईलैंड रखा.
1951 सोमनाथ मंदिर जनता के लिए खोल दिया गया.
1971 इजरायल में एंगोरवाट के मंदिर ध्वस्त हुए.
1973 पश्चिम जर्मनी की संसद ने पूर्व जर्मनी से संबंध कायम करने को मंजूरी दी.
1991 सोवियत राष्ट्रपति गोर्वाचेव ने अपने देश में अराजकता व्याप्त होने की आशंका व्यक्त की.
1995 आतंकवादियों ने प्रसिद्ध सूफी संत शेख नूरूद्दीन वली की मजार चरारे शरीफ को आग लगाकर नष्ट किया.
1996 भाजपा ने सरकार बनाने का दावा किया.
1998 भारत ने राजस्थान के पोकरण में हायड्रोजन बम समेत तीन परमाणु परीक्षण करके आणविक क्षेत्र में महाशक्ति बनने की तरफ कदम बढ़ाया.
1999 उच्चतम न्यायालय ने राजीव गांधी हत्याकांड के 19 अभियुक्तों को रिहा किया व अन्य छः जनों के मृत्युदंड को आजीवन कारावास में बदला.
2000 नई दिल्ली स्थित सफदरजंग अस्पताल में प्रतीकात्मक एक अरबवे बच्ची आस्था का जन्म.
2004 आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनाव में कांग्रेस गठबंधन को तीन चौथाई बहुमत.

रूसी तेल पर प्रतिबंध के लिए यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष वॉन डेर लेयन ने की हंगरी के प्रधानमंत्री से बात

एम्स्टर्डम, (हि.स.)। यूक्रेन पर रूस के हमले को लेकर यूरोपीय और अमेरिका की ताजा कार्रवाई में रूसी तेल पर प्रतिबंध के लिए यूरोपीय आयोग की प्रमुख उर्सुला वॉन डेर लेयन ने सोमवार को हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओरबान से बातचीत की। वॉन के अनुसार वार्ता सकारात्मक रही। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा कि उन्होंने रूसी कच्चे तेल पर यूरोपीय संघ के व्यापक प्रतिबंध पर हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओरबान के साथ बातचीत की है। वॉन ने एक ट्वीट में कहा कि आज शाम को प्रधानमंत्री विक्टर ओरबान के साथ हुई चर्चा प्रतिबंधों और ऊर्जा सुरक्षा से संबंधित मुद्दों को स्पष्ट करने में मददगार रही। उन्होंने कहा कि रूस पर प्रतिबंध बढ़ाने और समस्या से निपटने के संबंध में चर्चा की। वॉन डेर लेयेन ने कहा कि वह तेल के बुनियादी ढांचे पर क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करने के लिए अन्य देशों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस बुलाएंगी। उल्लेखनीय है कि रूस पर अमेरिका और यूरोपीय संघों ने यूक्रेन पर हमले के बाद से कई प्रतिबंध लागू किए हैं। जो हर दिन के साथ कड़े और व्यापक होते जा रहे हैं। अभी तक इस युद्ध में यूक्रेन का साथ कोई भी देश सीधे तौर पर युद्ध में शामिल होकर नहीं दे रहा है। हालांकि हथियार और अन्य दूसरी तरह से अमेरिका और यूरोपीय देश यूक्रेन की मदद कर रहे हैं।

40 लाख सालों से डिप्टरोकार्प्स ने घेर रखा वर्षावनों को

-उंचाई इतनी कि डायनासोर भी न पहुंच पाता पत्तियों तक

जकार्ता (ईएमएस)। वैज्ञानिकों को बोर्नियो द्वीप पर पत्ते का जीवाश्म मिला है वह 40 लाख साल पहले का है। इससे वैज्ञानिकों ने ये निष्कर्ष निकाला है कि लगभग 40 लाख सालों से डिप्टरोकार्प्स ने वर्षावनों को घेर रखा है। ये पेड़ 60 मीटर तक लंबे हो सकते हैं। करीब 40-50 मीटर की ऊंचाई तक इनमें कोई शाखा नहीं होती है। अगर इन पेड़ों के होने तक डॉनासोर जिंदा होते तो सबसे बड़ा डायनासोर जिराफैटिटान जो 12 मीटर का होता था वह भी उसकी पत्तियों तक न पहुंच पाता। पेन स्टेट यूनिवर्सिटी के नेतृत्व में एक अतंरराष्ट्री रिसर्च टीम ने पाया की द्वीप पर जिस तरह का लैंडस्केप आज है उसी तरह 26 लाख से 53 लाख साल पहले प्लियोसीन युग के दौरान भी था। शोधकर्ता मानते हैं कि उनका निष्कर्ष गंभीर रूप से लुप्त हुई प्रजातियों को संरक्षित करने के लिए और अधिक औचित्य जोड़ते हैं, जिनका ये कभी घर हुआ करता था। इससे पहले शोधकताओं ने अपनी रिसर्च को बोर्नियो में पराग के जीवाश्म की रिसर्च तक सीमित कर रखा था। इस पराग के जरिए शोधकर्ता बोर्नियो के जंगल जीवन के बारे में रिसर्च कर रहे थे। लेकिन पराग उनके लिए उतना अच्छा विकल्प नहीं रहा, क्योंकि ये बेहद तेजी से गलते हैं। लेकिन पत्तियों के मिलने से पूरी इनफॉर्मेशन मिल सकती है। पेन स्टेट कॉलेज अर्थ एंड मिनरल साइंसेज में भूविज्ञान के प्रोफेसर पीटर विल्फ ने कहा, 'ये पहली बार है जब पता चलता है कि बोर्नियों समेत एशिया के अन्य समुद्र तटीय क्षेत्रों में डिप्टरोकार्प्स के पेड़ मौजूद थे, बल्कि प्रभावशाली भी थे। हमें किसी भी अन्य पौधों के समूह की जगह डिप्टरोकार्प्स के जीवाश्म मिले हैं।'

मैक्सिको में एक पत्रकार की मौत के बाद विरोध प्रदर्शन करते हुए लोग। (फोटो-ईएमएस)

DELHI CRIME 11 may 2022:Layout 1 5/10/2022 7:22 PM Page 5

चीन में कोरोना के कारण कच्चे तेल की कीमत को झटका

नई दिल्ली, (हि.स.)। चीन में लगातार बढ़ रहे कोरोना संक्रमण से कच्चे तेल के लिए आयात पर निर्भर रहने वाले भारत जैसे कई देशों को फायदा होने की उम्मीद बन गई है। चीन में इस बीमारी के संक्रमण के कारण कच्चे तेल की मांग में काफी कमी आई है, जिसकी वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल आज के कारोबार में करीब 4 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार कर रहा है। चीन की ओर से कच्चे तेल की मांग में अचानक हुई कमी के कारण आज ब्रेंट क्रूड 4.47 डॉलर यानी करीब 4 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 107.9 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा है, वही डब्ल्यूटीआई क्रूड 4.3 प्रतिशत की गिरावट के साथ 4.67 डॉलर मंदा होकर 105.10 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा है। संभावना जताई जा रही है कि अगर चीन में कोरोना के संक्रमण पर जल्द ही काबू नहीं पाया जा सका तो कच्चे तेल की कीमत आने वाले दिनों में और भी नीचे जा सकती है। आपको बता दें कि चीन इन दिनों कोरोना संक्रमण से बुरी तरह से जूझ रहा है। इस जानलेवा बीमारी के संक्रमण की वजह से चीन के आधे से अधिक भूभाग में पूरा कामकाज ठप हो गया है। चीन के 46 शहरों में फिलहाल लॉकडाउन लगा हुआ है। इसी तरह देश के सबसे प्रमुख व्यावसायिक केंद्रों में से एक शंघाई में भी स्कूल-कॉलेज और कारोबार पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। कारोबारी गतिविधियां ठप पड़ जाने के कारण चीन में पेट्रोलियम उत्पादों की मांग भी काफी कम हो गई है। इसका सीधा असर चीन के क्रूड ऑयल इंपोर्ट पर भी पड़ा है। चीन दुनिया के सबसे बड़े ऑयल इंपोर्टर देशों में से एक है। ऐसी स्थिति में चीन से कच्चे तेल की मांग में कमी होने का असर अंतरराष्ट्रीय क्रूड ऑयल मार्केट पर साफ नजर आने लगा है। अभीतक मिली जानकारी के मुताबिक कोरोना की बीमारी के कारण चीन में इस साल के शुरूआती 4 महीने के दौरान क्रूड ऑयल के इंपोर्ट में 4.8 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई थी। लेकिन मई के शुरूआती 7 दिनों में ही इस बीमारी का संक्रमण तेज हो जाने के कारण चीन के ऑयल इंपोर्ट में करीब 30 प्रतिशत की कमी आ गई है। कच्चे तेल की मांग में आई इस कमी के कारण पिछले कुछ समय से, खासकर रूस और यूक्रेन का युद्ध शुरू होने के बाद से ही लगातार तेज हो रही कच्चे तेल की कीमत में भी कमी आने की संभावना बन रही है। हालांकि तेल उत्पादक देशों के संगठन ओपेक के प्रवक्ता जामनेई सियादुआ ने सोमवार को ही कच्चे तेल के उत्पादन में कटौती करने के संकेत दिए हैं। इसका मतलब ये भी है कि अगर ओपेक की ओर से कच्चे तेल के उत्पादन में कटौती की जाती है, तो चीन में कच्चे तेल की मांग घटने के बावजूद अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत में ज्यादा कमी आने की संभावना नहीं बन सकेगी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में 2022 की शुरूआत से लेकर अभी तक ब्रेंट क्रूड और डब्लूटीआई क्रूड की कीमत में लगभग 35 प्रतिशत तक की तेजी दर्ज की गई है। इस तेजी की वजहों में एक प्रमुख वजह रूस और चीन के बीच जारी युद्ध है, तो दूसरी वजह ओपेक द्वारा सीमित मात्रा में कच्चे तेल का उत्पादन करना रहा है।

ऐसे में अगर ओपेक के प्रवक्ता की ओर से दिए गए संकेत के मुताबिक आने वाले दिनों में कच्चे तेल के उत्पादन में कटौती की जाती है, तो चीन के क्रूड ऑर्डर में आई कमी का फायदा दुनिया के अन्य देशों को नहीं मिल सकेगा। इसीलिए बाजार के जानकार कच्चे तेल की कीमत में आई 4 प्रतिशत की तेजी और चीन के क्रूड ऑयल इंपोर्ट में गिरावट के बावजूद तेल की कीमत को लेकर किसी भी तरह का आकलन करने से बच रहे हैं।

2.95 गुना अधिक सब्सक्राइब हुआ एलआईसी का आईपीओ, एफआईआई ने की ठंडी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) सोमवार को करीब तीन गुना अधिक सब्सक्राइब होने के साथ बंद हो गया। इस आईपीओ में घरेलू निवेशकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जबकि विदेशी निवेशकों ने इसमें ज्यादा रुचि नहीं ली। देश के इतिहास के सबसे बड़े आईपीओ के माध्यम से देश की सबसे बड़ी जीवन बीमा कंपनी साझा बाजार में गई और 3.5 फीसदी हिस्सेदारी बेचकर 20557 करोड़ रुपए हासिल किए। हालांकि, विदेशी निवेशकों की कम भागीदारी को सरकार ने ज्यादा तवज्जो नहीं देते हुए कहा कि यह 'आत्म-निर्भर भारत' का एक उदाहरण है और निर्गम को निवेशकों के विभिन्न वर्गों का तगड़ा समर्थन मिला है। एलआईसी के आईपीओ के तहत 16,20,78,067 शेयरों की पेशकश की गई थी, लेकिन इसकी तुलना में 2.95 गुना बोलियां लगाई गई हैं। शेयर बाजारों पर शाम सात बजे तक उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, इन शेयरों के लिए निवेशकों की तरफ से 47,83,25,760 बोलियां लगाई गईं। बोलियां लगाने वाले निवेशकों को एलआईसी के शेयर 12 मई को आवंटित किए जाएंगे जबकि शेयर बाजारों में एलआईसी को 17 मई को सूचीबद्ध किया जाएगा। पात्र संस्थागत खरीदार (क्यूआईबी) श्रेणी के शेयरों को 2.83 गुना अभिदान मिला। इस श्रेणी के लिए आरक्षित 3.95 करोड़ शेयरों के लिए 11.20 करोड़ बोलियां लगाई गईं। गैर-संस्थागत निवेशक (एनआईआई) श्रेणी के तहत 2,96,48,427 शेयरों की पेशकश की गई थी जिनके लिए 8,61,93,060 बोलियां लगाई गईं। इस तरह एनआईआई खंड को 2.91 गुना अभिदान मिला है। खुदरा व्यक्तिगत निवेशकों ने 6.9 करोड़ शेयरों की पेशकश पर 13.77 करोड़ शेयरों की बोलियां लगाईं। इस खंड में 1.99 गुना अभिदान मिला है। एलआईसी के पॉलिसीधारकों के लिए आरक्षित खंड में छह गुना से अधिक अभिदान मिला जबकि एलआईसी के पात्र कर्मचारियों के खंड में 4.4 गुना बोलियां मिली हैं। एलआईसी ने चार मई को खुले इस निर्गम के लिए 902-949 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया था। इसमें पात्र पॉलिसीधारकों एवं कर्मचारियों के लिए कुछ शेयर आरक्षित रखे जाने के अलावा उन्हें छूट भी दी गई थी। सरकार ने इस निर्गम के जरिए एलआईसी में अपनी 3.5 फीसदी हिस्सेदारी की बिक्री करने का फैसला किया है। इस हिस्सेदारी की बिक्री से सरकार को करीब 20,557 करोड़ रुपये मिलने की उम्मीद थी। इस राशि के साथ एलआईसी का निर्गम देश का अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ साबित हुआ है। इसके पहले वर्ष 2021 में आया पेटीएम का आईपीओ 18,300 करोड़ रुपये का था। उससे पहले वर्ष 2010 में कोल इंडिया का आईपीओ करीब 15,500 करोड़ रुपए का था। एलआईसी का गठन एक सितंबर 1956 को 245 निजी जीवन बीमा कंपनियों का राष्ट्रीयकरण कर किया गया था। उस समय इसमें पांच करोड़ रुपये की पूंजी डाली गई थी। निवेश एवं लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के सचिव तुहीन कांत पांडेय ने निर्गम की अवधि खत्म होने के बाद संवाददाताओं से कहा कि एलआईसी के आईपीओ को सभी खंडों में निवेशकों का तगड़ा समर्थन मिला है। उन्होंने कहा घरेलू निवेशकों ने एलआईसी के आईपीओ को सफलतापूर्वक अंजाम तक पहुंचाया है। यह आत्मनिर्भर भारत का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि अब विदेशी निवेशकों पर निर्भरता नहीं रही। पांडेय ने कहा आईपीओ में बोलियां लगाने वालों को 12 मई को शेयर आवंटित किए जाएंगे। इसके साथ ही एलआईसी के शेयर को शेयर बाजारों में 17 मई को सूचीबद्ध किया जाएगा।

आर्थिक संकट के बीच कोलंबो स्टॉक एक्सचेंज ने छुट्टी घोषित की

कोलंबो (ईएमएस)। देश में भारी आर्थिक संकट को देखते हुए कोलंबो स्टॉक एक्सचेंज (सीएसई) ने मंगलवार को छुट्टी घोषित कर दी। यहां पिछले एक सप्ताह से ही कामकाज बंद था। प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे के इस्तीफे के बाद जिस प्रकार देश में हिंसा भड़की है उसको देखते हुए स्टॉक एक्सचेंज यह छुट्टी घोषित करनी पड़ी। सीएसई ने अपने एक परिपत्र में कहा, कोलंबो स्टॉक एक्सचेंज को बताया गया है कि सेंट्रल बैंक ऑफ श्रीलंका का रियल टाइम ग्रॉस सेटलमेंट (आरटीजीएस) सिस्टम आज (10 मई 2022) काम नहीं करेगा। परिपत्र में आगे कहा गया कि ऐसे में सीएसई का सेंट्रल डिपॉजिटरी सिस्टम (सीडीएस) 10 मई 2022 को फंड निपटान और प्रतिभूति निपटान नहीं कर सकेगा। इन हालातों को देखते हुए ही सीएसई ने यह छुट्टी रखी है।

वाहन विनिर्माता कंपनियां कर्नाटक में करेगी 4,800 करोड़ का निवेश

-इलेक्ट्रिक वाहनों के कलपुर्जो का होगा उत्पादन

नई दिल्ली (ईएमएस)। वाहन विनिमार्ता कंपनियों ने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) में इस्तेमाल होने वाले उपकरणों के स्थानीय स्तर पर उत्पादन के लिए कर्नाटक में लगभग 4,800 करोड़ रुपये का निवेश करेंगी। इन कंपनियों में इलेक्ट्रिक वाहनों के कलपुर्जों का उत्पादन होगा। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) टोयोटा किर्लोस्कर ऑटो पार्ट्स (टीकेएपी) के साथ मिलकर 4,100 करोड़ रुपये लगाएगी। वहीं एक अन्य कंपनी टोयोटा इंडस्ट्रीज इंजन इंडिया (टीआईईआई) 700 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। टीकेएम और टीकेएपी ने शनिवार को इस संबंध में कर्नाटक सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। टीकेएम के कार्यकारी उपाध्यक्ष विक्रम गुलाटी ने कहा, टोयोटा समूह और टीआईईआई मिलकर लगभग 4,800 करोड़ रुपये का निवेश करेंगे। हम इसे गो ग्रीन, गो लोकल की भावना से कर रहे हैं और हमारा उद्देश्य कार्बन उत्सर्जन में तेजी से कमी लाने के मिशन में योगदान देना है। उन्होंने कहा कि ईवी उपकरणों का स्थानीय स्तर पर निर्माण रोजगार को बढ़ावा देगा। साथ ही स्थानीय विकास को तेज गति देगा। गुलाटी ने कहा, टीकेएम और टीकेएपी मिलकर करीब 3,500 नए रोजगार देंगी। आपूर्ति श्रृंखला विकसित होने के साथ ही यह संख्या और बढ़ेगी। इस मौके पर टीकेएम के वाइस चेयरमैन विक्रम एस किर्लोस्कर ने कहा कि टोयोटा समूह की कंपनियों ने पहले ही 11,812 करोड़ रुपये का निवेश किया है और 8,000 से अधिक लोगों को रोजगार मिला है। इस एमओयू पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई और किर्लोस्कर ने हस्ताक्षर किए।

इस मौके पर राज्य के वृहद एवं मध्यम उद्योग मंत्री मुरुगेश आर निरानी भी मौजूद थे।टोयोटा ने पिछले महीने भारत में 15 हजार से ज्यादा कारें बेचीं, जो कि एनुअल सेल के मामले में ग्रोथ के साथ है। भारत में प्रीमियम हैचबैक सेगमेंट में ग्लैंजा और सेडान सेगमेंट में कैम्री के साथ ही एसयूवी सेगमेंट में अर्बन क्रूजर, इनोवा क्रिस्टा और फॉर्च्यूनर समेत अन्य कारें बेचनी वाली टोयोटा मोटर्स के लिए पिछला महीन अप्रैल 2022 कैसा रहा, देखें डिटेल। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर की कारें देश में खूब बिक रही हैं। मार्च 2022 की तरह ही अप्रैल 2022 में भी टोयोटा की कारें भारत में खूब बिकीं और एनुअल सेल्स रिपोर्ट में एक बार फिर कंपनी ने ग्रोथ दर्ज कराई।

मिडसाइज एसयूवी डस्टर को अपडेट करेगी रेनो

-मिडसाइज एसयूवी को टक्कर देने के लिए हो रही तैयार

नई दिल्ली (ईएमएस)। रेनो जल्द ही अपनी मिडसाइज एसयूवी डस्टर को अपडेट करने जा रही है। मिडसाइज एसयूवी को टक्कर देने के लिए रेनो भी नए लुक और फीचर्स के साथ अपडेटेड डस्टर लॉन्च कर सकती है । कंपनी ने आधिकारिक रूप से इस बारे में किसी तरह की जानकारी नहीं दी है। माना जा रहै है कि रेनो डस्टर फ्रेश लुक के साथ ही बेहतर पावर और फीचर्स से लोगों के दिलों पर जादू करने आने वाली है। बता दें कि फ्रेंच कार मेकर रेनो ने साल 2012 में डस्टर को भारत में लॉन्च किया था और तब से 10 साल बीत चुके है, लेकिन इसे अपडेट नहीं किया गया है। इन वर्षों में टाटा मोटर्स और महिंद्रा जैसी देसी कार कंपनियों के साथ ही और भी देशी-विदेशी कंपनियों ने एसयूवी सेगमेंट में एक से बढ़कर एक प्रोडक्ट पेश किए और रेनो पिछड़ती गई। अब चूंकि डिमांड ज्यादा है तो सप्लाई भी जरूरी है, ऐसे में अब 10 साल बाद रेनो डस्टर को अपडेट किए जाने की बात आ रही है। नई रेनो डस्टर कंपनी की अपकमिंग 7 सीटर एसयूवी डेसिया बिग्स्टर से काफी मिलती-जुलती होगी। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अपकमिंग रेनो डस्टर को हाइब्रिड पावरट्रेन के साथ ही इलेक्ट्रिक अवतार में भी पेश किया जा सकता है। वहीं, रेनो डस्टर की संभावित खूबियों की बात करें तो इसमें बड़ा टचस्क्रीन इन्फोटेनमेंट सिस्टम, वेंटिलेटेड सीट्स, पैनेरोमिक सनरूफ, वायरलेस चार्जर, ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल, एयर प्यूरिफायर, वीइकल स्टैबिलिटी मैनेजमेंट, इलेक्ट्रोनिक स्टैबिलिटी कंट्रोल और हिल होल्ड स्टार्ट समेत ढेरों खूबियां देखने को मिलेंगी.नेक्स्ट जेनरेशन रेनो डस्टर को सीएमएफ-बी मॉड्यूलर प्लैटफॉर्म पर डिवेलप किया जाएगा और इसमें ज्यादा पावरफुल चेचिस के साथ ही सेफ्टी और कंफर्ट पर भी जोर दिया जाएगा।

सॉनेट सब-4 मीटर एसयूवी के सीएनजी वेरिएंट की टेस्टिंग शुरू

- टबोर्चार्ज्ड पेट्रोल इंजन के सीएनजी का दिया जाएगा ऑप्शन

नई दिल्ली (ईएमएस)। जानी-मानी कंपनी हुंडई और किआ भी भारतीय बाजार में कई नई सीएनजी कारों को लॉन्च कर सकती हैं। किआ कंपनी देश में अपनी पॉपुलर कॉम्पैक्ट एसयूवी और एमपीवी के सीएनजी वेरिएंट लॉन्च करेगी। किआ ने भारत में सॉनेट सब-4 मीटर एसयूवी के सीएनजी वेरिएंट की टेस्टिंग शुरू कर दी है। इसमें 1.0-लीटर 3-सिलेंडर टबोर्चार्ज्ड पेट्रोल इंजन के सीएनजी का ऑप्शन दिया जाएगा। सोनेट सीएनजी को 6-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स के साथ जोड़ा जाएगा। इसका इंजन 118बीएचपी और 172 एनएम का टार्क जनरेट करता है। हालांकि, सोनेट सीएनजी के पावर और टॉर्क आउटपुट में मामूली गिरावट हो सकती है। यह जल्द ही लॉन्च होने वाली नई मारुति ब्रेजा को टक्कर देगी। किआ सॉनेट सीएनजी की तरह, हुंडई वेन्यू कॉम्पैक्ट एसयूवी को भी फैक्ट्री-फिटेड सीएनजी किट के साथ उतारा जाएगा। इसे सॉनेट सीएनजी की तरह पावरट्रेन कॉनफि गरेशन में पेश किए जाने की संभावना है। छोटी एसयूवी में फैक्ट्री फिटेड सीएनजी किट के साथ 1.0एल 3-सिलेंडर टर्बो पेट्रोल इंजन मिलेगा। रेगुलर वेरियंट के मुकाबले यह गाड़ी थोड़ी कम पावर और टॉर्क ऑफर करेगी। किआ ने भारतीय बाजार में केरेंस थ्री रो एमपीवी के सीएनजी वेरिएंट की टेस्टिंग शुरू कर दी है। किआ ने सीएनजी ऑप्शन के लिए 1।4 लीटर टर्बो पेट्रोल का विकल्प चुना है। कैरेंस को 1.5एल एनए पेट्रोल इंजन के साथ भी पेश किया गया है।

पल्सर एनएस 160 के अपडेट मॉडल होंगे लॉन्च

- नई बाइक को टेस्टिंग के दौरान किया गया स्पॉट

नई दिल्ली (ईएमएस)। स्वदेशी कंपनी बजाज जल्द ही अपनी पॉपुलर बाइक पल्सर एनएस 160 के अपडेट मॉडल को लॉन्च करेगी। इस नई बाइक को टेस्टिंग के दौरान स्पॉट किया गया है। देखी गई पल्सर के कुछ स्पाई शॉट्स इंटरनेट पर सामने आए हैं और दावा किया गया है कि यह मॉडल नेक्स्ट-जेनरेशन पल्सर एनएस160 है। नई पल्सर डिजाइन के मामले में मौजूदा मॉडल से काफी अलग हो सकती है। इसमें एक सबसे बड़ा अंतर अंडरबेली एग्जॉस्ट में होगा, जिसे स्पॉट की गई बाइक में देखा गया है। नई बाइक में में किक-स्टार्टर भी मिल सकता है, जो इस सीरीज की बाइक में देखनो को नहीं मिलता है। इसके अलावा इसमें पतले टायर के साथ छोटे डिस्क ब्रेक दिए हैं। बजाज 160सीसी के इंजन की ट्यूनिंग में भी बदलाव कर सकती है, जिससे इसका परफॉर्मेंस बढ़ाया जा सके.इसमें 1603 सीसी, ऑयल कूलड, 4-स्ट्रोक, एसओएचसी, 4-वाल्व डीटीएस-आई, बीएस6 इंजन दिया गया है, जो 9000 आरपीएम पर 17,2 पीएस की मैक्सिमम पावर और 7250 आरपीएम पर 14,6 एनएम का टॉर्क पैदा करता है। इसका इंजन 5-स्पीड गियरबॉक्स ट्रांसमिशन से लैस है। इस बाइक में बर्न्ट रेड और प्लाज्मा ब्लू कलर वेरिएंट में लॉन्च किया है। इसके अलावा इनमें व्हाइट ऑयल व्हील्स दिए है, जो इन्हें लुक में काफी शानदार बनाते हैं। इन बाइक के फ्रंट और रियर फेंडर्स कार्बन फाइबर टैक्सचर्ड के हैं। मोटरसाइकिल का मुकाबला हीरो एक्सट्रीम 160आर, टीवीएस अपाचे आरटीआर 160 4वी और सुजुकी गिक्सर से रहेगा।बजाज पल्सर एनएस160 के मौजूदा वेरिएंट की कीमत 1,22 लाख रुपये (एक्स-शोरूम, दिल्ली) है और अपडेट बाइक इससे ज्यादा महंगी हो सकती है। हालांकि, हमें कीमतों में बढ़ोतरी का मार्जिन जानने के लिए इंतजार करना होगा।

आयशर ने लॉन्च किया प्राइमा जी-3 ट्रैक्टर रेंज

मुंबई, (हि.स.)। विश्व के तीसरे सबसे बड़े ट्रैक्टर निमार्ता, टैफे-ट्रैक्टर्स एंड फार्म इक्विपमेंट लिमिटेड समूह के आयशर ट्रैक्टर्स ने आयशर प्राइमा जी-3 सीरीज लॉन्च करने की घोषणा की है। प्रीमियम ट्रैक्टरों की एक पूरी नई रेंज- आयशर प्राइमा जी-3 सीरीज नए जमाने के भारतीय किसानों को ध्यान में रख कर निर्मित की गई है। बेहतरीन स्टाइल वाले, कार्यक्षम और मजबूत ट्रैक्टर की चाह रखते हैं। आयशर प्राइमा जी3 40-60 एच.पी. रेंज में ट्रैक्टरों की एक नई सीरीज है, जो दशकों के बेजोड़ अनुभव के साथ विकसित की गई शानदार स्टाइलिंग, उन्नत टेक्नोलॉजी और बेहतरीन आराम प्रदान करती है। आयशर प्राइमा जी-3 सीरीज को लॉन्च करते हुए, टैफे की सी.एम.डी. मल्लिका श्रीनिवासन ने कहा दशकों से आयशर ब्रांड, कृषि और कॉमर्शियल - दोनों क्षेत्रों में अपने भरोसे, विश्वसनीयता, मजबूती और बहुमुखी उपयोगिता के लिए जाना जाता है। प्राइमा जी-3 के लॉन्च से आधुनिक भारत के प्रगतिशील किसानों को अधिक उत्पादकता, आराम और आसान परिचालन का लाभ मिलेगा, जिसकी वे आकांक्षा करते हैं। साथ ही उन्हें कम लागत में ज्यादा फायदे का विकल्प भी प्राप्त होगा, जो सदा से आयशर का वादा रहा है।" नया प्राइमा जी-3 नए जमाने के एरोडायनामिक बॉनेट के साथ आता है जो ट्रैक्टर को एक अनूठा, शानदार स्टाइल प्रदान करता है और यह वन-टच ओपन, सिंगल पीस बॉनेट इंजन तक आसान पहुंच प्रदान करता है, जिससे ट्रेक्टर का रख-रखाव आसान हो जाता है। उच्च तीव्रता वाली 3डी कूलिंग टेक्नोलॉजी के साथ बोल्ड ग्रिल, रैप-अराउंड हेडलाइट और डिजी-ठळ डैशबोर्ड इसे देखने में आकर्षक बनाते हैं और ज्यादा क्रॉस-एयर फ्लो देते हैं जिससे इन ट्रैक्टरों का लंबे समय तक निरंतर परिचालन किया जा सकता है। टैफे मोटर्स एंड ट्रैक्टर्स लिमिटेड की डिप्टी एम.डी, डॉ. लक्ष्मी वेणु, ने बताया कि, भारत के युवा और प्रगतिशील किसान टेक्नोलॉजी और कृषि-तकनीकी समाधानों पर ध्यान केंद्रित करते हुए कृषि कार्यों से अधिकतम लाभ हासिल करना चाहते हैं, और उनके लिए प्राइमा जी-3 कृषि में क्रांतिकारी बदलाव लाने के लिए एक अनुकूल वातावरण बनाने में आदर्श पार्टनर की भूमिका निभाएगा। ग्राहकों को ध्यान में रख कर आधुनिक तकनीक से बनाए गए आयशर प्राइमा जी-3 रेंज में हाई टॉर्क - फ्यूल सेवर लिक्विड कूल्ड इंजन है,जो बेहतरीन परफॉरमेंस और ईंधन की ज्यादा बचत प्रदान करता है। इस-ाका कॉम्बीटॉर्क ट्रांसमिशन अधिकतम शक्ति, टॉर्क और उत्पादकता देने के लिए इंजन और ट्रांस-एक्सल का सटीक ताल-मेल प्रदान करता है। नया मल्टीस्पीड पी.टी.ओ. 4 अलग-अलग पी.टी.ओ. मोड की विशिष्ट सुविधा देता है, जिससे आयशर प्राइमा जी-3 कई प्रकार के कृषि और कमर्शियल कार्यों के लिए बन जाता अनुकूल है। टैफे के सी.ई.ओ. संदीप सिन्हा ने बताया कि, हमें विश्वस्तरीय स्टाइलिंग और अंतरराष्ट्रीय तकनीक से लैस नई प्राइमा जी-3 सीरीज लॉन्च करते हुए अत्यंत खुशी हो रही है, जो स्टाइल, बनावट, बढ़िया फिट और मजबूत निर्माण क्वालिटी में ऊम्दा दर्जे की ऑटोमोटिव स्तर की उत्कृष्टता प्रदान करती है। आयशर प्राइमा जी-3, आयशर के मुख्य मानकों-टिकाऊपन और विश्वसनीयता का प्रतिबिंब है। प्राइमा जी-3 में आरामदायक, सुरक्षित और लंबे समय तक उत्पादक उपयोग के लिए श्रमदक्ष ऑपरेटर स्टेशन और नए स्टीयरिंग नियंत्रण उपलब्ध हैं। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि हमारे ग्राहकों को नई आयशर प्राइमा जी-3 सीरीज आसानी से उपलब्ध हो सके। बिल्कुल नया आयशर प्राइमा जी-3 चालक की सुविधा के मापदंडों को पुनः परिभाषित करता है। सुविधाजनक रूप से डिजाइन की गई ऊँची सीटिंग वाली कॉम्फी-लक्स सीट ट्रैक्टर चलाते समय चारों ओर का स्पष्ट दृश्य प्रदान करती है और साथ ही लंबे समय तक ट्रैक्टर परिचालन में मदद करती है।

दैनिक पंचांग

11 मई 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	05.39 बजे से
चंद्र	सिंह में	मिथुन	07.37 बजे से
मंगल	कुंभ में	कर्क	09.50 बजे से
बुध	वृष में	सिंह	12.06 बजे से
गुरु	मीन में	कन्या	14.18 बजे से
शुक्र	मीन में	तुला	16.29 बजे से
शनि	कुंभ में	वृश्चिक	18.44 ब.से
राहु	मेष में	धनु	21.00 बजे से
केतु	तुला में	मकर	23.05 बजे से
राहुकाल		कुंभ	00.51 बजे से
12.00 से 1.30 बजे तक		मीन	02.24 बजे से
		मेष	03.55 बजे से

बुधवार 2022 वर्ष का 131 वां दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2079 **शक संवत्** 1944
मास वैशाख **पक्ष** शुक्ल
तिथि दशमी 19.32 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पूर्वाफाल्गुनी 19.28 बजे को समाप्त। **योग** व्याघात 19.24 बजे को समाप्त। **करण** तैतिल 07.34 बजे तदनन्तर गर 19.32 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 10.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 17° 49'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871245
जूलियन दिन 2459710.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2548
हिजरी सन् 1443
महीना सव्वाल **तारीख** 09
विशेष त्रिशूर पूरम, महावीर स्वामी कैवल्य ज्ञान।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
लाभ	05.54	से 07.22	बजे तक	उद्वेग	05.41	से 07.12	बजे तक
अमृत	07.22	से 08.51	बजे तक	शुभ	07.12	से 08.44	बजे तक
काल	08.15	से 10.19	बजे तक	अमृत	08.44	से 10.16	बजे तक
शुभ	10.19	से 11.47	बजे तक	चर	10.16	से 11.47	बजे तक
रोग	11.47	से 01.16	बजे तक	रोग	11.47	से 01.19	बजे तक
उद्वेग	01.16	से 02.44	बजे तक	काल	01.19	से 02.51	बजे तक
चर	02.44	से 04.12	बजे तक	लाभ	02.51	से 04.23	बजे तक
लाभ	04.12	से 05.41	बजे तक	उद्वेग	04.23	से 05.54	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

आज का राशिफल

शुभ संवत 2079, शाके 1944, सौम्य गोष्ठ, वैशाख शुक्ल पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे तथा शुक्रोदय पूर्वे तिथि नवमी, मंगलवासरे, मघा नक्षत्रे, ध्रुक्र योगे, कौलव करणे, सिंह की चंद्रमा, श्री जानकी नवमी, मूल समा.दि.2/47 पूर्व दिशा की यात्रा शुभ तथा उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल.....

आज जन्म लिया बालक सुन्दर, सुशील, कोमल हृदय, दयालु तथा जिद्दी हठी होगा, बैंक कर्मचारी, कैशियर, प्रबंधक तथा एमबीए, एमसीए करने वाला उद्योगी, उद्योगपति तथा कार्यकुशल होवेगा।

मेष राशि - सामाजिक कार्यो में प्रतिष्ठा प्रभुत्व, वृद्धि कार्य कुशलता से संतोष होगा, ध्यान दें।

वृष राशि - व्यर्थ थकावट व बैचेनी, मानसिक विभ्रम, धन व्यय, यात्रा में समय बीतेगा, कार्य बनेंगे।

मिथुन राशि - विशेष कार्य स्थिगित रखें, सामाजिक कार्यो में प्रभुत्व वृद्धि के कार्य बन जाएंगे।

कर्क राशि - कुटुम्ब के कार्यो में समय बीतेगा, राजकार्य में विलम्ब, परेशानी रहेगी, ध्यान रखें।

सिंह राशि - सामाजिक कार्य में समय व्यतीत होगा, समय पर सोचे हुए कार्य पूर्ण अवश्य होंगे।

कन्या राशि - दूसरों के कार्यो में समय शक्ति नष्ट न करें, व्यावसायिक क्षमता में बाधा ही होगी।

तुला राशि - अनायास विभ्रम मानसिक बैचेनी बनेगी तथा स्वभाव नरम-गरम बना ही रहेगा।

वृश्चिक राशि - धन लाभ, आशानुकूल समय व सफलता का हर्ष होगा, कार्य में संतोष होगा।

धनु राशि - तनाव क्लेश व मन में अशांति, मानसिक उद्विघ्नता होगी रूके कार्य बन जाएंगे।

मकर राशि - दैनिक काय वृत्तियों में सुधार होगा। योजनाएं फलीभूत होंगी। शरीर कष्ट होगा।

कुंभ राशि - इष्टमित्र सुख वर्धक होगें, व्यवसायिक गति, अनुकूल कार्मिक चिंता अवश्य बनेंगी।

मीन राशि - किसी अपने का कार्य बनने से संतोष होगा। प्रयत्न करने पर भी सफलता न मिले।

DELHI CRIME 11 may 2022:Layout 1 5/10/2022 7:22 PM Page 6

टीम अगले सत्र में मजबूत वापसी करने पर ध्यान केन्द्रित करेगी : जसप्रीत बुमराह

मुंबई, (हि.स.)। कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ करारी हार का सामना करने के बाद, मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने कहा कि टीम अपनी गलतियों को सुधारने और अगले सत्र में मजबूत वापसी करने की उम्मीद करेगी। बुमराह के पांच विकेटों के बावजूद कोलकाता नाइट राइडर्स ने सोमवार को यहां डॉ डी वाई पाटिल स्पोर्ट्स अकादमी में मुंबई इंडियंस को 52 रनों से हरा दिया। मैच के बाद बुमराह ने कहा, "योगदान करना हमेशा एक अच्छी भावना होती है लेकिन टीम के लिए जीतना महत्वपूर्ण है। हमारे पास ऐसा करने का मौका था लेकिन इसे पूरा नहीं कर सका। मैं आंकड़ों या लक्ष्यों का ट्रैक नहीं रखता, मेरा लक्ष्य इस प्रक्रिया से चिपके रहना है।" उन्होंने कहा, "कभी-कभी आप अच्छी गेंदबाजी करते हैं लेकिन विकेट नहीं लेते हैं। हताश नहीं हो सकते। बस मैं जो भी कर सकता हूं उसमें योगदान देना चाहता हूं। खैर,

यह हमारी गलतियों को सुधारने और अगले सत्र में बेहतर प्रदर्शन करने के बारे में है।"

मैच की बात करें तो इस मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए केकेआर ने वेंकटेश अय्यर (43), नीतिश राणा (43), अजिंक्या रहाणे (25) और रिंकू सिंह (नाबाद 23) की बेहतरीन पारियों की बदौलत 20 ओवर में 9 विकेट पर 165 रन का स्कोर खड़ा किया। मुंबई की ओर से जसप्रीत बुमराह ने 5, कुमार कार्तिकेय ने 2 और डैनियल सैम्स व मुरूगन अश्विन ने 1-1 विकेट लिया। जवाब में मुंबई की टीम 17.3 ओवरों में 113 रनों पर सिमट गई। मुंबई की तरफ से ईशान किशन ने शानदार अर्धशतकीय पारी खेलते हुए 51 रन बनाए। केकेआर की तरफ से पैट कमिंस ने 3, आंद्रे रसल ने 2, टिम साउदी और वरूण चक्रवर्ती ने 1-1 विकेट लिया।

जसप्रीत बुमराह ने टी20 क्रिकेट में अपना सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आंकड़ा दर्ज किया

नई दिल्ली, (हि.स.)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2022 में सोमवार को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मैच में मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने अपना सर्वश्रेष्ठ टी20 गेंदबाजी आंकड़ा दर्ज किया। बुमराह ने केकेआर के खिलाफ अपने चार ओवर में 10 रन देकर पांच विकेट हासिल किए। यह आईपीएल का पांचवां सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आंकड़ा भी था। आईपीएल में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी का रिकॉर्ड तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ के नाम है, जिन्होंने 2019 में अपने चार ओवरों में 12 रन देकर 6 विकेट हासिल किये थे। जबकि पाकिस्तान के सोहेल तनवीर 2008 में 6/14 के आंकड़े के साथ सूची में दूसरे स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के एडम जम्पा 2016 में 6/19 के आंकड़े के साथ तीसरे और भारत के अनिल कुंबले 2009 में 5/5 के आंकड़े के साथ पांचवें स्थान पर हैं मैच की बात करें तो इस मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए केकेआर ने वेंकटेश अय्यर (43), नीतिश राणा (43), अजिंक्या रहाणे (25) और रिंकू सिंह (नाबाद 23) की बेहतरीन पारियों की बदौलत 20 ओवर में 9 विकेट पर 165 रन का स्कोर

खड़ा किया। मुंबई की ओर से जसप्रीत बुमराह ने 5, कुमार कार्तिकेय ने 2 और डैनियल सैम्स व मुरूगन अश्विन ने 1-1 विकेट लिया। जवाब में मुंबई की टीम 17.3 ओवरों में 113 रनों पर सिमट गई। मुंबई की तरफ से ईशान किशन ने शानदार अर्धशतकीय पारी खेलते हुए 51 रन बनाए। केकेआर की तरफ से पैट कमिंस ने 3, आंद्रे रसल ने 2, टिम साउदी और वरूण चक्रवर्ती ने 1-1 विकेट लिया।

बीडब्ल्यूएफ उबर कप 2022 के क्वार्टर फाइनल में पहुंचा भारत

बैंकॉक, (हि.स.)। भारत ने बैंकॉक में यूएसए को 4-1 से हराकर चल रहे बीडब्ल्यूएफ उबर कप 2022 के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। ग्रुप डी मुकाबले में वर्ल्ड नंबर 7 पीवी सिंधु ने जेनी गाई को 26 मिनट तक चले मैच में 21-10, 21-11 से हराया। दूसरे मुकाबले में तनीषा क्रैस्टो और ट्रीसा जॉली की महिला युगल जोड़ी ने 34 मिनट तक चले मुकाबले में फ्रांसेस्का कॉर्बेट और एलीसन ली को 21-19, 21-10 से हराया।

तीसरे मैच में आकाश कश्यप ने एस्तेरशी को 34 मिनट तक चले मुकाबले में 18-21, 11-21 से हराया। इसके बाद, श्रुति मिश्रा और सिमरन सिंघी की जोड़ी लॉरेन लैम और कोडी टैंग ली की जोड़ी से हार गई। भारतीय जोड़ी यह मुकाबला 12-21,21-17, 21-13 से हारी। अंतिम मुकाबले में अश्मिता चालिहा ने नताली ची को 31 मिनट में 21-18, 21-13 से हराया। इससे पहले टीम इंडिया ने अपने पहले मैच में कनाडा को 4-1 से हराया था। एक के बाद एक दो जीत के साथ भारत ने क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है।

लवलीना ने विश्व मुक्केबाजी में निएन को हराकर अगले दौर में प्रवेश किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत की लवलीना बोरगोहेन ने विश्व महिला मुक्केबाजी चैंपियनशिप के लाइट मिडिलवेट वर्ग में पूर्व चैंपियन चीनी ताइपे की चेन निएन चिन को हराकर राउंड ऑफ 16 में प्रवेश किया है। लवलीना ने 70 किग्रा वर्ग में निएन को एक खंडित फैसले में 3-2 से हराया। लवलीना की निएन के खिलाफ यह दूसरी जीत है। इससे पहले गत वर्ष टोक्यो ओलंपिक में लवलीना ने क्वार्टर फाइनल में इस खिलाड़ी को हराया था। लवलीना ने इससे पहले विश्व चैंपियनशिप में साल 2018 और साल 2019 में भी दो बार कांस्य पदक जीते थे। अब

लवलीना अगले दौर में इंग्लैंड की तीन बार की राष्ट्रीय चैंपियन सिंडी एनगाम्बा का सामना करेंगी।

नीदरलैंड पुरुष क्रिकेट टीम के मुख्य कोच रयान कैंपबेल को अस्पताल से मिली छुट्टी

लंदन, (हि.स.)। नीदरलैंड पुरुष क्रिकेट टीम के मुख्य कोच रयान कैंपबेल को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है और आने वाले हफ्तों में उनके डच टीम में फिर से शामिल होने की उम्मीद है। 50 वर्षीय कैंपबेल को पिछले महीने दिल का दौरा पड़ा था। वह सप्ताहांत में अपने बच्चों के साथ एक खेल के मैदान में थे तभी उन्हें सीने में दर्द महसूस हुआ और सांस लेने में कठिनाई हुई, जिसके बाद वह मैदान पर ही गिर पड़े थे। कैंपबेल ने आईसीसी की वेबसाइट के अनुसार अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद कहा,"मैं इस अवसर पर रॉयल स्टोक अस्पताल के क्रिटिकल केयर यूनिट के अद्भुत डॉक्टरों और नर्सों को उनके अविश्वसनीय व्यावसायिकता, दयालुता और करुणा के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं चेशायर

में साहसिक खेल के मैदान में माता-पिता बेसी बैसेट को भी धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने तुरंत सीपीआर प्रशासित किया। उनके साहस और त्वरित हस्तक्षेप ने काफी सरलता से मेरी जान बचाई।" उन्होंने कहा,"मेरी पत्नी लियोन्टीना हर पल मेरे साथ थी और हमारे परिवार के बाकी सदस्यों को मेरी प्रगति के बारे में सूचित करती थी। उसने अपने रास्ते में आने वाले हर चुनौती से बहादुरी से निपटा। एलटी, मैं आपको धन्यवाद देता हूं और आपको प्यार करता हूं। अंत में, मैं दुनिया भर के मेरे सभी प्रशंसकों को धन्यवाद कहना चाहता हूं।" अब यह उम्मीद की जा रही है कि 50 वर्षीय कैंपबेल इस महीने के अंत में वेस्टइंडीज के खिलाफ घर में आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप सुपर लीग के तहत खेले जाने वाले तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला से पहले नीदरलैंड क्रिकेट टीम से फिर से जुड़ जाएंगे। कैंपबेल को जनवरी 2017 में नीदरलैंड्स का कोच नियुक्त किया गया था, और एक खिलाड़ी के रूप में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उन्होंने ऑस्ट्रेलिया और हांगकांग दोनों का प्रतिनिधित्व किया है।

टी-20 क्रिकेट में करियर बेस्ट प्रदर्शन करने के लिए भारतीय क्रिकेट जगत ने बुमराह को दी बधाई

नवीं मुंबई, (हि.स.)। मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने सोमवार को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ टी-20 क्रिकेट मे अपने कैरियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए अपने 4 ओवरों में 10 रन देकर पांच विकेट लिया। उनकी इस उपलब्धि पर भारतीय क्रिकेट जगत ने उन्हें बधाई दी है।

पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह ने ट्वीट किया, "एक राजा, हमेशा राजा होता है। जसप्रीत बुमराह यहां फॉर्म की कोई चिंता नहीं है भाई का क्या शानदार जादू है।" भारतीय स्पिनर अमित मिश्रा ने लिखा, "बुमराह की ऊर्जा को खर्च करने के कई तरीके हैं। उनमें से एक बुमराह जैसे गेंदबाज पर आक्रमण करने की कोशिश करते रहना। भारतीय क्रिकेट के एक सिद्ध सुपरस्टार ने एक बार फिर दिखाया कि वह एक भरोसेमंद तेज गेंदबाज है।" पूर्व भारतीय बल्लेबाज युवराज सिंह ने तेज गेंदबाज की प्रशंसा की और उन्हें 'मैच विजेता' कहा। युवराज ने ट्वीट किया, "क्षमा करें, आप जसप्रीत बुमराह के बारे में क्या कह रहे थे? फॉर्म अस्थायी होता है, जबकि क्लास स्थाई होती है। जस्सी जैसा कोई नहीं। वह एक मैच विनर हैं।" मैच की बात करें तो इस मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए केकेआर ने वेंकटेश अय्यर (43), नीतिश राणा (43), अजिंक्या रहाणे (25) और रिंकू सिंह (नाबाद 23) की बेहतरीन पारियों की बदौलत 20 ओवर में 9 विकेट पर 165 रन का स्कोर खड़ा किया।

मुंबई की ओर से जसप्रीत बुमराह ने 5, कुमार कार्तिकेय ने 2 और डैनियल सैम्स व मुरूगन अश्विन ने 1-1 विकेट लिया। जवाब में मुंबई की टीम 17.3 ओवरों में 113 रनों पर सिमट गई। मुंबई की तरफ से ईशान किशन ने शानदार अर्धशतकीय पारी खेलते हुए 51 रन बनाए। केकेआर की तरफ से पैट कमिंस ने 3, आंद्रे रसल ने 2, टिम साउदी और वरूण चक्रवर्ती ने 1-1 विकेट लिया।

सीएएफ चैंपियंस लीग 2022 के फाइनल की मेजबानी करेगा मोरक्को

गीजा, (हि.स.)। सीएएफ चैंपियंस लीग 2022 के फाइनल की मेजबानी मोरक्को को दी गई है। अफ्रीकी फुटबॉल परिसंघ (सीएएफ) ने उक्त जानकारी दी। फाइनल मुकाबला 30 मई को खेला जाएगा। सीएएफ चैंपियंस लीग 2022 के फाइनल की मेजबानी करने के लिए सेनेगल फुटबॉल फेडरेशन और रॉयल मोरक्कन फुटबॉल फेडरेशन ने बोली लगाई थी। महाद्वीप के फुटबॉल सत्तारूढ़ निकाय ने सेनेगल फुटबॉल फेडरेशन द्वारा अपनी बोली वापस लेने

के बाद मेजबानी मोरक्को को सौंपी। महाद्वीप की प्रमुख क्लब प्रतियोगिता का फाइनल 30 मई, 2022 को उत्तरी अफ्रीकी देश मोरक्को के स्टेड मोहम्मद वी, कैसाब्लांका स्टेडियम में खेला जाएगा।

आरसीबी अब किसी एक खिलाड़ी पर आधारित नहीं रही : शास्त्री

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि आईपीएल के इस सत्र में रॉयल चैलेंजर बैंगलोर (आरसीबी) की टीम इसलिए सफल रही है क्योंकि उसका कोई न कोई खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन कर टीम को जीत दिला रहा है। अभी तक अलग-अलग खिलाड़ियों ने इस सत्र में आरसीबी की ओर से अहम भूमिका निभाते हुए अपनी टीम को जीत दिलायी है। इससे इस बार इस टीम के पास आईपीएल खिताब जीतने का अच्छा अवसर है। शास्त्री ने कहा कि वे अच्छा खेल रहे हैं और सीएसके के खिलाफ मिली जीत के बाद उनका मनोबल भी बढ़ा है। टीम के ड्रेसिंग रूम का माहौल पहले की तुलना में बहुत बेहतर है। टीम के सभी खिलाड़ी आत्मविश्वास से भरे हैं और अब उनकी मानसिकता भी

सकारात्मक है। वहीं पूर्व बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने माना है कि इस बार आरसीबी की टीम बेहतर नजर आ रही है। साथ ही कहा कि एक संतुलित टीम होने के कारण ही उसका प्रदर्शन बेहतर हुआ है। आरसीबी का संतुलन अभी बहुत अच्छा नजर आता है जबकि इससे पहले ऐसा नहीं था। तब टीम विराट कोहली या एबी डिविलियर्स जैसे स्टार खिलाड़ियों की बल्लेबाजी पर ही आधारित रहा करती थी। इस साल टीम एक अलग रुप में नजर आ रही है। बल्लेबाजी के अलावा उसके पास कई अच्छे गेंदबाज भी हैं जिससे वह अब लक्ष्य का बचाव भी कर पा रही है। गेंदबाजी के कई विकल्प मौजूद हैं जो उनके लिए सबसे बेहतरीन बात है।

सीनियर महिला राष्ट्रीय हॉकी : मध्य प्रदेश, हरियाणा, पंजाब और महाराष्ट्र ने चौथे दिन दर्ज की जीत

भोपाल, (हि.स.)। 12 वीं हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 2022 के चौथे दिन सोमवार को मध्य प्रदेश, हरियाणा, पंजाब और महाराष्ट्र ने सोमवार को, भोपाल, मध्य प्रदेश के चौथे दिन जीत दर्ज की। दिन के पहले मैच में हॉकी मध्य प्रदेश ने पूल ए मैच में हॉकी चंडीगढ़ को 5-1 से हराया। हॉकी मध्य प्रदेश के लिए मनीषा चौहान (20'), सविता (26'), नीलू ददिया (30'), ज्योति पाल (57') और कप्तान नीरज राणा (60') ने गोल किए। हॉकी चंडीगढ़ के लिए एकमात्र गोल प्रियंका (35') ने किया। दिन के दूसरे मैच में, हॉकी हरियाणा ने पूल बी मैच में असम हॉकी को 7-1 से हराया। ज्योति (8', 19') और सोनी (34', 52') ने मैच में हॉकी हरियाणा के लिए अच्छा प्रदर्शन

किया, दोनों खिलाड़ियों ने दो-दो गोल किया। तन्नू (27'), कप्तान प्रियंका (49'), और भारती सरोहा (53') ने एक-एक गोल किया, जबकि साक्षी (23') ने असम हॉकी के लिए एकमात्र गोल किया। दिन के तीसरे मैच में हॉकी पंजाब ने छत्तीसगढ़ हॉकी पर 6-0 से जीत दर्ज की। कप्तान नवप्रीत कौर (5', 26'), और नवजोत कौर (32', 40') ने दो-दो गोल किए, जबकि किरणदीप कौर (36'), और सरबदीप कौर (48') ने एक-एक गोल किया। दिन के चौथे मैच में हॉकी महाराष्ट्र ने हॉकी राजस्थान को 4-0 से हराया। महाराष्ट्र के लिए अंकिता सपटे (39'), चैत्रली गावड़े (41'), मानश्री नरेंद्र शेडगे (51') और पूजा भानुदास शेंडागे (57') ने 1-1 गोल किया।

इंग्लैंड दौरे पर जाने से कुछ समय पहले चोटिल हुए हेनरी निकोल्स

माउंट माउंगानुई, (हि.स.)। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज हेनरी निकोल्स टीम के इंग्लैंड दौरे पर जाने से कुछ समय पहले चोटिल हो गए। सप्ताहांत में उड़ान भरने से पहले माउंट माउंगानुई में चल रहे अभ्यास के दौरान चोट लगने के बाद निकोल्स के दाहिने कॉल्फ का स्कैन किया जाएगा। अगले एक-दो दिनों में उनकी उपलब्धता पर स्थिति स्पष्ट हो जाएगी। ईएसपीएनक्रिकइन्फो की रिपोर्ट के अनुसार न्यूजीलैंड के मुख्य कोच गैरी स्टीड ने कहा,"उनका आज एमआरआई स्कैन किया जाएगा, जिसके बाद उनके चोट पर स्थिति और साफ होगी। मुझे लगता है कि अगले 24 से 48 घंटे में हमें इस बात का पता

चलेगा कि उनकी चोट कितनी गंभीर है।" निकोल्स कीवी की टेस्ट टीम का अहम हिस्सा हैं। उन्होंने 46 मैचों में 40.38 की औसत से आठ शतक लगाए हैं। न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के बीच तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला का पहला मैच 2 जून से लॉर्ड्स में खेला जाएगा। दोनों टीमें मई के अंत में दो अभ्यास मैचों में भी एक-दूसरे का सामना करेंगी।

न्यूजीलैंड पुरूष क्रिकेट टीम के कोचिंग स्टॉफ में शामिल हुए ल्यूक राइट

क्राइस्टचर्च, (हि.स.)। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने आयरलैंड, स्कॉटलैंड और नीदरलैंड के अपने आगामी सीमित ओवरों के दौरे के लिए इंग्लैंड के पूर्व ऑलराउंडर ल्यूक राइट को अपने कोचिंग स्टॉफ में शामिल किया है। राइट, डायोन इब्राहिम, डीन ब्राउनली और ग्रीम एल्ड्रिज मुख्य गेंदबाजी कोच शेन जुर्गेंसन व बल्लेबाजी कोच ल्यूक रोंची के साथ कोचिंग स्टॉफ का हिस्सा होंगे। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच गैरी स्टीड ने कहा, " ल्यूक के पास यूके की स्थितियों और टी 20 क्रिकेट का व्यापक अनुभव है, वहीं, डायोन घरेलू परिदृश्य पर एक होनहार नए मुख्य कोच हैं। मुझे यकीन है कि उन्हें ब्लैककैप के साथ दौरे से काफी फायदा होगा।" आयरलैंड के खिलाफ 10 जुलाई से शुरू हो रहे एकदिवसीय श्रृंखला से पहले न्यूजीलैंड की टीम तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला के पहले मैच में 2 जून, 2022 को लॉर्ड्स में इंग्लैंड का सामना करेगी।

विलियमसन के फार्म को लेकर परेशान नहीं मूडी

मुम्बई (ईएमएस)। आईपीएल के इस 15 वें सत्र में सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान केन विलियमसन अब तक बल्लेबाजी में असफल रहे हैं। इसके बाद भी टीम के मुख्य कोच टॉम मूडी परेशान नहीं हैं। मूडी के अनुसार विलियमसन जल्द ही इस लय में आकर ढ़ेरों रन बनाएंगे। वहीं विलियमसन की जगह राहुल त्रिपाठी से पारी की शुरूआत कराने पर मूडी ने कहा, 'हमने इस बारे में सोचा जरूर था पर बाद में हमें लगा कि त्रिपाठी, एडन मारक्रम और

निकोलस पूरन तीन-चार और पांचवें नंबर पर टीम की बल्लेबाजी को अधिक मजबूती दे सकते हैं, इसलिए उनका बल्लेबाज क्रम नहीं बदला गया। उन्होंने कहा कि विलियमसन एक शीर्ष स्तर के खिलाड़ी हैं और इसलिए उनके फॉर्म पर सवाल उठाना कहीं से भी सही नहीं का जा सकता क्योंकि पिछले मैच में उन्हें एक भी गेंद खेलने का अवसर तक नहीं मिला था।

कोलकाता ने मुंबई को 52 रन से हराया, जीत से केकेआर की उम्मीदें अभी जिंदा

मुंबई, (हि.स.)। डॉ. डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स अकादमी में खेले गए आईपीएल 2022 के 56वें मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स ने मुंबई इंडियंस को 52 रनों के बड़े अंतर से हरा दिया। इस जीत के साथ जहां कोलकाता ने क्वालीफायर में पहुंचने की उम्मीदों को जिंदा रखा है, वहीं मुंबई के हिस्से में नौवीं हार आई है। इस रोमांचक मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए कोलकाता ने 20 ओवर में नौ विकेट गंवाकर 165 रन बनाए। जवाब में मुंबई की टीम 17.3 ओवर में 113 रन पर ही सिमट गई। कोलकाता के दिए 166 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई के बल्लेबाजों ने एक बार फिर से निराश किया। कप्तान रोहित शर्मा मात्र 2 रन बना कर आउट हुए। फिर तिलक वर्मा भी 6 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। एक छोर से विकेट गिरते रहे तो दूसरे छोर पर ईशान किशन जमे रहे। रमनदीप सिंह, टिम डेविड और डेनियल सैम्स भी सस्ते में आउट हुए। इस बीच ईशान ने अपना अर्धशतक पूरा किया, लेकिन फिफ्टी के बाद वो भी ज्यादा देर नहीं टिक सके। किशन को 51 के निजी स्कोर पर पैट कमिंस ने चलता किया।

इसके बाद कमिंस ने मुरुगन अश्विन को भी सस्ते में आउट किया। फिर मुंबई के नीचे क्रम के बल्लेबाज भी कुछ खास नहीं कर सके और पूरी टीम 17.3 ओवर में 113 रन पर सिमट गई। कोलकाता की तरफ से पैट कमिंस ने तीन विकेट लिए, जबकि रसल को दो विकेट, टिम साउदी और वरुण चक्रवर्ती के खाते में एक-एक विकेट रहा। इससे पहले, टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी केकेआर की शुरूआत शानदार रही। कोलकाता की सलामी जोड़ी वेंकटेश अय्यर और अजिंक्य रहाणे ने अच्छी शुरूआत करते हुए तेजी से रन बनाए। टीम को पहला झटका छठे ओवर में लगा, लेकिन तब तक टीम का स्कोर 60 रन हो चुका था। वेंकटेश 43 रन बनाकर कुमार कार्तिकेय की गेंद पर आउट हुए। इसके बाद नीतीश राणा ने भी अच्छे हाथ दिखाए और रहाणे के साथ मिलकर पारी को आगे बढ़ाने लगे। तभी रहाणे 25 रन पर कार्तिकेय का दूसरा शिकार बने। जबकि कप्तान श्रेयश अय्यर कुछ कमाल नहीं कर सके और 6 रन पर आउट हो गए। आंद्रे रसल भी 9 रन के निजी स्कोर पर जल्दी आउट हो गए।

रसल के तुरंत बाद ही नीतीश राणा (43) भी चलते बने। आखिर में रिंकू सिंह ने 23 रन की अहम पारी खेली। मुंबई की तरफ से बुमराह ने 10 रन देकर 5 विकेट लिए, जबकि कुमार कार्तिकेय को दो, डेनियल सैम्स और मुरुगन अश्विन को एक-एक विकेट मिला।

बैंकाक में स्पेन की लूसिया रोड्रिग्यूज उबर कप बैडमिंटन में भाग लेती हुई। (फोटो-ईएमएस)

DELHI CRIME 11 may 2022:Layout 1 5/10/2022 7:22 PM Page 7

महामारी में सरकार ने जरूरतमंदों के लिए खोला खजाना खर्च किए 6.18 लाख करोड़

-मुफ्त राशन सहित अन्य सुविधाओं पर खर्च किया एक तिहाई हिस्सा

नई दिल्ली (ईएमएस)। कोविड-19 महामारी को दो साल से अधिक हो गए हैं मार्च, 2020 में देशभर में कोरोना के वायरस ने दस्तक दी तो लॉकडाउन के साथ लोगों की कमाई भी बंद हो गई। करोड़ों दिहाड़ी मजदूरों और भूमिहीन किसानों के सामने पेट भरने की विकट समस्या आ खड़ी हुई। तब केंद्र की मोदी सरकार ने संकटमोचन की भूमिका निभाते हुए जनता के लिए अपने खजाने खोल दिए। सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, बीते वित्तवर्ष 2021-22 में सब्सिडी व नकद सहायता वाली योजनाओं के जरिए कुल 6.18 लाख करोड़ रुपये खर्च किए गए। यह आंकड़ा एक साल पहले 2020-21 की तुलना में करीब 63 फीसदी ज्यादा है। सरकार ने यह राशि किसानों और मजदूरों को नकद सहायता के रूप में देने के अलावा, मुफ्त राशन सहित अन्य सुविधाओं पर खर्च की है। विभिन्न मंत्रालयों से जुटाए गए आंकड़ों के अनुसार, पिछले वित्तवर्ष में सरकार ने कुल 6.18 लाख करोड़ रुपये खर्च किए, जबकि इससे एक साल पहले यानी 2020-21 में 5.52 लाख करोड़ रुपये खर्च किए गए थे। कोरोना पूर्व स्तर से देखा जाए तो बीते साल दोगुनी रकम खर्च की गई है। वित्तवर्ष 2019-20 में सरकार ने कल्याणकारी योजनाओं पर 3.8 लाख करोड़ रुपये खर्च किए थे। आंकड़ों के अनुसार, सरकार ने प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के जरिये 783 करोड़ ट्रांजेक्शन किए, जो 2020-21 में 603 करोड़ ट्रांजेक्शन थे। इतना ही नहीं कोरोना पूर्व साल में (2019-20) में यह संख्या महज 438 करोड़ थी। इस तरह देखा जाए तो महज दो साल के भीतर ट्रांजेक्शन की संख्या में 79 फीसदी का जबरदस्त उछाल आया है। कोविड-19 महामारी की पहली लहर में सरकार ने दुनिया का सबसे बड़ा लॉकडाउन लगाया था, जिससे काम-धंधे से बंद हो गए थे और करोड़ों की संख्या में लोग बेरोजगार हो गए। ऐसे में उनका पेट पालने के लिए सरकार ने 2020 में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना शुरू की और करीब 80 करोड़ लोगों को दो साल तक मुफ्त राशन का लाभ दिया। इस योजना ने डीबीटी का दायरा अचानक काफी बढ़ा दिया। सार्वजनिक वितरण प्रणाली यानी पीडीएस के तहत ही 2021-22 में 342 करोड़ ट्रांजेक्शन किए गए। इससे लोगों को 2.17 लाख करोड़ रुपये का फायदा मिला। सरकार ने पिछले दिनों बताया था कि डीबीटी योजना को आधार से लिंक किए जाने के बाद अवैध रूप से पैसे के खर्च होने में कमी आई है। सिर्फ 2021-22 में ही इस तरीके ने 45 हजार करोड़ रुपये की बचत की, जबकि 2014 में योजना शुरू होने के बाद से अब तक 2.2 लाख करोड़ रुपये की बचत हो चुकी है। सरकार का कहना है कि इससे भ्रष्टाचार पर लगाम के साथ बिचौलियों की भूमिका भी खत्म हो चुकी है। मार्च 2020 से अप्रैल 2021 तक आधार से जुड़ा डीबीटी भुगतान 140 फीसदी जबकि अप्रैल 2020 से मई, 2021 तक यह 200 फीसदी तक बढ़ चुका है। डीबीटी की शुरूआत कांग्रेस की अगुवाई वाली यूपीए सरकार ने 2013-14 में की थी, लेकिन मोदी सरकार ने इसे आधार और मोबाइल से जोड़ दिया।

कुतुब मीनार के अंदर हनुमान चालीसा का हुआ पाठ

- हिंदू संगठनों का प्रदर्शन, नाम बदलकर विष्णु स्तंभ करने की मांग

दिल्ली, (ईएमएस)। हिंदू संगठनों ने मंगलवार को दिल्ली में स्थित कुतुब मीनार के परिसर के अंदर हनुमान चालीसा का पाठ किया। हिंदू संगठनों ने मांग की है कि कुतुब मीनार का नाम बदलकर विष्णु स्तंभ किया जाए। यूनाइटेड हिंदू फ्रंट के अंतरराष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और राष्ट्रवादी शिव सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयभगवान गोयल भी मौजूदगी में हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। यूनाइटेड हिंदू फ्रंट का कहना है कि कुतुब मीनार वास्तव में विष्णु स्तंभ है। कुतुब मीनार का निर्माण 27 जैन और हिंदू मंदिरों को ध्वस्त करके किया गया था। सरकार से कुतुब मीनार का नाम विष्णु स्तंभ रखने की अपील की गई है। इसके साथ ही कुतुब मीनार परिसर में देवी-देवताओं की मूर्तियां स्थापित करने की मांग की है। प्रशासन द्वारा एहतियात के तौर पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे और कुतुब मीनार परिसर में भारी सुरक्षा बल तैनात किया था। गौरतलब है कि कुतुब मीनार परिसर में लगी जैन और हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियों का जीर्णोद्धार करके सम्मान सहित स्थापित करने और हिंदुओं को यहां पूजा की अनुमति देने की मांग को लेकर यूनाइटेड हिंदू फ्रंट द्वारा विष्णु स्तंभ चलने का आह्वान और परिसर में हनुमान चालीसा का पाठ साधु-संतों की मौजूदगी में किया गया।

एएसआई को दिया था यथास्थिति बनाये रखने का निर्देश - पूर्व में दिल्ली की एक अदालत ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को अगले आदेश तक कुतुब मीनार परिसर से भगवान गणेश की दो मूर्तियों को नहीं हटाने का आदेश दिया था। एडिशनल डिस्ट्रिक्ट जज निखिल चोपड़ा ने अपने आदेश में निर्देश दिया जाता है कि अगली सुनवाई तक यथास्थिति बनाई रखी जाय।

चुनाव से पहले गुजरात में गूंजने लगा पुरानी पेंशन योजना का मुद्दा

गांधीनगर (ईएमएस)। पुरानी पेंशन व्यवस्था को फिर से शुरू करने, नियत वेतन व्यवस्था को खत्म करने और सातवें वेतन आयोग की सिफारिशों को लागू करने सहित कई मांगों को लेकर राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने सोमवार को एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया। गुजरात राज्य संयुक्त कर्मचारी मोर्चा (जीएसयूईएफ) के बैनर तले गांधीनगर के सत्याग्रह छावनी में लगभग सभी सरकारी विभागों के कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया। बता दें कि गुजरात में इसी साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। 2005 में बंद कर दी गई पुरानी पेंशन योजना को बहाल करने की मांग के अलावा, कर्मचारियों ने कॉन्ट्रैक्ट सिस्टम और निश्चित वेतन व्यवस्था के माध्यम से नियुक्तियों को समाप्त करने की मांग की। सरकारी कर्मचारियों के संगठन ने बाद में सीएम को संबोधित एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें कहा गया था कि वह सरकारी कर्मचारियों के कल्याण के लिए जिम्मेदार हैं और उनकी सरकार को सातवें वेतन आयोग की सभी सिफारिशों को स्वीकार करना चाहिए। जीएसयूईएफ के संयोजक सतीश पटेल ने कहा, 'हम अपनी मांगों को रखने के लिए मुख्यमंत्री से मिलने का समय मांगेंगे। अगर हमें सरकार से अनुकूल प्रतिक्रिया नहीं मिलती है, तो हम अपनी अगली कार्ययोजना की घोषणा करेंगे।ह्व पटेल गुजरात प्राइमरी स्कूल टीचर्स एसोसिएशन के महासचिव भी हैं। उन्होंने कहा कि राजस्व, स्वास्थ्य, पंचायत, मत्स्य पालन और अन्य विभागों के कर्मचारियों ने दिन भर के धरने में भाग लिया। पटेल ने दावा किया, "करीब एक लाख कर्मचारियों ने काम से छुट्टी ली और विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए।" कुछ दिनों पहले, सरकारी स्कूल के शिक्षकों के एक छत्र निकाय गुजरात राज्य शैक्षणिक संघ ने भी नई पेंशन योजना (एनपीएस) को रद्द करने की मांग को लेकर सत्याग्रह छावनी में धरना दिया था। पुरानी पेंशन योजना को बहाल करने की मांग को लेकर सोमवार को अन्य विभागों के कर्मचारी भी धरने में शामिल हुए।

भाजपा नेता तेजिंदर पाल बग्गा की गिरफ्तारी पर पांच जुलाई तक रोक

चंडीगढ़, (हि.स.)। पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट ने दिल्ली भाजपा के नेता तेजिंदर पाल सिंह बग्गा को राहत प्रदान करते हुए पांच जुलाई तक गिरफ्तारी पर रोक लगा दी । हाई कोर्ट ने पंजाब पुलिस को निर्देश दिए थे कि वह बग्गा के खिलाफ 10 मई तक दंडात्मक कार्रवाई न करे। पंजाब में सत्ता परिवर्तन के बाद दिल्ली के भाजपा नेता तेजिंदर पाल बग्गा ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ सोशल मीडिया पर टिप्पणी की थी। इस टिप्पणी के बाद उनके खिलाफ मोहाली में मामला दर्ज किया गया था। छह मई को उस समय हंगामा हुआ जब पंजाब पुलिस बग्गा को गिरफ्तार करने के लिए दिल्ली पहुंच गई और हिरासत में ले लिया। दिल्ली पुलिस द्वारा पंजाब पुलिस के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज कर लिया गया। पंजाब पुलिस जब बग्गा को लेकर चंडीगढ़ आ रही थी तो रास्ते में कुरुक्षेत्र पुलिस ने उन्हें रोक लिया। इसे लेकर कई घंटे तक हाई वोल्टेज ड्रामा चला और दिल्ली पुलिस ने तेजिंदर पाल को पंजाब पुलिस के कब्जे से छुड़वा लिया। सात मई को मोहाली की अदालत ने बग्गा के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया। मोहाली की अदालत ने 23 मई तक बग्गा को अदालत में पेश करने के निर्देश जारी किए। मोहाली की पुलिस इस कार्रवाई के कुछ घंटे बाद पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने मंगलवार तक तेजिंदर पाल की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी। मंगलवार को इस मामले की सुनवाई करते हुए पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट ने बग्गा को 5 जुलाई तक राहत दे दी है। बग्गा के वकील ने कहा कि मामला सियासी रंजिश का है। अरविंद केजरीवाल के खिलाफ जिस वीडियो को लेकर बग्गा के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है, वह वीडियो तोड़ मरोड़कर पेश किया गया है। वहीं पंजाब के एडवोकेट जनरल ने इस याचिका का विरोध करते हुए इसे रद्द करने की मांग की।

एक परिवार एक टिकट का फॉर्मूला लागू करेगी कांग्रेस, खुद गांधी परिवार से हो सकती है शुरूआत

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस ने उदयपुर में चिंतन शिविर से पहले बड़े बदलाव की तैयारी कर ली है। हुई कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक में एक परिवार में एक ही व्यक्ति को टिकट देने, अहम पद पर रहने के बाद तीन साल कूलिंग ऑफ पीरियड होने और पैनलों में बड़ी संख्या को कम करने जैसे प्रस्तावों पर मुहर लगी है। कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि हाईकमान को सुझाव दिया गया था कि प्रदेश अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष या राष्ट्रीय कार्यकारिणी शामिल नेताओं को एक कार्यकाल पूरा होने के बाद तीन सालों तक पद से दूर रखा जाना चाहिए। इस पर सहमति बन गई है। इसके अलावा एक परिवार से एक ही व्यक्ति को टिकट देने पर भी सहमति बनी है। पार्टी का मानना है कि इससे वह भाजपा की ओर से लगाए जा रहे परिवारवाद के आरोपों का जवाब दे सकेगी। उदयपुर में 13 से 15 मई तक कांग्रेस का चिंतन शिविर होना है। इसमें इन सभी प्रस्तावों को पेश किया जाएगा। 2024 के आम चुनाव से पहले पार्टी उन सभी पेचों को कस लेना चाहती है, जहां कोई भी ढिलाई नजर आ रही है। इसी के तहत उसने पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और मध्य प्रदेश में नए प्रदेश अध्यक्षों की नियुक्ति की है। इसके अलावा यूपी और बिहार जैसे राज्यों के लिए भी प्लानिंग करने में जुटी है। यही नहीं राजस्थान और छत्तीसगढ़ पर भी पार्टी की नजर है, जहां इसी साल के अंत तक चुनाव होने वाले हैं। इस चिंतन शिविर में 400 पार्टी नेता शामिल होंगे। कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक के बाद एक नेता ने कहा, 'एक परिवार एक टिकट के प्रस्ताव पर सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका ऐलान करेंगे।

यह भी ऐलान किया जा सकता है कि 2024 के आम चुनाव में परिवार का एक ही व्यक्ति लड़ेगा।' इसके अलावा कांग्रेस में बदलाव की मांग करने वाले नेता संसदीय बोर्ड के भी पुनर्गठन की बात करते रहे हैं। राजनीतिक मामलों की समिति ने सुझाव दिया है कि पार्टी को देश भर में गठबंधन करने चाहिए।

चक्रवाती तूफान 'असनी' के मद्देनजर विशाखापत्तनम से इंडिगो की सभी उड़ानें रद्द

विशाखापत्तनम, (हि.स.)। बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवाती तूफान 'असनी' के आज रात तक उत्तरी आंध्र प्रदेश और ओडिशा के तटों पर पहुंचने का अनुमान है। इसके मद्देनजर विशाखापत्तनम से इंडिगो की 23 उड़ाने रद्द कर दी गईं।

एयर एशिया की नई दिल्ली-विशाखापत्तनम-बेंगलुरु के उड़ानों को रद्द करने की घोषणा की गई है। एयर इंडिया की मुंबई-रायपुर-विशाखापत्तनम, दिल्ली-विशाखापत्तनम के दो उड़ानों को भी रद्द कर दिया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अधिकारियों के अनुसार असनी 7 किलोमीटर प्रति घंटे के रफ्तार से पश्चिम दिशा की ओर बढ़ रहा है। विशाखापत्तनम में चक्रवात चेतावनी केंद्र ने कहा है कि असनी बंगाल की खाड़ी के पश्चिम-मध्य क्षेत्र और उससे सटे दक्षिण-पश्चिम क्षेत्र पर बना हुआ है। यह काकिंडा से 350 किलोमीटर, गोपालपुर से 510 किलोमीटर और पुरी से 5500 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण-पूर्व में केंद्रित है।

रात तक इसके उत्तर-पश्चिम की ओर आगे बढ़ने की संभावना है। इससे श्रीकाकुलम, विजयनगरम, विशाखापत्तनम और पूर्वी गोदावरी सहित उत्तरी आंध्र प्रदेश में प्रभाव होगा। इन इलाकों में 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने के साथ भारी बारिश होने का संभावना है। विभाग ने मछुआरों को गहरे समुद्र में न जाने की सलाह दी है। श्रीकाकुलम ,विजयनगरम, विशाखापत्तनम में जिला प्रशासन ने हेल्पलाइन स्थापित की है। साथ ही एनडीआरएफ को सतर्क रहने को कहा है। जिला प्रशासन ने चेतावनी दी है उत्तर इलाकों के तटों पर 40 से 60 किलोमीटर रफ्तार से तेज हवा चलेगी।

मुख्यमंत्री धामी के हेलिकॉप्टर की आपात लैंडिंग

देहरादून, (हि.स.)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी कल चंपावत विधानसभा उपचुनाव के लिए नामांकन किये। आज वे चंपावत से हेलिकॉप्टर द्वारा देहरादून लौट रहे थे। लेकिन पंतनगर पहुंचने पर अचानक तेज आंधी और बारिश शुरू हो गई। इस कारण उनके हेलिकॉप्टर की आपात लैंडिंग पंतनगर में करनी पड़ी। जानकारी के मुताबिक आज करीब 11 बजे अचानक तेज हवाओं के साथ आंधी चलने लगी। फिर बारिश भी शुरू हो गई। उस दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर धामी हवाई मार्ग से देहरादून जा रहे थे। आंधी और तेज बारिश के कारण उनके हेलीकॉप्टर को पंतनगर में इमरजेंसी लैंडिंग करवाई गई। आपात लैंडिंग की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन और पुलिस में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में जिले के आला अधिकारी पंतनगर पहुंचे। जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री पंतनगर एनेक्सी में रुके हुए हैं। उनके साथ उनकी पत्नी गीता धामी भी मौजूद हैं।

नौ राज्यों में हिंदुओं को अल्पसंख्यक दर्जा देने की मांग पर सुनवाई 30 अगस्त तक टली

नई दिल्ली, (हि.स.)। सुप्रीम कोर्ट ने नौ राज्यों में हिंदुओं को अल्पसंख्यक दर्जा देने की मांग पर सुनवाई 30 अगस्त तक के लिए टाल दी है। केंद्र ने राज्यों से चर्चा करने के लिए समय मांगा था। कोर्ट ने 3 महीने का समय दिया है। केंद्र सरकार ने हलफनामा दायर कर सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि राज्य अपने यहां किसी समुदाय या भाषा को अल्पसंख्यक का दर्जा दे सकते हैं। हलफनामे में कहा गया है कि राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग का गठन पूरी तरह संवैधानिक है। अल्पसंख्यक कल्याण संविधान की समवर्ती सूची का विषय है । इस पर राज्य भी कानून बना सकते हैं। ऐसा नहीं है कि संसद से बना कानून किसी राज्य को अपनी सीमा में किसी समुदाय या भाषा को अल्पसंख्यक का दर्जा देने से रोकता है। केंद्र सरकार ने अपने हलफनामे में महाराष्ट्र और कर्नाटक का उदाहरण देते हुए कहा है कि महाराष्ट्र ने यहूदी समुदाय को अपने राज्य में अल्पसंख्यक का दर्जा दिया है। उसी तरह कर्नाटक ने उर्दू, तेलुगु, तमिल, मलयालम, हिंदी, लामनी, कोंकणी और गुजराती को अल्पसंख्यक भाषाओं का दर्जा दिया है। याचिका में अश्विनी उपाध्याय की ओर से दायर याचिका को खारिज करने की मांग की गई है। 31 जनवरी को याचिका पर केंद्र का जवाब न आने पर नाराजगी जताते हुए कोर्ट ने केंद्र सरकार पर साढ़े सात हजार रुपये का जुमार्ना लगाया था। सुप्रीम कोर्ट ने 28 अगस्त, 2020 को केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया था। याचिका बीजेपी नेता और वकील अश्विनी उपाध्याय ने दायर की है। याचिका में कहा गया है कि हिंदू 10 राज्यों में अल्पसंख्यक हैं लेकिन उन्हें अब तक अल्पसंख्यक घोषित नहीं किया गया है। याचिका में आबादी के हिसाब से राज्यवार अल्पसंख्यकों की पहचान करने की मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि कई राज्यों में हिन्दू, बहाई और यहूदी वास्तविक अल्पसंख्यक हैं लेकिन उन्हे वहां अल्पसंख्यक का दर्जा प्राप्त न होने के कारण अपनी पसंद के शैक्षणिक संस्थान खोलने और चलाने का अधिकार नहीं है। याचिका में अल्पसंख्यक शिक्षा संस्थान कानून के लिए राष्ट्रीय आयोग कानून 2004 की धारा 2 (एफ) की वैधता को भी चुनौती दी गई है।

हमारे सहयोगी संरक्षक एवम् ब्यूरो प्रमुख

प्रधान सम्पादक – नरेन्द्र कुमार

सहयोगी संरक्षक

अनिल सेठी

नरेश ए बाबू-कार्यकारी निदेशक

कला सहयोगी-मोहित शुक्ला, रजनीश

सदस्य एवं रिपोर्टर

•राजकुमार कश्यप (दिल्ली) •दीपक कुमार (पटियाला)
• वीरेन्द्र कुमार ठाकुर •वीरेंद्र सिंह बघेल (फरीदाबाद)
• अनीता सिंह •राम नाथ •मुकेश गुप्ता, मीनाक्षी निगम
•मोहम्मद शमशेर (दिल्ली) • मुकेश जोशी (उत्तराखण्ड)
• अशोक कुमार, काजल शर्मा (गुरूग्राम)
• अवध किशोर त्रिपाठी (अहमदाबाद)
•श्याम लाल (मेरठ) •रामनरेश सिंह (पडरौना, उत्तरप्रदेश)
•नवीन सुरेल, तालबहेट, ललितपुर, (झाँसी)
• ओम शुक्ला, मनीष शुक्ला, शिवम शुक्ला (कानपुर)
• ओमपाल वर्मा, इन्द्रमणी मंडल (रायपुर छत्तीसगढ़)
• फ्रूमू लामों सिलीगुड़ी, रोशन कुमार मिश्रा (पश्चिम बंगाल)
■ पिंटू बनर्जी (पश्चिम बंगाल)

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक हैं।

समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री, लेख, रचनाओं, एवम् विज्ञापनों में लेखकों और विज्ञापन दाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए दिल्ली क्राईम व भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा की किसी भी तरह की जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही मान्य होगा।

विशेष :- किसी भी परिस्थिति में निर्णय लेने का अधिकार केवल संपादक को है।

S-529, स्कूल ब्लॉक, शकरपुर, दिल्ली - 110092

संपर्क – 011-35631400
Customer Care No.
83750 00628

ADVERTISMENT RATE TARIFF PLAN

FULL PAGE | HALF PAGE | QUARTER PAGE

FULL FRONT PAGE	₹ 1,20,000/-
FULL INNER PAGE	₹ 60,000/-
FULL BACK PAGE	₹ 90,000/-
HALF FRONT PAGE	₹ 66,000/-
HALF PAGE INNER	₹ 36,000/-
HALF PAGE BACK	₹ 51,000/-
QTR. PAGE FRONT	₹ 36,000/-
QTR. PAGE INNER	₹ 21,000/-
QTR. PAGE BACK	₹ 30,000/-

Classifieds Ads. Per Column / 3 CM. Rs.2100/-
Visiting Card Size Advertisements:
Front Page Rs. 6000/- Back Page Rs. 4500/-
Inner Page Rs.3000/-

DELHI CRIME 11 may 2022:Layout 1 5/10/2022 7:22 PM Page 8

मेरे और शाहरुख को लेकर वैसा कुछ नहीं: अजय

-दोनों में अनबन की अफवाह को लेकर तोड़ी चुप्पी

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्टर शाहरुख खान और अजय देवगन ने एक साल के अंतर में बॉलीवुड में एंट्री ली थी। शाहरुख ने जहां साल 1992 में फिल्म दीवाना से सिनेमा में एंट्री ली थी। वहीं, बॉलीवुड के सिंघम ने साल 1991 में फिल्म फूल और कांटे के जरिए बॉलीवुड डेब्यू किया था। दोनों के बीच कोल्ड वॉर की खबरें भी रहीं, जिस पर अब अजय देवगन ने चुप्पी तोड़ी है। अजय देवगन उन एक्टर्स में से हैं, जो सवाल का बेहद नपा-तुला जवाब देते हैं। शाहरुख खान के साथ अनबन की खबरों पर उन्होंने हाल ही में उन्होंने जवाब दिया। अजय देवगन ने कहा, 90 की जनरेशन के जो हम 6-7 एक्टर थे। हमारी अच्छी परफॉर्मेंस रही है। हमने हमेशा एक-दूसरे को सपोर्ट किया है। जो भी मीडिया हमारे बारे में लिखती है, मेरे और शाहरुख खान को लेकर वैसा कुछ नहीं है। हम फोन पर बात करते हैं। हमारा बॉन्ड बहुत स्ट्रांग है। जब भी किसी एक को दिक्कत होती है, तो दूसरा साथ खड़ा होता है। हम एक-दूसरे पर भरोसा करते हैं। अगर कोई कहता है कि हम तुम्हारे साथ हैं तो वह सच में साथ में रहता है। इस बातचीत में सिंघम ने आगे कहा, कभी-कभी क्या होता है कि मीडिया के अलावा फैंस भी दोनों के अनबन की खबरें बनाते हैं तो जब दो सेलेब्स के फैन एक-दूसरे से लड़ते हैं, तो लोग समझते हैं कि एक्टर्स भी लड़ रहे हैं।

लेकिन मैं सबसे कहना चाहूंगा कि हम एक हैं तो अगर अगली बार आप इस बात का ध्यान रखें। अजय देवगन और शाहरुख खान ने आज तक साथ में कोई फिल्म नहीं की है। हाल ही दोनों एक विज्ञापन में साथ नजर आए थे, जिसमें दोनों को साथ देख उनके फैंस काफी खुश हुए थे। वहीं शाहरुख की काजोल के साथ बहुत अच्छी दोस्ती हैं। दोनों को स्पेशल बॉन्ड शेयर करता देखा गया है। वर्क फ्रंट का बात करें तो कुछ दिनों पहले अजय देवगन की फिल्म रनवे 34 रिलीज हुई है, जिसे बॉक्स ऑफिस पर अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। वहीं, शाहरुख खान इन दिनों अपनी नई मूवी पठान को लेकर सुर्खियों में हैं। मालूम हो कि अजय देवगन और शाहरुख खान बॉलीवुड के वो सितारे हैं, जो 90 के दशक से लोगों का मनोरंजन पर्दे पर कर रहे हैं। शाहरुख खान ने काजोल के साथ कई सुपरहिट फिल्में दी।

'कबीर सिंह' जैसी फिल्म करने से पहले सोचूंगी: कियारा

-कहानी में कुछ बदलाव होगा तो वह इस बारे में सोचेगी

मुंबई(ईएमएस)। एक्ट्रेस कियारा आडवाणी ने साउथ फिल्म अर्जुन रेड्डी के हिंदी रीमेक कबीर सिंह में काम करने के बाद बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बनाई है। हालांकि अब उन्होंने एक इंटरव्यू के दौरान कहा कि वह इस तरह की एक और रीमेक करने से पहले दो बार सोचेंगी। अभिनेत्री ने कहा कि अगर ओरिजिनल वर्जन देखने के लिए ओटीटी प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है, तो ऐसे में रीमेक के बारे में सोचना पडेगा क्योंकि वह इसे ऑनलाइन देख सकती है। यदि रीमेक ओरिजनल फिल्म का एडॉप्शन है और कहानी में कुछ बदलाव होगा तो वह इस बारे में फिर सोच सकती हूं। बातचीत में कियारा ने आगे ये भी कहा कि बॉलीवुड साउथ की फिल्मों पर निर्भर नहीं है। उन्होंने असहमति जताते हुए कहा, मुझे लगता है, कभी-कभी, एक छोटी सी फिल्म, जो एक मोती की तरह होती है, जो एक निश्चित भाषा में बनाई जाती है, जिसे लिमिटेड लोग ही देख सकते हैं। हमारे देश में हिंदी इतनी व्यापक रूप से बोली जाती है। ऐसे में आपको लगता है कि क्यों न इस फिल्म को बड़े दर्शकों के लिए बनाया जाए?, ताकि ये और भी लोगों तक आसानी से पहुंच जाए। अब काम की बात करें तो, कियारा जल्द ही अनीस बज्मी की फिल्म भूल भुलैया 2 देखी जाएंगी। इस फिल्म में उनके साथ कार्तिक आर्यन भी हैं। यह फिल्म 20 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है। इतना ही यह फिल्म कंगना रनौत स्टारर धाकड़ के साथ क्लैश करने वाली हैं। भूल भुलैया 2 फिल्म के बाद कियारा वरुण धवन, अनिल कपूर और नीतू कपूर के साथ जुग जुग जीयो में भी नजर आएंगी। बता दें कि कियारा आडवाणी इन दिनों अपकमिंग फिल्म भूल भुलैया 2 के प्रमोशन में काफी व्यस्त हैं। इस फिल्म के बाद वह साउथ के सुपरस्टार राम चरण के साथ फिल्म आरसी 15 में देखी जाएंगी।

गोविंदा को याद कर रोने लगे कृष्णा अभिषेक

कॉमेडियन एक्टर कृष्णा अभिषेक ने अपने मामा गोविंदा के लिए एक इमोशनल मैसेज शेयर किया है। कृष्णा अभिषेक ने कहा है कि उन्हें अपने मामा की याद आती है और वह चाहते हैं कि उनके बच्चे गोविंदा के साथ खेलें। बता दें कि कृष्णा अभिषेक और गोविंदा के बीच चीजें ठीक नहीं हैं और वह इस बात की तसल्ली करते हैं कि जिस भी एपिसोड में गोविंदा शरीक हों, वह खुद उसका हिस्सा नहीं बनें। मनीष पॉल के पॉडकास्ट में कृष्णा अभिषेक काफी भावुक हो गए जब उनसे उनके मामा के साथ रिश्तों को लेकर सवाल किया गया। कृष्णा ने कहा कि वह कई बार ऐसा फील करते हैं कि गोविंदा को भी उनकी याद आती होगी। कृष्णा मनीष पॉल के पॉडकास्ट में मेहमान बनकर पहुंचे थे जिसमें दोनों के बीच आई तनातनी को लेकर सवाल किया गया। मनीष ने वादा किया कि वह जो भी जवाब देंगे उसमें कोई भी कट या एडिट नहीं लगाया जाएगा। इस जवाब पर अभिषेक ने भीगी आंखों से कहा, 'बात ऐसी है कि जब मैं इंटरव्यूज में बोलता हूं तो चीजें कट-एडिट और पेस्ट के बाद सामने आती हैं। गोविंदा मामा, मैं आपसे बहुत प्यार करता हूं और मुझे आपकी बहुत याद आती है। मैं हमेशा आपको मिस करूंगा। आपको कभी भी खबरों और इस तरह की चीजों पर यकीन नहीं करना चाहिए जो मीडिया में आती रहती हैं। मैं बस एक चीज मिस करता हूं कि मैं चाहता हूं कि मेरा मामा मेरे बच्चों के साथ खेले।'

संभावना सेठ का बच्चा न होने को लेकर छलका दर्द

कई टीवी सीरियल्स में काम कर चुकीं एक्ट्रेस संभावना सेठ अपने बेबाक अंदाज के लिए भी जानी जाती हैं। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर फैन्स के लिए पोस्ट शेयर करती रहती हैं। वह अपना एक यूट्यूब चैनल भी चलाती हैं, जिसमें अपनी जिंदगी के डेली अपडेट्स संभावना सेठ पति अविनाश द्विवेदी के साथ शेयर करती रहती हैं। अब इसी चैनल के जरिए एक्ट्रेस ने अपनी जिंदगी का सबसे बड़ा दुख बयां किया है। संभावना ने बताया कि वह चार-पांच सालों से बच्चे के लिए ट्राई कर रहे हैं, लेकिन सभी कोशिशें नाकाम हो रही है। सिर्फ यही नहीं एक्ट्रेस ने ट्रोलर्स को करारा जवाब भी दिया, जो उन्हें बॉडी शेमिंग और उम्र के लिए ट्रोल करते रहते हैं। संभावना ने पति अविनाश के साथ अपने यूट्यूब चैनल पर बच्चा न होने का दर्द बयां किया। उन्होंने कहा, 'मैं और अविनाश 3-4 साल से बेबी की प्लानिंग कर रहे हैं लेकिन सभी कोशिशें नाकाम रही। जब कुछ सही नहीं हुआ तो हमने आईवीएफ का सहारा लेने का सोचा। लेकिन 4 बार आईवीएफ से कोशिश भी फेल हो गई।' संभावना ने आगे कहा मैं अपनी जिंदगी में इस परेशानी से जूझ रही हूं लेकिन उससे किसी को मतलब नहीं है। बल्कि लोग मुझे ताने मारते रहते हैं। सोशल मीडिया पर लोग मुझे बढ़े हुए वजन को लेकर ट्रोल करते हैं। तो कोई कहता है कब तक कुत्ते-बिल्ली पालोगी अब खुद का बच्चा कर लो। लेकिन इसमें कुछ लोग वाकई हमारी चिंता करते हैं।

रणवीर सिंह की फिल्म सर्कस का फर्स्ट लुक पोस्टर आउट, इस दिन रिलीज होगी फिल्म

लम्बे समय से चर्चा में बनी हुई रणवीर सिंह की फिल्म सर्कस का फर्स्ट लुक पोस्टर मेकर्स ने मंगलवार को जारी कर दिया है और इसके साथ ही फिल्म की रिलीज डेट की भी घोषणा कर दी है। फिल्म में रणवीर संग पूजा हेगड़े और जैकलीन फर्नांडिस नजर आएंगी। यह एक कॉमेडी फिल्म होगी। इसके अलावा फिल्म में वरुण शर्मा और जॉनी लीवर भी मजेदार किरदार निभाते नजर आएंगे। जबकि, दीपिका पादुकोण और अजय देवगन स्पेशल अपीरियंस में नजर आएंगे। मंगलवार को सामने आये फर्स्ट लुक पोस्टर में फिल्म के सभी अहम किरदारों की झलक है। रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म में रणवीर सिंह का डबल रोल होने वाला है। फिल्म शेक्सपियर के प्ले द कॉमेडी ऑफ एरर से प्रेरित है। रोहित शेट्टी के निर्देशन में बन रही 'सर्कस' को रोहित शेट्टी के साथ-साथ भूषण कुमार भी मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं। यह फिल्म इसी साल क्रिसमस के मौके पर 23 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'थडम' के हिन्दी रीमेक 'गुमराह' में दिखेंगी मृणाल ठाकुर

फिल्म 'सुपर 30' और 'बाटला हाउस' जैसी फिल्मों में अपने शानदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने वाली मृणाल ठाकुर जल्द ही अभिनेता आदित्य रॉय कपूर के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी। मृणाल साल 2019 में रिलीज हुई साउथ सुपरस्टार अरुण विजय की एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'थडम' की हिन्दी रीमेक में आदित्य रॉय कपूर के साथ नजर आयेंगी और इस फिल्म का नाम होगा 'गुमराह'। इस फिल्म में आदित्य रॉय कपूर डबल रोल में नजर आएंगे। यह पहला मौका होगा जब आदित्य किसी फिल्म में डबल रोल में नजर आएंगे। मृणाल और आदित्य के अलावा अभिनेता रोहित रॉय भी फिल्म में अहम भूमिका में होंगे। फिल्म के पहले शेड्यूल की शूटिंग पूरी हो चुकी है। वहीं मंगलवार से मुंबई में इसके सेकेण्ड शेड्यूल की शूटिंग भी शुरू हो गई। रिपोर्ट्स के अनुसार, यह फिल्म सच्ची घटना से प्रेरित एक एक्शन-थ्रिलर होगी। वर्धन केटकर द्वारा निर्देशित इस फिल्म को मुराद खेतानी और भूषण कुमार ने निर्मित किया है। वर्धन केटकर की बतौर निर्देशक यह फिल्म बॉलीवुड डेब्यू है।

मुनव्वर से बिल्कुल भी प्रभावित नहीं हूं: पायल

-रियलिटी शो लॉक अप की कंटेस्टेंट्स है पायल

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत का रियलिटी शो लॉक अप की कंटेस्टेंट्स पायल रोहतगी ने दावा किया है कि शो में वह ऐसी अकेली प्रतिभागी हैं जो मुनव्वर फारूकी से प्रभावित नहीं हुई। लॉक अप के हालिया एपिसोड में, प्रतियोगियों को कुछ सोशल मीडिया पोस्ट दिखाए जाते हैं जो ब्लैंक स्पेस होते हैं और इसे भरने के लिए प्रतियोगियों को उन नामों का अनुमान लगाने के लिए कहा जाता है, जिनके बारे में पोस्ट में बातें की जा रही है। प्रतियोगियों को सोशल मीडिया पोस्ट में से एक के शख्स के नाम का अनुमान लगाने के लिए कहा गया जाता है। जिसपर लिखा है लिखा है, लॉक अप में पूरी तरह से फेक महिलाओं के बीच, मैंने एकदम फ्रेश और सच्चा पाया। इस ब्लैंक स्पेस में आजमा अपना नाम लिखती हैं। शिवम, मुनव्वर और प्रिंस भी आजमा का नाम लेते हैं। सायशा अपना नाम लिखती है। ब्लैंक स्पेस भरने में पायल रोहतगी अपना नाम और कारण बताते कहती हैं- मैंने अपना नाम लिया है। मैं खुद को सच्ची और फ्रेश पाती हूं। यह मेरी विचार है क्योंकि मुझे लगता है कि मैंने जैसी हूं वैसे ही गेम को पूरी निष्ठा और सच्चाई के साथ खेला है। मैंने इसके लिए कोई लिमिट नहीं रखी है। इसके बाद एक और ब्लैंक स्पेस में जिसमें लिखा होता है केवल मुनव्वर फारूकी के प्रभाव के बिना खेला है, इस ब्लैंक स्पेस में पायल फिर से अपना नाम भरती हैं। पायल का मानना है कि सोशल मीडिया पोस्ट उन्हीं की है। वह कहती हैं, मुझे लगता है कि यह मेरा नाम है। क्योंकि यहां जो भी अंदर आया है, उन सभी ने मुनव्वर की जी हुजूरी की है। हालांकि मैंने इस खेल में मुनव्वर की मदद या प्रभाव के बिना खेला हैं। मैं उनकी दोस्ती के बिना खेल में जीवित रहा हूं। हालांकि वहीं अपने बचाव में आजमा कहती हैं, मैं भी बच गई और मुनव्वर के प्रभाव के बिना खेली। हालांकि, पायल का दावा है कि जब वह ऑरेंज ब्लॉक में थीं तो मुनव्वर को खूब मक्खन लगाती थीं। पायल कहती हैं, आप मुनव्वर की अच्छी किताबों में रहने के लिए बेताब थीं क्योंकि आप चार्जशीट में थे। अंत में पोस्ट में नाम शिवम शर्मा बताया जाता है। यह ऑल्ट बालाजी और एमएक्स प्लेयर पर स्ट्रीम होगा। ट्रॉफी जीतने की रेस में प्रतियोगी पायल रोहतगी, मुनव्वर फारूकी, सायशा शिदे, शिवम शर्मा, प्रिंस नरूला, अंजलि अरोड़ा और आजमा फलाह हैं।

इन सुपरहिट फिल्मों को लात मार चुके हैं विजय देवरकोंडा

तेलुगू सिनेमा के सुपरस्टार विजय देवरकोंडा अपने डैशिंग लुक और दमदार अदाकारी के दम पर लोगों के दिलों में खास जगह बना ली है। अपने फिल्मी करियर में विजय देवरकोंडा ने कई सुपरहिट फिल्में दी है। अर्जुन रेड्डी, सुपर टैक्सी, गीता गोविंदम, पेल्ली चूपुलु और जन गण मन जैसी फिल्में करके विजय देवरकोंडा ने बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड तोड़े हैं।

वैसे उन्होंने कई बड़ी-बड़ी फिल्मों के ऑफर भी ठुकराए हैं। इस लिस्ट में कबीर सिंह और डियर कामरेड रीमेक जैसी कई फिल्मों को रिजेक्ट कर चुके हैं। इन दिनों विजय देवरकोंडा अपनी अपकमिंग फिल्म लाइगर के चलते खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। इस फिल्म में उनके अपोजिट अनन्या पांडे नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में राम्या कृष्णनन भी अहम रोल में नजर आएंगी। इसके अलावा विजय देवरकोंडा डायरेक्टर सुकुमार की अनटाइटल्ड फिल्म में भी नजर आने वाले हैं। विजय के खाते में वीडी 11 नाम की भी फिल्म है। इस फिल्म का निर्देशन शिवा निरवाना ने किया है। यह फिल्म इसी महीने सिनेमाघरों में दस्तक देगी। अगले साल विजय देवरकोंडा की मच अवेटेड फिल्म जन गण मन भी रिलीज होने वाली है। विजय जाने-माने डायरेक्टर आनंद अन्नामलाई की फिल्म हीरो में भी लीड रोल अदा करने वाले हैं।

'जान दूंगा देश नहीं' टैगलाइन के साथ जारी हुआ 'मेजर' का ट्रेलर

शहीद मेजर संदीप उन्नीकृष्णन की बायोपिक 'मेजर' का शानदार ट्रेलर मेकर्स ने सोमवार को जारी कर दिया है। इस फिल्म में अभिनेता अदिवि शेष मेजर उन्नीकृष्णन के किरदार में हैं। फिल्म में अदिवि शेष के अलावा अभिनेत्री सई मांजरेकर, शोभिता धूलिपाला, प्रकाश राज, रेवती और मृणाल शर्मा भी अहम भूमिकाओं में हैं। सोमवार को सामने आये फिल्म के ट्रेलर का लिंक अदिवि शेष ने सोशल मीडिया पर फैंस के साथ साझा किया है। देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत फिल्म के इस ट्रेलर में एक युवा यानि की संदीप की कहानी दिखाई गई है, जो सोल्जर बनकर अपनी देश की सेवा करना चाहता है और वह अपने इस सपने को पूरा भी करता है। फिल्म के ट्रेलर में एक जवान का देश के लिए प्रेम और उसके परिवार का उस जवान के प्रति प्रेम और चिंता को दिखाया गया है, जिसमें वह जवान अपने देश को चुनता है और किसी भी कीमत पर अपने देश पर कोई आंच नहीं आने देना चाहता। फिल्म के ट्रेलर में 26/11 हमले की भी झलक दिखाई गई है। फिल्म के ट्रेलर में फिल्म के सभी अहम किरदारों की भी झलक है। उल्लेखनीय है कि मेजर संदीप उन्नीकृष्णन मुंबई के ताज होटल में हुए 26/11 के आतंकी हमले में अपना फर्ज निभाते हुए शहीद हो गये थे। फिल्म का निर्माण साउथ के सुपरस्टार महेश बाबू ने किया है। फिल्म के निर्देशक शशि किरण टिक्का हैं। शहीद मेजर संदीप उन्नीकृष्णन के जीवन पर आधारित यह फिल्म 3 जून , 2022 को हिंदी, तमिल और मलयालम में रिलीज होगी।

सूडोकु नवताल- 6067

कठिनतम

				1			6	
					5			
2		3	9			8		
6							5	
			8		3			
	1							4
		7			1	3		9
			2					
	5			6				

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6066 का हल

7	6	8	2	1	9	3	4	5
2	1	5	6	3	4	8	7	9
3	4	9	5	7	8	6	1	2
5	7	4	8	6	1	9	2	3
9	2	1	3	4	5	7	8	6
8	3	6	7	9	2	1	5	4
1	5	3	4	8	5	2	9	7
4	9	7	1	2	3	5	6	8
6	8	2	9	5	7	4	3	1

शब्दजाल - 6814

क	र्म	मे	रि	दु	ला	रा	ल	क	लं	क	
बू	खु	क	दू	इं	जी	क	शि	या	ड़	नी	
त	पी	जा	ल्हे	र	ग	बा	ल	ह	प	ल	
र	ग	ए	रा	जा	बा	बू	ल	यु	लि	प्रे	
व	र	रा	जा	जी	क	ला	कि	यो	ग	म	
ल	इ	वि	मो	ग	प	ला	शी	ह	गी	श	
न	अ	ल	रा	व	मा	जो	ई	व	प	क्ति	
क	रि	ल	र	क	र	ह	त्या	ल	वि	क	
र	क	ल	श	रा	न	ज	जी	शा	जू	म	
र	ग	ल	नो	मा	व	शि	का	री	टि	जो	
बां	क	र	तू	त	च	ले	स	क	म	र	

शब्दजाल में 'क' से शुरु होने वाले दस शब्द ढूंढिए. दिये गए शब्द उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

कबूतर,कमजोर,कलयुग,कलंक,कलश, कलाई,करामात,करतूत,कर्म,कमर

शब्दजाल - 6813 का हल

से	रा	जें	द्र	स	ता	ना	वा	ज	पे	स	
त्ते	फ	ल	प्रे	व	जी	म	द	ह	कां	र	
न	स	ल	म	को	ह	रा	म	ल	ख	का	
त	स	स	ता	दि	वा	ज	ध	त्रि	श	र	
श	आ	र	ग	स	ज	ना	तू	दे	झ	प	
न	ल	ला	र	दि	म	उ	ती	व	घ	स	
स	ड़	क	फ्यू	जी	प	बा	ज	स	व	जा	
श	एं	वा	स	र	फ	रो	श	ज	श	व्हा	
मी	ड	ल	फू	ल	औ	र	आ	ग	स	आ	
र	गॉ	ल	प	लि	जी	शी	ला	कौ	चे	द	
वि	ज	स	त्ता	धी	श	डि	त	व	त	म	

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-5767

1		7	6		5	
	34	2	31		28	
4	5			1		2
	30	3	29	5	39	
	3		4	6	7	
5	28	5	36		38	
3	5					1

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5766 का हल

5	6	1	4	2	7	3
7	32	5	31	3	30	1
4	1	3	6	7	5	2
3	22	2	40	6	39	7
2	3	4	7	5	1	6
1	34	6	37	4	28	5
6	5	7	3	1	2	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

स्वामी एवं संपादक इंद्रा द्वारा S-529, स्कूल ब्लॉक, शकरपुर, दिल्ली - 110092 से जारी
Customer Care No:- 8375000628, For News & Advertisement- 8588881461, Email-info@delhicrimepress.in, Website- www.Delhicrimepress.in